



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 27] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 8, 1978 (आषाढ़, 17 1900)

No. 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 8, 1978, (ASADHA 17, 1900)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

दृष्टव्य न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकाक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जून 1978

सं. पी०/751-प्रशा०-II—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ए० 12019/1/75-प्रशा०-II दिनांक 23-5-1978 का अतिक्रमण करते हुए, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एसद्वारा स्थायी प्राविधिक सहायक (हाल०) श्रीमती डॉ जे० लालवानी को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप से 21-4-1978 से 19-5-1978 तक की अवधि के लिए अध्यक्षा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

प्र० ना० मुखर्जी,
उप-सचिव
कृत सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 जून 1978

सं. ए० 12019/5/74-प्रशा०-II—प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, एसद्वारा, संघ लोक सेवा आयोग के सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री मं० से० छावड़ा को स्थानापन्न रूप से तदर्थ प्राधार पर वरिष्ठ अन्वेषक के पद पर 1-6-1978 से 31-8-1978 तक की अवधि के लिए अध्यक्षा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

2. श्री मं० से० छावड़ा संघ लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ अन्वेषक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका बेतन समय-समय पर यथासंशोधित विस्त मन्त्रालय के का० जा० सं० एफ० 10 (24 III/60 दिनांक 4-5-1978) के अनुसार विनियमित होंगे।

प्र० ना० मुखर्जी,
उप-सचिव,
कृत शध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1978

सं० ए०-19021/6/78-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० सी० शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (1966-आसान) को दिनांक 1-6-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहायक निवेशक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी,
उप-निवेशक (प्रशासन)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 जून 1978

सं० ओ० दो०-1032/75-स्थापना—महानिवेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, ने डाक्टर श्रीमती ज्योत्सनामाई नायक को 25-5-78 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ शिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 17 जून 1978

सं० ए०-छह०-8/77-स्थापना—श्री गेन्डा लाल शर्मा ने उनके अनुभाग अधिकारी के पद पर परावर्तित होने के फलस्वरूप, संयुक्त सहायक निवेशक (लेखा) पद का कार्यभार 31-5-78 (अप्राह्ण) को स्थाग दिया व उन्होंने अनुभाग अधिकारी, महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, का कार्यभार 1-6-78 (पूर्वाह्न) को सम्भाल लिया।

दिनांक 20 जून 1978

सं० ओ० दो०-907/71-स्थापना—मन्त्रीमंडल सचिवालय, भारत सरकार द्वारा उनकी सेवाएं केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को समर्पित करने के फलस्वरूप श्री एम० कपूर को उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमान्डर), 60वीं वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद पर 28-5-78 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निवेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जून 1978

सं० 10/6/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की प्रबंद सूची के सेलेक्शन ग्रेड अधिकारी श्री वी० पी० पांडे को दिनांक 26 मई, 1978 के अप्राह्ण से अगले

ग्रादेशों तक अस्थाई तौर पर भारत के उप-महापंजीकार के पद पर सहायक नियुक्त करते हैं।

पी० पद्मानाभ
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय
(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० 23/3/78-सी० पी० आई०—मई, 1978 में औद्योगिक श्रमिकों का अविवाह भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) अप्रैल, 1978 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 323 (तीन सौ तेहस) रहा। मई, 1978 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949-100 पर परिवर्तित किए जाने पर 393 (तीन सौ तरनवे) आता है।

आनन्द स्वरूप भारतवाज
संयुक्त निवेशक, श्रम ब्यूरो

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 जून 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री डी० आर० कोडाश्वर स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट मुद्रण) को रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेटिनिमाइंग) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्ति को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

पी० एस० शिवराम
महाप्रबंधक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 6 जून 1978

सं० पी० डी०/2/2104—इस कार्यालय की अधिसूचना श्रमांक पी० डी०/2/765 दिनांक 19-4-78 के आगे श्री एस० पी० चटर्जी, फोरमैन को प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद में रु 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में सहायक कार्य प्रबंधक के रूप में स्थर्थ आधार पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है औंकि श्री ए० के०

घोष सहायक कार्य प्रबन्धक, मुख्य रसायनज्ञ के रूप में तदर्थ
प्राधार पर अग्रिम आदेशों तक कार्य कर रहे हैं।

श० रा० पाठक,
महा प्रबन्धक

महालेखाकार का कार्यालय

तिथ्वनन्तपुरम, दिनांक 12 जून 1978

सं० स्थापना/हकदारी/1/1/10-3/81—महालेखाकार का
कार्यालय, केरल के स्थानापन्न लेखा अधिकारी श्री के०
के० परमेश्वरन पिल्लै को स्वेच्छा से 28-2-1978 अपराह्न
के प्रभाव से सेवानिवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

आर० के० ए० सुन्दराण्णा
महालेखाकार

तिथ्वनन्तपुरम, दिनांक 9 जून 1978

सं० स्थापना प्र० 7/9-86/खण्ड-II/77—नीचे बताए गए
अनुभाग अधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को लेखा
अधिकारियों के रूप में स्थानापन्न होने हेतु प्रत्येक के नाम के
सामने लिखित तारीख से प्रगते आदेशों तक नियुक्त करने
के लिए महालेखाकार केरल संतुष्ट हुए हैं।

1. श्री वी० रामलिंगम 8-6-78 पूर्वाह्न
2. श्री पी० ए० सुकुमारन 8-6-78 पूर्वाह्न

एस० जयरामन

उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 16 मई 1978

सं० ओ० सी० संख्या सी-225—श्री दुर्गा चरण मिश्र
लेखा अधिकारी जिन्हें समयपूर्व दिनांक 20-12-75 (अपराह्न)
को सेवा निवृत्त किया गया था, उन्हें अविलम्ब पुनः स्थापित
किया गया। उनके सेवा निवृत्त होने की निधि से पुनः स्थापन
मध्यवर्ती अवधि को उनके कार्यभार लेने के रूप में उप-
चरित किया जाएगा।

आर० के० चन्द्रशेखरन,
महालेखाकार, उड़ीसा,
भुवनेश्वर

महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात

अहमदाबाद, दिनांक 16 जून 1978

सं० स्था० (ए०)/जी०ओ०/प्रोमोशन/1237—महालेखा-
कार गुजरात ने आधिन लेखा सेवा के निम्नलिखित स्थायी
सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए दिनांक से लेकर
प्रगता आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्य-
लय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति
देने की कृपा की है।

(1) श्री जी० नरसिंहन 18-5-78 पूर्वाह्न से
(2) श्री एन० वी० कुण्ठन 17-5-78 „

(3) श्री एन० एम० बुच 22-4-78 पूर्वाह्न से
(4) श्री के० एस० हसानी 22-4-78 „
(5) श्री वी० आर० नारायण स्वामी 25-5-78 „

के० पी० लक्ष्मण राव
उप महालेखाकार (प्रशासन)
महालेखाकार गुजरात, अहमदाबाद
का कार्यालय

मुख्य लेखा परीक्षक, पूर्व रेलवे के कार्यालय
कलकत्ता-700001, दिनांक 15 जून 1978

सं० प्रशा०/32-449/59/0920—निवर्तन की आयु
प्राप्त होकर श्री के० सी० गुहा स्थानापन्न लेखा परीक्षा
अधिकारी, मुख्य लेखा परीक्षक, पूर्व रेलवे कलकत्ता के कार्यालय
के संबंध में ता० मई 1978 की मध्य रात्रि से नहीं
रह जाएंगे।

देवीवास आचार्य
मुख्य लेखा परीक्षक
पूर्व रेलवे
कलकत्ता।

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेस फैक्टरियां अधिसूचना

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1978

सं० 8/78/ए०/एम०—इस मुख्यालय के सं० 375/ए०
एम०, तारीख 26-12-77 द्वारा प्रेषित डी० जी० एन० सं०
4/77/ए०/एम० में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:-

सेक्रेटारी 10 नाम

वास्ते—डा० (कुमारी) सरोज भाटिया
पढ़ा जाए—डा० (श्रीमती) सरोज वी० शास्त्री

पी० एन० त्रिखा
बिगेडियर
निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं
कृते महानिदेशक, आईनेस फैक्टरियां

महानिदेशालय, आईनेस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 12 जून 1978

सं० 29/78/जी०-आधिक्य सेवा निवृत्ति आयु (58
वर्ष) प्राप्त करने पर, श्री पी० के० गुप्ता, स्थानापन्न टी०
एस० ओ० (मौलिक और स्थायी स्टाफ सहायक) दिनांक
30वीं अप्रैल, 1978 (अपराह्न) से सेवामुक्त हुए।

सं० 30/78/जी०—58 वर्ष की आयु के उपरान्त एक
वर्ष की सेवाकृद्धि की समाप्ति पर, श्री एस० आर० दास
गुप्ता स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी

फोरमैन) दिनांक 31 मार्च 1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० भेहता
सहायक महानिदेशक, आईनेंस फैक्टरियां

बाणिज्य नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक जून 1978

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण
स्थापना

सं० 6/1070/75-प्रशासन/राज/4240—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के बारे चार के स्थावी अधिकारी, श्री पी० आर० सिंगला ने 31 मई, 1978 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य भार छोड़ दिया।

का० बे० शेषाद्रि
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

शौद्धोगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1978

सं० 12/(226)/61-प्रशासन (राजपत्रित) —श्री जी० छी० दुग्गल, स्थाई उप निदेशक (यांत्रिक) को, जो लघु उद्योग विकास संगठन में तदर्थ आधार पर स्थानापन निदेशक (ग्रेड-II) (यांत्रिक) के रूप में कार्य कर रहे हैं, निवारन की आयु प्राप्त कर लेने पर राष्ट्रपति जी दिनांक 30-4-1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति होने की अनुमति सहर्ष प्रशन करते हैं।

सं० 12(716)/72-प्रशा० (राज०) —संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी लघु उद्योग विकास संगठन के श्री ए० एम० एलेंजेंडर, सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (रसायन) को दिनांक 1-5-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-) (रसायन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री ए० एम० एलेंजेंडर ने दिनांक 1-5-1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के सहायक निदेशक (ग्रेड-) (रसायन) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 1-5-78 (पूर्वाह्न) से ही लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक निदेशक (ग्रेड-) (रसायन) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 25 मई 1978

सं० ए० 19018(331)/77-प्रशा० (राज०) —संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी, श्री ए० एस० सूद को दिनांक 4-5-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड I) (कांच/सिरेमिक्स) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. अपनी नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री ए० एस० सूद ने दिनांक 4-5-78 (पूर्वाह्न) से शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (कांच/सिरेमिक्स) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 26 मई 1978

सं० ए०-19018(267)/76-प्रशा० (राज०) —लघु उद्योग विकास संगठन के सहायक निदेशक (ग्रेड I) (आई० एम० टी०) श्री बो० एल० गुप्ता का सरकारी सेवा से त्याग-पत्र राष्ट्रपति जी दिनांक 4-4-78 (अपराह्न) से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

बी० बैंकटरायल,
उप निदेशक (प्रशासन)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 8 जून, 1978

सं० सी० ई० आर०/8/78—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मै एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त मंशोधन करता हूँ, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 9 के सामने स्तम्भ 2 में, मद (छह) के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ दी जायेगी, अर्थात्—

2

“(सात) निदेशक, रेशम उत्पादन और बुनाई, असम (आठ) संयुक्त निदेशक बुनाई, असम (नौ) उप-निदेशक बुनाई, असम (दस) सहायक निदेशक बुनाई, असम (गारह) अधोक्षण बुनाई, असम”

गोरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1978

सं० प्र०-1/1(989):—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता

कार्यालय में स्थाई सहायक निदेशक (प्रेड I) श्री एन० हलदर को दिनांक 26 मई, 1978 वें अपराह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में उप निदेशक पूर्ति के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जून 1978

सं० प्र०-1/1(961):—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन पूर्ति निदेशक (तस्व), अम्बर्हाई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रेड I) (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० वे प्रेड III) श्री बन्सि लाल को दिनांक 26-5-78 से प्रागामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय, अम्बर्हाई में उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के प्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन अनुभाग-6)

दिनांक 19 जून 1978

सं० प्र० 6/247(323)/61-भाग III:—राष्ट्रपति भारतीय निरीक्षण सेवा (ग्रुप ए) के प्रेड III की धातु-कर्म शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री आर० सी० भट्टाचार्य को दिनांक 16-11-77 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री भट्टाचार्य दिनांक 16-12-77 से 2 वर्ष के लिये परिवीक्षाधीन होगे।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 13 जून 1978

सं० 5287/2181 (के० बी० आर०)/19 बी०:—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रखायनज श्री के० बी० राव को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 18-2-1976 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे भारत गोल्ड माईन्स लिमिटेड में प्रशासी अधिकारी के रूप में अपनी नई नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

दिनांक 16 जून 1978

सं० 5276/2339 (एस० एस०)/19 बी०:—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के केन्द्रीय क्षेत्र के सहायक भूभौतिकीविद श्री लक्ष्मी सिंह को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 28 जुलाई, 1977 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा

है ताकि वे भारतीय सौक्षम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली में इन्होंने पौत्रव विज्ञानी के पद का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

प्राकाशवाणी: महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1978

सं० 10/139/77-SIII:—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० एन० रथ चौधरी को आकाशवाणी नई दिल्ली के अनुसन्धान कार्यालय में दिनांक 20-5-78 से सहायक हंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

दिनांक 14 जून 1978

सं० 10/62/77:—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० के० शर्मा को प्राकाशवाणी नजीबाबाद में दिनांक 25-10-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 12 जून 1978

सं० 8/21/50-सिवर्दी-1:—श्री एस० के० जैन, स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी, अक्काश पर क्लेउन्स के द१२३, फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने, श्री विं, आर० पेशवानी, स्थाई अधीक्षक को दिनांक 12-6-1978 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एस० चन्द्रन् नायर,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते, प्रमुख निर्माता

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978

सं० 4/23/70-डी० एफ० डब्ल्यू० प्रशासन:—श्री डी० एस० सैनी, स्थानापन्न रिकार्डिस्ट, फिल्म प्रभाग को श्री एन० पी० सीताराम, मुख्य रिकार्डिस्ट के 61 दिन के अंतिम अवकाश लेने पर उनके स्थान पर 23 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 22 जुलाई, 1978 तक कार्यवाहक मुख्य रिकार्डिस्ट, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में नियुक्त किया गया।

एस० एस० सिंह,
सहायक प्रशासक अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1978

सं० 19-19/72-प्रशासन-1:—श्री जी० मोहनावलू की प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर उन्होंने 7 अप्रैल, 1978 अपराह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसन्धान संस्थान पाण्डेचेरी से प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुटियाला,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिवाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, 16 जून 1978

सं० ए० 19025/73/78-प्र० तृ०:—श्री के० के० तिवारी वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, जम्मू में दिनांक 9-5-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 17 जून 1978

सं० ए० 19025/71/78-प्र० तृ०:—श्री आर० सी० मुंशी वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, नागपुर में दिनांक 27-5-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/65/78-प्र० तृ०:—श्री ए० नरसिंहा राव वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, बंगलौर में दिनांक 31-5-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 20 जून 1978

सं० ए० 19023/27/78-प्र० III:—तिलहन विकास निदेशालय, हैदराबाद में उप निदेशक (विपणन) के पद पर व्यवस्था होने पर श्री जी० के० पदार्थ, विपणन अधिकारी, नागपुर ने दिनांक 27 मई, 1978 के पूर्वाह्न में इस निदेशालय के अधीन अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री० पी० भाष्मा,
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विपणन समाजकार

दिल्ली दुर्घट योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 12 जून 1978

सं० 3-24/77-स्था० (विशेष):—इस कार्यालय की दिनांक 22-4-78 की समसंबंधित अधिसूचना के क्रम में, दिल्ली दुर्घट योजना में प्रशासन अधिकारी (ग्रुप 'बी०' राजपत्रित) के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000 रु० रो० 40-1200 में श्री वी० डी० कोळड़ की तदर्थि नियुक्ति 30-4-78 से 5-6-78 तक और बढ़ाई जाती है और उन्हें दिनांक 6-6-78 (पूर्वाह्न) से सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तित भाना जाये।

दिनांक 13 जून 1978

सं० 3-11/77-स्था० (विशेष):—इस कार्यालय के दिनांक 31-3-78 की समसंबंधित अधिसूचना के क्रम में, श्री मोहिन्दर सिंह की तदर्थि और अस्थाई नियुक्ति दिल्ली दुर्घट योजना में प्रशासन अधिकारी (ग्रुप 'बी०' राजपत्रित) के पद पर बढ़ाकर दिनांक 30-6-78 तक कर दी गई है।

जितेन्द्र कुमार अरोरा,
महा प्रबन्धक

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 7 जून, 1978

सं० 5(5)/78-पुष्टीकरण/1157:—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को इसके द्वारा 1 फरवरी, 1977 से भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, में, मौतिक रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० श्री० नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	प्रभी का पद	प्रभाग
1.	श्री सी० पी० वी०	एस० सी०	तकनीकी सेवाएं मेनेन
2.	श्रीमती ललिता सुब्र- मनियन	एस० सी०	विकिरण प्रौष्ठध केन्द्र
3.	श्री एम० ए० प्रभुदेसाई	एस० सी०	कंप्यूटर अनुभाग
4.	श्री सी० आर०	एस० सी०	स्वास्थ्य भौतिकी गोपालकृष्णन
5.	श्री के० एस० भट	एस० सी०	एच० डब्ल्यू० एम० एस०

संशर्ख 5(5)/78-पुष्टीकरण/1158:—निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र इसके द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को 1 फरवरी 1977 से भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र में मौलिक रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर प्रेष्ठ एस० बी० नियुक्त प्रते हैं।

क्रम	नाम	अभी का पद	प्रभाग	बी० ए० आर० सी० में स्थाई पद
1.	श्री जी० बी० दांडेकर	एस० सी०	इलेक्ट्रोनिकी	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
2.	श्री आर० ए० जाधव	"	रिएक्टर प्रचालन	फोरमैन
3.	श्री ए० जे० मिस्ट्री	"	केन्द्रीय वर्कशाप	"
4.	श्री के० एस० दास	"	डी० ई० ई० डी०	"
5.	श्री पी० के० बोस	"	ईंधन पुनर्साधन	"
6.	श्री जे० डी० तवीब	"	इलेक्ट्रोनिकी	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
7.	श्री एस० ई० आगरकर	"	प्रोफरी	नक्शानवीस (सी०)
8.	एस० टी० आर्यंगार	"	प्लाज्मा भौतिकी अनुभाग	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
9.	श्री के० के० उपल	"	स्वास्थ्य भौतिकी	"
10.	श्री एम० सी० जैन	एस० बी०	डी० आर० पी०	"
11.	श्री ए० आर० युसूफ	एस० सी०	ईंधन पुनर्साधन	फोरमैन
12.	श्री आर० के० गुप्ता	"	"	"
13.	श्री एच० एल० रिशीराज		स्वास्थ्य भौतिकी	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
14.	श्री ए० एम० कुरते	"	"	"
15.	श्री एस० एस० प्रधान	"	रिलायबिलिटी इबेल लेब	"
16.	श्री बी० एस० सारंग	"	विष्लेषणात्मक रसायनिकी	"
17.	श्री ए० एस० देशपांडे	"	न्यूक्लीय भौतिकी	"
18.	श्री बी० जी० कागल	"	तकनीकी भौतिकी	"
19.	श्री एस० एस० माइनकर	"	स्वास्थ्य भौतिकी	"
20.	श्री पी० एल० पवार	"	भारी पानी	"
21.	श्री ए० के० गोविन्दन	"	एच० छल्यू० एम० एस०	"
22.	श्री पी० आर० भावसार	"	तकनीकी भौतिकी	"
23.	श्री जे० आर० रेणे	"	रिएक्टर इंजीनियरी	"
24.	श्री बी० डी० देशपांडे	एस० बी०	केन्द्रीय वर्कशाप	फोरमैन
25.	श्री एस० जी० बुद्धे	एस० सी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
26.	श्री एम० जी० पटवधन	"	न्यूक्लीय भौतिकी	"
27.	श्री एस० एन० रामणा	"	भारी पानी	"
28.	श्री एम० आर० एम० पातिकर	"	तकनीकी सेवायें	नक्शानवीस (सी०)
29.	श्री बी० एम० शाह	"	न्यूक्लीय भौतिकी	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
30.	श्री आर० डी० शिरगांवकर	"	जैव रसायन एवं खाद्य तकनीकी	"
31.	श्री पी० डी० सदलगेकर	"	तकनीकी सेवायें	फोरमैन
32.	श्री ए० जी० यास्कर	"	डी० आर० पी०	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
33.	श्री बी० एच० प्रयागकर	"	प्राइमरी आइसोटोप अनुभाग	"
34.	श्री एम० एस० विस्वेस्वरद्धा	"	यूरानियम मेटल प्लांट	
35.	श्री जे० एस० नाथर	"	धातुको	"
36.	श्री एम० डब्ल्यू० नामजोशी	"	इलेक्ट्रोनिकी	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
37.	श्री आर० एन० साठे	एस० बी०	और एक्सट्रेशन अनुभाग	नक्शानवीस (सी०)

कु० एच० बी० विजयकर,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 31 मई 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/३ (262)/76-प्रशा०/6644—
निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई, एतद्वारा
इस प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्री के० प्र०
ओसेफ को, 26 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 1 जुलाई, 1978 के
अपराह्न तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक
अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति
श्री टी० टी० पिशोरी, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान
पर की जा रही है, जो सामान्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर
पदोन्नत हो गए हैं।

दिनांक 2 जून 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/३ (262)/76-प्रशा०/6636—
इस प्रभाग की तारीख 4 मई, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना
के अनुमति में, इस प्रभाग के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री
टी० टी० पिशोरी, जिन्हें 24 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से
26 मई, 1978 के अपराह्न तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में
अस्थायी रूप से सामान्य प्रशासन अधिकारी नियुक्त विया गया
था, को 1 जुलाई, 1978 के अपराह्न तक उसी पद पर अस्थायी
रूप से काम करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० पी० पी० ई० डी०/३ (262)/76-प्रशा०/6637—
इस प्रभाग की तारीख 5 अप्रैल, 1978 के समसंख्यक अधिसूचना
के अनुमति में, इस प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और
स्थानापन्थ प्रबरण कोटि लिपिक श्री ए० ए० शाह, जो इसी
प्रभाग में 1 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से 4 मई, 1978 तक की
अवधि के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी
रूप से नियुक्त किए गए थे, को अनुज्ञा प्रदान की गई है कि वे उसी
पद का कार्यभार 7 जुलाई 1978 के अपराह्न तक संभाले रहें।

बी० बी० याट्टे
प्रशासनिक अधिकारी

तरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

तरोरा, दिनांक 27 मई 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा०/1 (66)/78-एस—
श्री आर० पी० हरन ने, अपनी नियुक्ति परिवर्ती ऊर्जा साइ-
क्लोट्रान परियोजना कलकत्ता में प्रशासनिक अधिकारी (प्रेड-
1100-50-1600 रुपये) के पद पर हो जाने पर, इस परियोजना
में अपने प्रशासनिक अधिकारी II के पद का कार्यभार 23 मई,
1978 के अपराह्न में छोड़ दिया।

ए० आर० पार्षदारथि
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

तरोरा, दिनांक 6 जून 1978

सं० एल० ए० पी० पी०/प्रशा०/3 (25)/78—तरोरा
परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, परि-

योजना के स्थानापन्थ पर्यवेक्षक श्री मोरेश्वर विनायक बेहरे
को 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के
लिए उसी परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/
इंजीनियर—प्रेड एरा० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० वेनुगोपालन
प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय
बम्बई, दिनांक 6 जून 1978

सं० क० भ० नि०/४१ (१)/७७ प्रशा०/15911—
इस निदेशालय की अधिगृहना संख्या क्रमनि/23/4/77/
संस्थापन/144699 दिनांक 1 जून 1978 के तारतम्य में
निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय
के अस्थायी क्रय सहायक श्री जी० बी० वर्तक को सहायक क्रय
अधिकारी के पद पर, अग्रिम समय 29 जुलाई, 1978 तक
तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० क० भ० नि०/४०/३२०११/३/७६/संस्थापन/15944—
इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19 मई
1978 के तारतम्य में, निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु,
ऊर्जा विभाग, श्री के० पी० जोसेफ सहायक कार्मिक अधिकारी,
के प्रशासन अधिकारी नियुक्त होने पर, इस निदेशालय के अस्थायी
सहायक श्री कर्लवित्तिल रवीन्द्रन को अग्रिम समय 19 जून
1978 तक, सहायक कार्मिक अधिकारी, के पद पर, तदर्थ रूप से
नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 28 मई 1978

सं० पी० ए० आर०/०७०४/९४२—मुख्य कार्यपालक,
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री ए० सोमशेखर राव स्थानापन्थ
पर्यवेक्षक (यातायात) को 18-5-1978 से 20-6-78
की अवधि या आगामी आदेशों, जो भी पहले घटित हो, तक के
लिए नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में तदर्थ रूप से सहायक
कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 मई 1978

सं० पी० ए० आर०/१६०३/९४१, ~ मुख्य कार्यपालक,
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री एम० श्रीरामलू अस्थायी पर्यवेक्षक
(सिविल) को 1-2-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के
लिए नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थानापन्थ रूप से
एस० ओ०/अभियंता एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जून, 1978

सं० पी० ए० आर०/०७०५/९९०—मुख्य कार्यपालक,
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री बी० बेंकटेश्वर राव, सहायक
लेखा अधिकारी को 31-5-1978 से 14-7-1978 या आगामी
आदेशों, जो भी पहले घटित हो, तक के लिए नाभिकीय ईंधन
सम्मिश्र, हैदराबाद में तदर्थ रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते
हैं।

सं० पी० ए० आर०/0705/991—मुख्य कार्यपालक, नाभकीय इंधन मिमिश्र, श्री टी० लक्ष्मीनरसेन्या, सहायक लेखापाल को 31-5-1978 से 14-7-1978 की अवधि या आगामी आदेशों, जो भी पहले घटित हो, तक के लिए नाभिकीय इंधन सर्वामन्त्र, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यू० शासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 13 जून, 1978

सं० ए० एम० डो०-१/२८/७७-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री ए० स० वैकटरामा राजू को 23 जनवरी 1978 के पूर्वात्मा से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड ए० स० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 8 जून 1978

सं० 10/५ (३३)/७७-सि० ई० प्र० (एच)—अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 अप्रैल, 1978 के पूर्वात्मा से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या नाम वर्तमान संभाला हुआ पद

1. श्री एच० बी० शशिधरा	तकनीकी सहायक 'सी'
8. श्री वाई० श्रीनाथ	तकनीकी सहायक 'सी'
3. श्री एल० एस०	प्रारूपकार 'ई'
सुश्रृह्मणियन	

पी० आई० यू० नम्बियार
प्रशासन अधिकारी-II
कृते मुख्य इंजीनियर

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1978

सं० ए-३२०१३/१/७७-ई० ए०—गण्डपति ने, श्री सी० एन० प्रसाद, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक 28 मई, 1978 से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न विमानक्षेत्र अधिकारी के उप से नियुक्त किया है। श्री प्रसाद को बम्बई एयरपोर्ट बम्बई में तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जौहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 19 जून 1978

सं० 16/२९९/७८ स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री मुख्तार अहमद की दिनांक 22 अप्रैल, 1978 के पूर्वात्मा से अगले आदेशों तक, क्षेत्रीय वन अनुसन्धान केन्द्र, कोयम्बत्तूर में सहर्ष अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन
कुल सचिव
वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृत का कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 15 मई 1978

सं० 3/1978—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित भण्डल कार्यालय लखनऊ में तैनात श्री इनाम हैदरज़ैदी स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) की नियुक्ति इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र संख्या 11-93-स्था०/७७/२५७९४ दिनांक 7-11-1977 द्वारा जारी किए गए स्थापना आदेश सं० १८०/१९७७ दिनांक 7-11-77 के अनुसार रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर की गयी थी। उन्होंने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर सीमाशुल्क निवारक मण्डल, लखनऊ के अन्तर्गत अधीक्षक सीमाशुल्क संकिल बहराइच के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 30-11-77 को (दोपहर के पहले) संभाल लिया।

अमृत लाल नन्दा
समाहृत

पुणे, दिनांक 14 जून 1978

सं० 1/सी० एक्स पी० एम०/78—पुणे केन्द्र उत्पादशुल्क समाहर्तालय के क्षेत्राधिकार में दिनांक 21-2-76 से 31-12-77 तक की अवधि में, केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा लवण अधिनियम 1944 की धारा 9 के उल्लंघन के कारण कोर्ट द्वारा सिद्धदोष व्यक्तियों के नाम पते तथा अन्य घाँटे दिखलाने वाला विवरण:—

क्रम	सिद्ध दोष व्यक्ति	अधिनियम की व्यवस्थाये और उनके अधीन कोर्ट द्वारा दिये गये दण्डादेश के विवरण	अभ्युक्तियां
सं०	का नाम और पता	बनाये गये नियम, जिनका उल्लंघन हुआ	
1	2	3	4

1. श्री रामकरण बनवारीलाल अगरवाल, 189-बी० गणेश पेठ पुणे-२।	केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम 1944 के नियम 174 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा लवण अधिनियम 1944 की धारा 6(ख) 1 केन्द्रीय उत्पादशुल्क के विधि मात्य लाइसेंस के बिना ही अविनिमित तम्बाकू का व्यवसाय करने के कारण केन्द्रीय उत्पादशुल्क और लवण अधिनियम 1944 के अधीन दण्डनीय।	सिद्ध दोष उहगाया गया तथा रूपये 400/- का जुर्माना दिया जिसके न देने पर एक महीने की साधारण कैद की सजा।	**
---	--	--	----

**अभ्युक्तियां—प्रथम वर्ग के जूडिशियल मैजिस्ट्रेट कोर्ट नं० 2 ने फ्रिमिनल केस नं० 19669/76 का दिनांक 23-6-77 को नियम दिया।

जे० एम० वर्मा
समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादशुल्क और सीमाशुल्क पुणे

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 जून 1978

सं० ए-19012/716/78-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० आर० गोहाद, अनुसन्धान सहायक, को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धानशाला, पुणे में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरिंग) की श्रेणी रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर 18 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 31-10-1978 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/717/78-प्रशासन पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, श्री पी० एस० कपिलाश्वर, अनुसन्धान सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धानशाला, पुणे में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरिंग) की श्रेणी में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर 18 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 31/10/1978 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/720/78-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री आर० एस० पाटिल, अनुसन्धान सहायक को

केन्द्रीय जल और विद्युत, अनुसन्धानशाला, पुणे में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरिंग) की श्रेणी में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर 18 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 31-10-1978 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 जून 1978

सं० ए-32014/1/77-प्रशा० पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ख) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को जो हस समय केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की हैसीयत से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं, उसी श्रेणी में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सम्मुख दी गई तारीख से नियमित रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	नियमित नियुक्ति की तारीख
1	2	3
1.	श्री गौतम नाग चौधरी	30-7-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री योगिन्द्र पाल मित्तल	29-10-77 (पूर्वाह्न)

1	2	3
3.	श्री एस० के० राय चौधरी	11-8-77 (पूर्वाह्न)
4.	श्री आर० राजशेखरन मेनन	12-8-77 (पूर्वाह्न)
5.	श्री रामा नन्द दुश्मा	10-8-77 (पूर्वाह्न)
6.	श्री रवीन्द्र सिंह	12-8-77 (पूर्वाह्न)
7.	श्री बी० एन० थवानी	3-6-77 (पूर्वाह्न)
8.	श्री के० एल० बी० जिवनानी	3-6-77 (पूर्वाह्न)
9.	श्री पी० के० शुक्ला	3-6-77 (पूर्वाह्न)
10.	श्री जे० पी० शर्मा	3-6-77 (पूर्वाह्न)
11.	श्री पी० एस० तहीलियानी	3-6-77 (पूर्वाह्न)
12.	श्री के० एस० रंगास्वामी	3-6-77 (पूर्वाह्न)
13.	श्री जी० बी० एन० अव्यर	21-7-77 (पूर्वाह्न)
14.	श्री आर० टी० भगवतीयानी	1-9-77 (पूर्वाह्न)

2. उपरोक्त अधिकारी अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में प्रत्येक के सम्मुख दी गई तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

सं० ए-19012/709/78-प्रशासन-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक अधिकारी के सम्मुख गई तारीख से छः महीने की अवधि के लिये पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियन्त्रित करते हैं। इन अधि-

कारियों ने उनके नाम के सम्मुख दिए गए कार्यालयों में कार्यभार सम्भाल लिया है:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	पदोन्नति की तारीख	कार्यालय का नाम	जहां पद स्थापित किए गए हैं
1.	श्री जे० के० एस० प्रकाश राव पर्यवेक्षक	28-4-78 (पूर्वाह्न)	सूखा ब्लैक उप-प्रभाग, केन्द्रीय जल आयोग, जोधपुर।	
2.	श्री टी० डी० थोमस कुट्टी पर्यवेक्षक	27-5-78 (पूर्वाह्न)	फाटक अभियान निदेशालय, नई दिल्ली।	

दिनांक 19 जून 1978

सं० ए-32012/2/70 प्रशासन-पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ब) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री पी० बी० दास, वरिष्ठ अनुसन्धान सहायक को, जो इस समय केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धानशाला, पुणे में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (भौतिकी), के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, उसी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियमित रूप से दिनांक 19 मई, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री दास सहायक अनुसन्धान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर 19-5-78 से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा
अवर सचिव

बीकानेर, दिनांक 6 जून 1978

सं० 26—श्री बी० जेरथ, सहायक निर्माण प्रबन्धक बीकानेर का दिनांक 11-6-72 को देहान्त हो गया है।

प्रार० श्रीनिवासन,
महाप्रबन्धक
केन्द्रीय जल आयोग

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जून 1978

निदेश सं० 5896/प्रकटूबर/77—अतः, मुझे, के० पोषन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 55, सुन्दरमूर्ति विनायगर कोपिल स्ट्रीट, मद्रास-5, में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पिकेन डाकुमेंट 540/77), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-1977

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/ग

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० अशोक कुमार	(अन्तरक)
2. श्री एस० लक्ष्मनरायण	(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एव्वलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-5, ट्रिप्पिकेन, सुन्दरमूर्ति विनायगर कोपिल स्ट्रीट, डोर सं० 55 में भूमि और भकान।

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 15-6-1978
मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 बंबई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1977

निर्देश सं० अ० इ० 1/2092-8/ग्रक्टूबर/77

अतः, मुझे, एम० सी० उपाध्याय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/245 का मालावार एंड कंवा हिल डिवीजन रिज रोड बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

॥।

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी वा या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय कर अधिनियम, 1922 (1922 नं 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पतः :—

1. श्रीमति फेनी होमो कांगा (अन्तरक)
2. मेसर्स, इलोरा कन्स्ट्रक्शन कं. (अंतरिती)
3. 1. लेडी कुसुमबेन कानिया प्रौर अन्य
2. डा० ए० एन० नानावटी
3. श्रीमति सी० बी० पटेल
4. श्री डी० एम० श्रोफ
5. श्री चंदुलाल ए० कोठारी और अन्य
6. गोदरेज पी० जोशी (वह व्यक्ति जिसके अधिभास में सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रावेंप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2234/बंबई/72 उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20/10/77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० उपाध्याय
सभम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 बंबई

तारीख: 29 मई, 1978
मोहर

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 7 जून 1978

निर्देश सं० सी आर सं० 62/13382/78--79/एक्सी--
अतः मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं० 58 (पुराना) 6 (नया) है, तथा जो बि० वी० के० रोगर रोड, बंगलोर, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायितव्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या उनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० शार० मल्लिकारजुनराव पुत्र पी० सी० रामलिंगम सेटी 210, (पुराना 59), सुलतान पेठ, बंगलोर-2 (अन्तरक)

2. 1. टी० एन० नारायण राव (2) टी० एन० रामचंद्र राव (3) टी० एन० राजकुमार पुत्र स्व० बाबसार अत्तीय अस्टकर नरसोली राव कलाथ मच्चंट, दोट्पेट, तिप्पूर, तुम्कूर (डि०)

3. द० श्रावंदरा हाड्लूम वीवरस को० आपारेटिव सोसायटी लि० बैंगलूर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2119/77--78 ता० 27-10-77)
सं० 58, (नया 6) वी० वी० के० आयगंगर रोड, और मल्लिकारजुन टेपल स्ट्रीट, बैंगलूर
बांध : पू : बी० वी० पंडित का

प : कारपोरेशन लेन

उ : पूटूसा का

द : मल्लिकारजुन टेपल स्ट्रीट,

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 7 जून, 78

मोहर:

प्रस्तुप्राइवेटो टो० एन० एस०

आपकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 22 फरवरी, 1978

निर्देश आय० ए० सी०/अर्जन/58-77-78—अतः मुझे ह० च० श्रीवास्तव

आपकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 25/2 का पूर्व की ओर का भाग 969 छै० स्कै० फि० है तथा जो नांदुरा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नांदुरा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-10-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों का जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या क्षन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-प को उपदारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री लक्ष्मीनारायण चतुरभुज कलंती, मुक्काम उंदरी, जिला बुलढोणा

2. श्री किसनलाल मनिकलाल राठी,

3. श्रीमति सुरजदेवी, किसन लाल राठी,

4. श्रीमति पुष्णाबाई प्रिजमोहन राठी,

5. श्रीमति काशिबाई मानकलाल राठी, सभी रहनेवाले, तफे मैं। प्रिजमोहन किसनलाल राठी, नांदुरा, जिला बुलढोणा (अंतरक)

(2) मैसर्स एच० आर० एंड ब्रदर्स, थू. पार्टनर्स श्री हरकचंद लक्ष्मीनारायण राठी, तफे शाम टाकीज, खामगांव (ग्रन्तरिती) का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5/2, का पूर्व की ओर का भाग 9693 स्केअर फिट, शिट नं० 12, नांदुरा।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 22-2-1978

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्याख्या

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रामीण, सदृश्य ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 मार्च, 1978

निर्देश सं० आ० ए० सी०/अर्जन/59/77-78—अतः मुझे ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्याख्या 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन, मौजा नं० 255, हल्का नं० 38 है तथा जो वर्धा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वर्धा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप में उल्लिखित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरण से दूर्वृत्ति प्राप्त की जाने वाले उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी नहीं या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी व्याप की किसी धन या अन्य सामिलियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को व्याख्या 269-घ के प्रनुसारण में, तथा उक्त अधिनियम की व्याख्या 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. श्री बजरगलाल रघुपालजी रुंगठा, रा० दुर्ग (मध्य प्रदेश)
(अन्तरक)2. प्रदीप द्रस्ट, तफे द्रस्टी, श्री रविद्र कुमार सत्यनारायणजी
बजाज, रा० वर्धा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापकरण विषय हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमीन 43280 स्केप्रे फीट, मौजा वर्धा, मौ० नं० 255, वर्धा योगील हल्का नं० 38।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेज, नागपुर

दिनांक: 10 मार्च, 1978

मोहरः

प्र० आई० टी० एन० एन०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 254/वी० टी० आई०/78-79—

यस्तः मुझे आ० पी० मदान,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाइचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भटिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रभारण विवर में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रभारण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने पर उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों अर्थात् —:

- (1) श्री राधा राम पुत्र छांगा राम वासी मोड मंडी जिला भटिडा। (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार, प्रेम कुमार, पुत्रान् रघुबर दयाल वासी भटिडा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि अनुसूची में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी व्याख्येय:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इनमें प्रथमकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सदर बाजार भटिडा में दुकान नं० 5251, जैसा कि विलेख नं० 3810 अक्टूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिडा में लिखा है।

श्रो० पी० मदान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भटिडा

तारीख: 22-6-1978.

मोहर:

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 11 मई 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/14/78-79—यतः मुझे
एस० के० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० भू खण्ड नं० 8 है तथा जो गनी
का बाग, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्न
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(६) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(७) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्त्र मासितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाता नाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह श्रीमती
श्रमर जीत कौर, पत्नी श्री सुखराज बीर सिंह, निवासी
काठूनगल, अमृतसर, (अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश सिंह पुत्र श्री लछमन सिंह निवासी
गली लाजपत राय अन्दर हाथीगेट अमृतसर,
आधा हिस्ता, श्रीमती इन्द्र जीत कौर, पुत्री श्री
भान सिंह, निवासी ग्राम-उधो नंगल तहसील,
अमृतसर एवं श्रीमती सावित्री देवी पुत्री श्री धीना-
नाथ, निवासी-गली सीताराम अन्दर हाथीगेट,
अमृतसर, 1/2 हिस्ता। (अन्तरीती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि
कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके
प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नं० 8 का भाग, गनी का बाग, अमृतसर,
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2368 अक्टूबर, 1977
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर,

तारीख: 11-5-73

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मई 1978

निवेश नं० एएसआर/15/78-79—यत्. मुझे एस० के०
गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि है तथा जो रखमीता में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आवश्यक बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर इन के अन्तरक के वायित्र में कमी करने
या उससे बचने में मुविक्षा के लिए; और/या(ख) ऐसो किसी आवश्यक बाबत या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना नाहिए था, लिपाने में मुविक्षा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी असति :—

- संवंशी नरिन्दर जीत सिंह एवं मोहिन्दर पाल सिंह
पुत्रगण श्री जसवन्त सिंह रखमीता, तहसील एवं जिला
अमृतसर (अन्तरिक)
- श्री दलीप सिंह दिदसा पुत्र श्री उजागर सिंह बटाला रोड,
तहसील एवं जिला अमृतसर (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर अमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
उहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखसंघी

कृषि योग्य भू-खण्ड नाप 33के 6एम० रखमीता में स्थित है,
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 3703 अक्टूबर, 1977
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तहसील अमृतसर में लिखा है।एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 27-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

‘अमृतसर, दिनांक 9 जून 1978

निदेश नं. अमृतसर/17/78-79—यतः मुझे एस० के० गोयल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त प्रधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269 अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० एच० नं. 1005/एक्स-5 आर० बी० साई दास रोड डाब खटीकों अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य पे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिक्रिया के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्तः—

1. श्रीमती सुदर्शन रानी चौपड़ा पत्नी श्री किशन कुमार चौपड़ा गोलबाग अमृतसर (अन्तरक)
2. श्रीमती रमेश बल्ला पत्नी श्री तिलक राज निवासी मकान नं. 1005/एक्स-5 राय बहादुर साई दास रोड डाब खटीकों अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर ऋसांक 2 पर अंकित है। यदि कोई किराये हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं. एच-नं. 1005/एक्स-5 आर० बी० साई दास रोड डाब खटीकों में स्थित है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं. 2343 अक्टूबर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 9-6-78
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1310/78-79—

अतः मुझे एन० एस० चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 25/74 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29/10/77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1. श्रीमती बजोर बेगम, पत्नी श्री मोहम्मद इस्माईल खान,
निवासी, 15, तिमारपुर, दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री प्रीथू सिंह, सुपुत्र श्री मुवेदार गाबडू मिह, निवासी
715/10, चादनी महल, जामा मस्जिद,
दिल्ली-6 । (अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रग्न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रछ्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
प्रयं होगा जो उस प्रछ्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और न०
79, ब्लाक न० 25 (25/74) है, शक्ती नगर, दिल्ली में निम्न-
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट न० 25/75

पश्चिम : प्लाट न० 25/73 तथा बनी हुई बिल्डिंग ।

उत्तर : मेन रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

एन० एस० चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आया
26०-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/१/१८७/७७-७८/११६९
—यतः मुझे जै० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आया 26०-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है और जिसकी
सं० एस-३८९ है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित
है (मौर इससे उग्रबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
31-10-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किरी आय या बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कर्म करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या भव्य प्राप्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था; या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः पव, उक्त अधिनियम की आया 26०-प के अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की आया 26०-प की उपआया (1) के बाह्यी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हनसियादेवी, विध्वा पत्नी श्री जगन, (2)
श्रीमती रामा देवी, विध्वा पत्नी श्री श्रीचन्द्र (3) श्री
मार्गे राम (4) श्री भगवान (5) श्री साला राम,
सुपुत्र श्री (स्वर्णीय) श्री चन्द्र, निवासी 619 चिराग
दिल्ली, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती राज कुमारी मोरन बनाम मोरन देवी चिज,
पत्नी श्री राम चन्द्र, सुपुत्र श्री सेठ नन्द किशोर निवासी
डब्लू-129, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-110048
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके इको०८८ सम्पत्ति के प्रबंध के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, और भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताकारी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० एस०-389 है और अधिकाल 300 वर्ग गज है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बहापुर गांव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, रवैन्यू इस्टेट, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड
पश्चिम : सर्विस लेन
उत्तर : मकान नं० एस-387
दक्षिण : मकान नं० एस-391

जै० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, दिल्ली

तारीख : 19 जून, 1978
मोहर :

प्रूप्र आई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज़-I दिल्ली

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्म०/1/33/77-78/1169—

अतः मुझे ज० ए० गिल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ए० सी०-60 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्राप्तरण से कुई किसी आय की वाचत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहै था लिपान में सुविधा के लिए;

प्रता, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्य सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अधितः:—

- 1 श्री डी० भट्टाचार्या, सुपुत्र स्वर्गीय श्री श्री० के० भट्टाचार्या, निवासी पी०-181, सी० आई०टी० मानकटोला स्कीम ए०-6, कलकत्ता-541 लेकिन अब निवासी हैं ई०-885, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री अनिल कुमार रस्तोगी, सुपुत्र श्री ए० आर० रस्तोगी, निवासी ए०-71, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट नं० ए०-60, जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहपुर गांव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, रवन्धू इस्टेट, यूनियन टैरिटरी में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सविस लेन

पश्चिम : रोड़

उत्तर : प्लाट नं० ए०-58

दक्षिण : प्लाट नं० ए०-62

ज० ए० गिल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख : 19 जून 1977

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली-1

4/14क, आमफ अली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 जून 1978

निर्देश रां० आई० ए० सी०/एक्य०/१/१७६/अक्टूबर-११/ (23)/७७-७८—अतः, मुझे, जै० एस० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 63 है तथा जो भगत सिंह मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-10-1977

को पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियां अर्थात्:—

1. रवी मोहन, सुपुत्र श्री चमन लाल दिवान, इनके अटारनी आनन्द कुमारी के द्वारा निवासी डी-68, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री अर्जीत कुमार दत्ता, सुपुत्र स्वर्गीय श्री दुर्गा दत्ता, (2) श्री बिवेकानन्दा, सुपुत्र श्री मुधीर कुमार दत्ता, निवासी 19, भगत सिंह मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेपः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की लापोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 63, जिसका क्षेत्रफल 772 वर्ग फुट है, भगत सिंह मार्किट में है ।

जै० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 19-6-1978

मोहर:

प्रस्तुप्राई १० टी० एस० एस०—
 ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज- , अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निदेश नं० पी० ग्राय० 657/एसीक्य०-23-I/1399/(657)/
 1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीब्र

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
 से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 90 ए-1 पैकी प्लाट नं० 90-
 ए-आई-ई० है तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और
 इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी ग्राय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
 के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिसमें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
 भरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० चिमनलाल कांजीभाई सेठ बोटाड (जिला: भावनगर)
 (अन्तरक)
2. श्री उदयारल को० ग्राय० हाउर्सिंग सोसाइटी लि०
 मारफत चेयरमैन श्री पंकज कुमार मोहनलाल पटेल
 3-बी०, हाईलेव्ड पार्क सोसायटी, अम्बाबाड़ी
 अहमदाबाद-15
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वांक सम्पत्ति के प्रजन
 के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टवीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल माप 419-74 वर्ग गज है तथा जो
 पालडी, टी० पी० एस० नं० 22 फाईनल प्लाट नं० 90 ए-1
 पैकी प्लाट नं० 90-ए-आई-ई० में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी अहमदाबाद के 6-10-1977 के रजिस्ट्रीक्यूल विलेख
 नं० 6552 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीब्र,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

तारीख: 26 अप्रैल, 1978

मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मई, 1978

निदेश नं० पी०आर० 587/एसीस्य०/23-1057/19-3/77-78

—ग्रतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० नं० 360 कतार ग्राम, है तथा जो वराढा रोड, गनेश कालोनी, सूरत में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या निसी वन या पन्थ आमिनियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री छोटभाई गोविंदजी पटेल, मोटी राघवजी कम्पाऊड, उनापानी रोड, नाल दरवाजा, सूरत। (अन्तरक)
- श्री अम्बाभाई इश्वरभाई पटेल, 4, गनेश कालोनी, वराढा रोड, सूरत। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अवधि में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सर्वे नं० 360, कतार गाम, 4, गनेश कालोनी, वराढा रोड, सूरत में स्थित हैं, जिसका कुल माप 75 वर्ग गज है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अक्तूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2814 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जून 1978

निवेश नं० पी० आर० नं० 588, ए० सी० क्य०० 23-997/
19-7/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7, नोंद नं० 2847 है तथा जो कड़ीया
शेवी, सैयदपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 धनगौरीबेन मोहनलाल भगत, लालदरवाजा सूरत
(अन्तरक)

2. (i) श्री शम्भूभाई मोहनलाल
(ii) श्री छगनलाल मोहनलाल
(iii) श्री विठ्ठलदास मोहनलाल
(iv) श्री बसंतलाल भीखाभाई, वार्ड नं० 7, नोंद नं०
2847, कड़ीया शेरी सैयदपुरा सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 0 दिन फौ प्रवृत्ति, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जो 93.5 वर्ग गज भूमि पर स्थित
है तथा जिसका वार्ड नं० 7, नोंद नं० 2847 है तथा जो कड़ीया
शेरी, सैयदपुरा सूरत में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरण
17-10-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 25/3 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज II, अहमदाबाद

तारीख : 16-6-78
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम्,
एरणाकुलम् विनांक 27-4-1976निदेश सं० एल० सी० 185/78-79—यतः मुक्ते सी० पी० ए०
वासुदेवनआपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोच्चिन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय कोच्चिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11-10-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिक्रिया के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किमी आय या किसी बन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;असः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों अनुरूप:—

1. श्रीमती लीला सुधरशनम्	(अन्तरक)
2. श्रीमती मेरी जोसफ	(अन्तरिती)

को यह मूलना नारो करके पूर्वोक्त प्रपत्ति के अर्जन के
लिए नार्याहिया करता है।

उक्त प्रपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर मूलना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीनहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

15 Cents of land with building in Sy. No. 900/2-A-3 in
Fort Cochin.सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्,तारीख : 27-4-1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

1. श्री अव्यप्तन नायर

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के प्रधीन सूचना

2. श्रीमती भाथवी अम्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 17 मई 1978

निदेश सं० एल० सी० 186/78-79-यतः मुझे, सी० पी० ए० वासुदेवन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ष के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो गुरुवायर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटुपडी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-10-1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथात्पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन करदेने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी
करने पा उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10 Cents of land with buildings in Sy. No. 94/13 in Guru-
vayoor village.

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ष के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अबौतः:—

तारीख : 17-5-1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वान्वय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 17 मई 1978

निदेश सं० एल० सी० 187/78-79-यतः मुझे, सी०
पी० ए० वासुदेवनआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संभास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोमिलोन विलेज
में स्थित है (श्रीग इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कोमिलोन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1-10-1977 कोपूर्वान्वय सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रु. कम के ३५मान
प्रतिकाल के लिए अन्तरित भी गई है और मूजे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल वा फन्डहू
प्र०ता० ५ से अधिक है और अन्तराल (अन्तररक्तों) और अन्तरी
(अन्तरितियों) ० बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
मुश्किल के लिए; और/या,

1. श्री कृष्णास्वामी नैडु (अत्तरक)

2. श्री सी० रखुनाथन पिलै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पर
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।एप्पोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-के भे
परिभासित है, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

24 Cents (86 Sq. meter) of land with buildings in Sy.
No. 8700A of Quilon Village.(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, 1922
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
वा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
वे मुश्किल के लिए;सी० पी० ए० वासुदेवन,
संभास प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलमग्रन्त: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 17-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राइडॉ टी० एन० एम०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 17 मई, 1978

निदेश सं० एल० सी० 188/78-79—यतः मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो महानयेरी विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकेट अधिकारी के कार्यालय, कोल्किता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखत में आस्तकिक रूप से कणित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय रु० वाचते, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी भाव या किसी घन या अन्य आमिनियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एव० पृ० कमल (अन्तरक)

2. श्रीमती परता देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास दिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18 Cents 375 Sq. links of land with buildings in Sy. No. 500 Mattancherry village.

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सकाम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 17 मई 1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 जून 1978

निदेश सं० एल० सी० 191/78—यतः मुझे पी० ओ० जोर्ज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायकर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो अरानल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में 'पूर्ण रूप से वर्णित है'), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-10-1977 को

पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रस्तुरण के अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी गर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रस्तुरण, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त प्रस्तुरण की धारा 269-व के प्रत्युक्त भारा 269-व की उपलादा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्—

1. कुसंगरा इनटर्स्ट्रीयलस प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
2. पैली और पांच आदमियां (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायकर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रस्तुरण के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं० 2541/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति

पी० ओ० जोर्ज,
सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-6-1978

मोहर :

प्रकाश प्राइंटो०एन०एम०—

भ्रम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 जून 1978

निदेश सं० ए०ल० सी० 192/78—यत मुझे पी० ओ० जोर्ज ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रन्तुसूची के अनुसार है, जो मण्डलुविलाकम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पट्टू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

27-10-1977

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी भाग को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्रिक में कभी करना या उसमें बवन में सुविधा के लिए; प्रौरुपा

(ख) ऐसा किसी प्रार या किसी घन या व्याप्ति आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर ग्राम्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

1. डॉक्टर जी० कृष्णवारीयर (अन्तरक)

2. डॉ० सिस्टर० एलसियूस एम० डी० कन्याकालयम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के प्रबन्ध में कोई भी ग्राम्यक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबन्धिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबन्ध, जो भी प्रबन्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राम्योदयस्थानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो ग्राम्यकर ग्राम्यनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जा उस प्रधायाय में विद्या गया है।

अनुसूची

पट्टू रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं० 2593/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

पी० ओ० जोर्ज,
सक्षम प्राधिकारी
(महाप्रक ग्राम्यकर ग्राम्यक (निरीक्षण))
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-6-1978

मोहर :

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार गैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

5—146GI/78

प्रस्तुप थाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 जून 1978

निदेश सं० एस० सी० 194/78—यसः मुझे पी० ओ० जोर्ज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचहूँ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दृश किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी फरने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविष्यों अर्थात्:—

1. श्रीमती लक्ष्मीकुम्हि वारस्यार	(अन्तरक)
2. श्री जोर्ज	(अन्तरिती)

गौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं० 2459/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

पी० ओ० जोर्ज,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-6-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम
एरणाकुलम, दिनांक 12 जून 1978

निदेश सं० एल० सी० 195/78—पतः मुझे पी० ओ० जोर्ज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
1-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रत्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री लमीकुट्टी वारस्मार (अन्तरक)

2. श्री चिन्तनमा (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत वस्तावेज नं०
2460/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

ओ० पी० जोर्ज,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-6-1978

मोहर :

प्रूप ग्राइंड टी० एन० एस०—

1. लक्ष्मी कुट्टी वारस्थार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री पौलोस

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, प्रायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज, एरणाकुलम
एरणाकुलम, दिनांक 12 जून 1978निवेश सं० एल० सी० 196/78—यतः मुझे पी० ओ० जोर्ज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन
सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
1-10-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया है:—(क) प्रतिरक्षण से हुई किसी पाय को बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी पाय ना किसी वर या प्रभा प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
शाहिए था, लिखने में सुविधा के लिएयतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी अवृत्त:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं०
2461/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।पी० ओ० जोज
सकाम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रजन रेज, एरणाकुलमतारीख : 12-6-1978
मोहर :

प्रस्तुति माई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 जून 1978

निदेश सं० एल० सी० 197/78—यतः मुझे पी० ओ० जोर्ज प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रत, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

1. श्री सद्वारियर (अन्तरक)

2. श्री जोम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विभी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में लिये जा मर्जेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं० 2462/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

पी० ओ० जोर्ज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-6-1978

मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 जून 1978

निदेश सं० एल० सी० 198/78—यतः मुझे पी० ओ० जोर्ज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

1. श्री राघवारस्यार (अन्तरक)

2. श्री कुन्नूवरीद्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी और पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं० 2463/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

पी० ओ० जोर्ज
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उक्त धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः:—

तारीख : 12-6-1978

मोहरः

प्रस्तुति ग्राही दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 14 जून 1978

निदेश सं० एल० सी० 199/78-79—यतः मुझे पी० ओ० जोर्ज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो अल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अल्लूरकारा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी वाय की वाचत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्याति:—

1. ए० पी० अगस्तीन (अन्तरक)

2. श्री सी० जी० कोषी (अन्तरिती)

को यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(५) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूच्छ की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 Cents of land with buildings in Sy. No. 390/1 in Ollur Village.

पी० ओ० जोर्ज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 12-6-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी०-११/अर्जन-IV/कल०/७८-७९—
अतः मुझे, पी० पी० सिं०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का कारण है कि हवावर सम्पत्ति जिसका उद्दिन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20 बी०है, तथा जो स्टेशन रोड, कल-31, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-10-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और भूजे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्ट :—

1. श्री सुकोमल वर्मन,

(अन्तरक)

2. श्री श्यामल मित्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 बी, स्टेशन रोड, थाना कसबा सदर, कल० आ० का 11 कट्ठा 4 छाताक जमीन तथा उसपर स्थित अंशत दो मंजिला अंशत तीन मंजीला मकान का अविभाजित 1/5 हिस्सा, पैमा के दलील सं० 4761, सन् 1977 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिं०
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज IV, कलकत्ता

तारीख: 15-6-1978

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जून 1978

निर्देश सं० 13/अर्जन/रेजनIV) कलकत्ता/78-79-अतः मुझे
पी० पी० सिआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो सेवक रोड, जलपाईगुड़ी में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय
जलपाईगुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 17-10-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भूतरक (भूतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भूतरक के वायित्र
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपलब्ध (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-146 GL/78

1. श्री चित्ररंजन शोस। (भूतरक)

2. श्री मैसर्स गयान एन्टरप्राईज़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के भव्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रभ्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1.37 एकड़ जमीन साथ गुदाम, स्ट्राकचर, मेसिवारीज
आदि जोकि 'दि सिलिगुड़ी टिम्बर सॉ मिलस एण्ड हॉस्ट्रीज नाम से
परिचित है और सेवक रोड, डाकघर एकनियासाल, जिला
जलपाईगुड़ी में स्थित है और जैसे के दलिल सं० 7675 ता०
17-10-1977 के अनुसार और पूर्णरूप से वर्णित है।पी० पी० सि,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख : 7 जून 1978

मोहर :

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जनवरी 1978

निर्देश सं० अर्जन/833/आगरा/77-78/7249—अतः मुझे
आर० पी० भार्गव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
में प्रधिक है और जिसकी सं०

अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1906 का 16) के
अधीन तारीख 18-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित के लिए जारी किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्रिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(इ) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिस्मे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या नियंत्रण के लिए;

अतः प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरमें, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की
उपचारा (1) के प्रत्यक्षित नियंत्रण, अर्जन—

1. कुमारी लेसी ई० फिलिप्स पुत्री स्व० हेनरी फिलिप्स,
श्रीमती लीला फिलिप्स विधवा बाल्टर फिलिप्स,
श्री हेनरी विक्टर फिलिप्स पुत्र स्व० बाल्टर फिलिप्स
श्री क्रिस्टोफर फिलिप्स पुत्र बाल्टर फिलिप्स ।
75 मिविल लाइन्स आगरा व श्रीमती रीता सोलेमन
स्त्री प्रेम कुमार सोलेमन पुत्री बाल्टर फिलिप्स निवासी
प्रोलियार्स होटेल अथवा बाजार बाकरगंजर, पटना
वर्तमान निवासी 75 मिविल लाइन्स आगरा ।

(अन्तरक)

2. श्री पुस्तकन मेहरोद्वा नावालिंग पुत्र डा० एम० पी०
मेहरोद्वा पिता व नेचुरल गारजियन निवासी बीर-
पुरा, आगरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ते :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताश्री के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभावित हैं, वही प्रर्य होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मकान (अचल सम्पत्ति) नं० 8/1 (6/1 फार्म
37 जी० के अनुसार) गालिबपुरा, एम० जी० रोड, नाई
की मण्डी आगरा 85,000/- के विक्रय मूल्य पर बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-1-1978

मोहर:

प्रकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 जनवरी 1978

निर्देश सं० अर्जन/802/झांसी/77-78-अतः मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झांसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्पतर की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राप्त या किसी प्रत या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम' या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुचरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा कोहली पुत्री श्री जयदेव कोहली एप्रोच रोड, महानगर, लखनऊ।

(अन्तरक)

2. श्री जयगोविन्द अग्रवाल पुत्र हजारी लाल निवासी झोकन बाग सिविल लाइन, झांसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकृताकारी के पास लिखित में किया जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1078 सिविल लाइन झांसी 90000/- में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-1-1978

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० 1468ए/अर्जन/बु० शहर/7778/8067/—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खुरजा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 17-10-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः प्रद, उक्त अधिनियम, को भारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—1. श्रीमती बिशन देव विधवा श्री गोपाल नारायण
निं० ग्राम जवान पोस्ट आफिस जहागीरसुपुर प० जेवर त०
खुरजा जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

2. श्री राम दयाल पुन्न भगवान सहाय एवं श्रीमती
सोमौती देवी पत्नी खिलू सिंह निं० दयानतपुर
ग्राम जवान एवं श्वोराज ग्रोम पाल व प्रताप पुन्नगण
मिश्री लाल निं० जवान पोस्ट जहागीरसुपुर प० जेवर, त०
खुरजा, जिला बुलन्दशहर। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के मध्यन्तर में कोई भी प्राप्ते:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 18 बीघा 3 विस्ता स्थित ग्राम जवान परगना
जेवर त० खुरजा जिला बुलन्दशहर 75,000/- के विक्रय मूल्य
में बेची गयी।आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 10-3-78

मोहर :

प्रारूप प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० 1520 ए/अर्जन/ गा० बाद/7778/8072—
अतः मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो अनुसूची के
अनुमार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजिया-
बाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 5-10-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत ज्ञे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय जी बाबन उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कम्ही
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

इतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अस्तैतः:—

1. श्री शान्ति स्वरूप सक्षेना पुन छोटे लाल नि पीलीभीत,
वर्तमान नि० स्टेशन रोड पीलीभीत एवं विश्वनाथ सरन सिंह
विसेन पुन कंके सिंह नि० पीलीभीत नि० 2 ए,
जीप लिना रोड ओल्ड लाजपत राय मार्ग न्यू, लखनऊ।
(अन्तरक)

2. श्री राम किशन अग्रवाल पुन लाला बनारसी दास
नि० 39, रामानुज दायाल, परगना लोनी त० एवं जिला
गाजियाबाद।

(अन्तरिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैतन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई ची धार्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैति-
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों
में में किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 19, 200 वर्ग गज स्थित नवयुग मार्केट जिला
गाजियाबाद 67,000/- के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-3-78

मोहर:

प्रकाश प्राइंटींग्स०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आमुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 1410 ए/अर्जन/मु० नगर/7778/205—
प्रत: मुझे, आर० पी० भार्गव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय मु० नगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) प्रधीन तारीख 6, 10-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल, का- पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक
(प्रत्यक्षीय) और प्रत्यक्षीय (प्रत्यक्षीरितियों) के बीच ऐसे
अन्तर्भूत के लिए तथ याका गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया था।—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख), ऐसी किसी आय या किसी छन या प्राप्त आस्तियों
को, जिस्ते प्रारंभी आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने
में सुविधा के लिए;

1 श्री ओम प्रकाश चौपडा पुत्र गज्जूमल सक्षी नारायण
चौपडा पुत्र ओम प्रकाश निं० लक्ष्मी आइस फैक्ट्री
मुजफ्फर नगर।

(ग्रन्तरक)

8 श्री रामजीदास कपूर पुत्र मुल्तानी मल कपूर मनोहर
लाल कपूर, धर्मपाल कपूर एवं राज कुमार कपूर
पुत्रगण रामजीदास कपूर निं० गिल कालोनी
सहारनपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में इसका को तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिस्तद्वारा किसी प्रत्यक्षीय अविक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्रत्यल सम्पत्ति प्लाट 890 वर्ग गज स्थित रुड़की रोड़
मुजफ्फर नगर 49500/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-4-1978

मोहर:

बहु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
प्रस्तरण ये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षियों, पर्यात—

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 2978

निदेश सं० 13129/अर्जन/मु० नगर/77-78/1854—
अतः मुझे आर० पी० भार्गवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 19-10-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रत्यक्ष तारीख में वास्तविक रूप से किया गया

है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाजार उक्त अधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या १९५१ अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः यद्युपि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—1 श्री चन्द्र भान पुल मुखीशाताराम 30/5 गांधी कालोनी
मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

2 श्री सुखबीर सिंह कश्यप पुत्र अमर सिंह अम्हापुरी,
मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त
अधिनियम के अधाराय 20 के परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट 1384 के वर्गगज स्थित अम्हापुरी
जिला मु० नगर 5774/34 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निर्देश सं 1531ए/अर्जन/कानपुर/77-78/377—अतः
मुझे, आर० पी० भार्गव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इसके उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 24-10-1977को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
भुविधा के लिए;अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अस्तियों, अवार्ता:—
7-146GI/78

1. श्री मंद साल पुत्र गोपी चन्द 109/117 गांधी नगर
कानपुर।
(अन्तरक)
2. श्री हसानन्द पुत्र डोलन दास एवं दत्तक पुत्र स्वर्गीय
नरायण दास 105/510 आनन्द बाग कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अविक्षिय द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 947 ब्लाक डल्लू जूही
साउथ कानपुर 95,000/- के विक्रय मूल्य में बेंजी गयी।

श्रार० पी० भार्गव
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही ० टी० एन० एस०----

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 5 जून 1978

निर्देश सं० 668—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/191 है, जो अमलापुरम में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलापुरम में रजिस्ट्री-करन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में निर्धारित नहीं किया जया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती भारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री के० वेंकटानरसम्मा
(2) दालता श्रीमान्नर्ना
(3) श्रीमती पी० विजयलक्ष्मी
(4) श्री के० सिवरामाराजु } (जि० पी० हैलडर
} श्री के० सिवरामाराजु)
काकीनाड़ा।
(अन्तरक)

2. श्री अल्लरु वक्ट्रापतिराजु अमलापुरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाय० में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति बाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-10-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4297/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्राप्तकर भायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाड़ातारीख : 5-6-1978
मोहर :

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस०—

‘प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 5 जून 1978

सं० 669—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की आरा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/191 है, जो अमलापुरम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलापुरम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 अक्टूबर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि शयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रसि-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कष्टित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के इयित्य में कमी
करने या उसमें बदलने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य प्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविष्टा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, पर्याप्तः—

1. श्री के० सिव रामाराजू काकीनाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री अल्लूरु लक्ष्मीनरसायम्मा अमलापुरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमलापुरम

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाठिक अंत 15-10-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4238/77 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख : 5-6-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 जून 1978

सं० 970— यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित्र बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० नं० 515 है, जो गुन्दूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी याय वा किसी धन वा अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त:—

1. श्री एन० कोटेस्वरराव प्रबरसिया गोलवारिपत्रेम। (अन्तरक)
2. श्री पी० सिवद्या गुन्दूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य अधिकता द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-10-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4899/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 13-6-78

मोहर:

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस०-----

1: श्री एन० मामबसिवराव गोलीवारिपालेम।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

2. श्री पी० सिवय्या गूद्दूर।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 जून 1978

सं० 671, यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सम्पत्ति विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एम० नं० 515 है, जो गुन्दूर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से स्थित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19 अक्टूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भत्तरक (भत्तरकों) और भल्लरिती (भल्लरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भत्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं भत्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी सं० पाक्षिक अन्त 15-10-1977 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4924/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रतीक, निम्नलिखित अधिकृतयों वर्तात् :—

तारीख : 13-6-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 जून 1978

सं० 672—यतः मुझे एन० के० नागराजन
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए ने प्रधिक है

और जिसकी सं० 13-2-20 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और
इससे उत्तरांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तिवृत्तों
को जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
जाना चाहिए था, उसमें में सुविधा के लिए;

वक्तः यह उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मे, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वक्तव्यः—

1. (1) वेक महमद इसमिल
- (2) श्री रहीमुस्मीसा।
- (3) श्री सफीउल्ला।
- (4) श्री समील्ला।
- (5) श्रीमती कोसर।
- (9) श्रीमती मकियामबी।
- (7) श्रीमती फतीमुस्मीसा, गुन्टूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सकला सुजाता गुन्टूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अनुसूचिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त वर्णनों प्रीर पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री प्रधिकारी से पांक्षिक अंत 15-10-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 49076/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखः 13-6-78

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 जून 1978

सं० 673—पतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वे के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13-2-2 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन अक्तूबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और भूतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बन-क-प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रदोषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की भारा 269-वे के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269 व (1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री फेक महमद इस्मयल।
- (2) श्री रहीमुश्शीसा।
- (3) श्री सफीमुल्ला।
- (4) श्री सनीउल्ला।
- (5) श्री कौसर।
- (6) श्री मरियामबी।
- (7) श्री फतीमुक्कीसा गुन्टूर।

(अन्तरक)

2 श्रीमती सकला सुजाता गुन्टूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-10-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4906/77 में निर्गगित अनुसूची मम्पत्ति

एन० के० नागराज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेंज: काकीनाडा

तारीख: 13-6-78

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन गूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रावकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 जून 1978

सं. 974—यतः मुझे एन० के० नागराजन

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 9-77-27 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय प्रावकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व (1) के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269व (1) की उपचारा (1) के अधीन विस्तरित व्यक्तियों अवाक्ष—

1. कृष्ण डिस्ट्रिक्ट प्रोडक्ट मार्केटिंग बोर्ड रेस डिपो
(1) श्री एन० सब्बाराव।
- (2) जी० सुम्माराव विजयवाडा। (अन्तरक)
2. (1) श्री बा० सिव रामकृष्णद्या।
(2) श्री बी० वेंकटेस्वराराव।
(3) श्री बी० मधुसुधनाराव वेंकटापालम (अन्तरिक्ती)
3. (1) एम० आर० एम० टी० लिमिटेड।
(2) श्री के० नरसिंहाराव।
(3) श्री ए० अंजनेयल।
(4) श्री एच० बाब।
(5) श्री के० रंगरत्नम।
(6) श्री बी० बी० राधास्थामी।
(7) श्री जी० वंकटस्वलू विजयवाडा।
(व्यक्ति जिसके के अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रथमाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रथमाय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 31-10-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं. 3114/77 में विगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रावकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 14-6-78

मोहर:

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 जून 1978

सं० 675—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० वेंकटेस्वरा कला मन्त्रिर है, जो पार्वतीपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, पार्वतीपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्राप्तिकल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) पन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्यन्त, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-146GI/78

1. (1) श्री के० वेंकटेस्वरराव
(2) श्री एस० पल्लाचम्मा पालकोल
(अन्तरक)

2. (1) श्री पी० कृष्णराव
(2) श्री पी० वेंकटारमणमूर्ति
(3) श्री पी० श्रीनिवासराव
(4) श्री पी० सीतापति० श्रीकाकुलम
(अन्तरिती)

3. श्री एम० नारायणराव श्रीकाकुलम
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के मध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पार्वतीपुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-10-1977 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1532/32 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 14-6-78

मोहरः

प्रकृष्ट प्राइ. टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 जून 1978

निर्देश सं० 676—यतः मुझे एन० के० नागराजन
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च
के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2/97 है, जो एलमंचली में स्थित है (ग्रोर
इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, एलमंचली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
15-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ग्रोर/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या अन्य प्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1)
के अनुसार, निम्नलिखित अधिकारी, अचान्तः—

1. (1) श्री ए० रामाराव, पायकाराघपेटा।

(अन्तरक)

2. 1. श्री श्री एन० रामम

(2) एन० वरहालम्मा एलमंचली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षितियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
मर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ऐलमंचली रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-10-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3770/77 में निर्गमित
अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 15-6-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 जून 1978

निर्देश सं० 677—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

और जिसकी सं० रब्बर फैक्ट्री है, जो मंगलागिरि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलागिरि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रमत्रक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति:—

- रेनो रब्बर इन्डस्ट्रीज मंगलागिरि।
(1) श्री ए० रामचन्द्रराव
(2) श्री जी० राधा कृष्णमूर्ति
(3) श्री ए० जनार्दनराव
(4) श्री वी० नारायणराव
(5) जे० आनसी लक्ष्मी
(6) श्री एन० प्रताप कुमार विजयवाडा।

(अन्तरक)

- वजया रब्बर रॉकेलम कंपनी (पी०) लिमिटेड।
(1) श्री एन० सुर्यनारायण।
(2) श्री एम० सुब्रह्मन्यम विजयवाडा-2।

(अन्तरिती)

को पड़ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पोइकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंगलागिरि रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 31-10-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1885/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज
काकीनाडा

तारीख: 15-6-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० 678—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० 22/258 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या ग्रन्थ अस्तित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मम, उक्त अधिनियम को धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थात् 1—

- 1) (1) श्री वी० कनकराजु ।
- (2) श्री वी० रामकृष्ण ।
- (3) श्री वी० वासुदेवा कुमार ।
- (4) श्री वी० वेंकटारामाराजु मद्रास ।

(अन्तरक)

2. श्री सी० एम० नारायण एल० आर० ।

- (1) श्री सी० एम० नाग दुर्गा प्रसाद ।
- (2) श्री सी० एम० रावम्म ।
- (3) श्री सी० एम० सुरहा विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स जुपिटर मेडिकल स्टोरस ।

- (2) सागर वैनस ।
- (3) 5 डी पी श्रीकृष्ण बाड्ज विजयवाडा ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, धघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-10-1977 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2875/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखः 16-6-78

मोहरः

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती सिलार बीमी साहेबा, विजयवाडा।

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

(अन्तरक)

269व (1) के अधीन सूचना

2. (1) श्री के० वेंकटेस्वरराव।

भारत सरकार

(2) श्री वेंकटा सुभाराव रावीचर्णी।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 जून 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

निर्देश सं० 679—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ₹
से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एन० नं० 111 है, जो बड़लमानु में
स्थित है (और इससे उपावल्ल अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूजीवीडु
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 26-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त विधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के ग्रह्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या, या किया
आना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिये।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

यतः भव, उक्त प्रधिनियम की आरा 269व के अनुसरण
में, में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269व की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

तारीख: 16-6-78
मोहर:

प्रख्युप ग्राइंड टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० 680—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 719/1 है, जो पेनुमदम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पालकोल में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
29-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चव अंश से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई निसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अंकितियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० बैंकटा कृष्ण सवेनायाजुलु पालकोल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० बैंकटा सुच्चा राज्यलक्ष्मी पेनुमदम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधिकारी को यह सूचना भी तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अधिविवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अंकितियों में से किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अंकित द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 31-10-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 2588/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 16-6-78

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकोनाडा, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश स० 681—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी म० आर० एम० नी० 48 विजयराई है, जो
विजयराई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पुणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय
एलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 13-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री यु० पारतासारथी।
- (2) श्री यु० वेंकटारामाराव।
- (3) श्री यु० कृष्णाराव।
- (4) श्री यु० माधवाराव।
- (5) श्री यु० वेंकटारमणमा।
- (6) श्री टी० भारती देवी भीमवरम।

(अन्तरक)

2. श्री जी० किमन विजयराई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरक के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरक के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एलूरु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-10-
1977 में पंजीकृत दस्तावेज न० 3488/77 में निर्गमित
अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),
एम० श्री० अर्जन रेज़: काकीनाडा

तारीख: 16-6-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय- सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

शर्जन रेज़ काक्षीनाथ

काकीनाडा, दिनांक 16 जन 1978

निर्देश सं० 682—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी सं. आर 48 है, जो विजयाराई में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, ऐन्ऱ हू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

13-10-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से अंकित नहीं किया गया है:—

(क) भ्रष्टारण से तुर्हि किसी भाष्य की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घ्रष्टारक के दायित्व में कभी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नविविध अविषयों, पर्याप्ति । । ।

1. (1) श्री यू० पार्थसारथी ।
 (2) श्री यू० वेक्टारमणराव ।
 (3) श्री यू० कृष्णा राव ।
 (4) श्री यू० माधवराव ।
 (5) श्री यू० वेक्टारमनन्ता ।
 (6) श्रीमती दी० भारती देवी, भीमवरम ।
(अन्तरक)
2. श्री जी० किरण किंजयाराई ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरां व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि औ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम सची

एल्लू रजिस्ट्री प्रधिकारी से पांचिक अत 15-10-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 3489/77 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेज, काकीनाडा

सारीख : 16-6-78

मोहर 3

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० 683—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मूल आर 48 है, जो विजयाराई में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेन्नूर से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-10-1977 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. (1) श्री यू० पार्थमर्यादी।
- (2) श्री यू० वेंकटारमणराव।
- (3) श्री यू० कृष्णराव।
- (4) श्री यू० माधवराव।
- (5) श्री यू० वेंकटरमनम्मा।
- (6) श्री टी० भारती देवी। भीनवरम।

(अन्तरक)

2. श्री जी० कल्यान, विजयाराई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोहस्तान्तरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लेनूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाँकिक अंत 15-10-77 में पंचीकृत वस्तावेज नं० 3490/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० टी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 16-6-78

मोहर:

अतः धर, उक्त अधिनियम की धारा 269व के प्रत्यक्षण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुत ग्राही दी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 जून 1978

निवेद सं० 684—यतः मुझे, एम० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 48 है, जो विज्याराई में स्थित है (और
इसमें उपावट अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीरेटरी प्रधिकारी के कार्यालय एन०टूट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, गेंदे दृश्यमान
प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए नया नाया नाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरके दायित्व में कर्मी
करने या उसमें वधने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ के अनु-
सार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री यू० पार्थसारथी ।
- (2) श्री यू० वेंकटारमण राव ।
- (3) श्री यू० कृष्णराव ।
- (4) श्री यू० माधवराव ।
- (5) श्री यू० वेंकटारमनम्मा ।
- (6) श्री दी० भारती देशी, भीमबत्र ।

(अन्तरक)

2. श्री के० लक्ष्मी नरसिंहारांव विजयराई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आम्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रत्यक्ष द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

धृष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

अनुच्छेदी

ऐलू रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-10-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 3491/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 16-6-78

मोहर :

प्रक्रम ग्राही ० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 17 जून 1978

निवेश सं 685—न्यतः मुझे, एन० के० नागराजन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है,

और जिसकी सं ० शूगर हैडस्ट्री है, जो चिक्काला में रिस्त है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय निष्ट्रोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अकूब 1977 को

पूर्वोंत उन्नति हेतुचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से निर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की वाबन उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसा बन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्य उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

भानू शर्गस, नाडेपलिम्हेम पाटनस।

1. (1) श्री के० रामकृष्ण रेडी।
- (2) श्री के० सन्यासारायण प्रसाद।
- (3) श्री के० रामकृष्ण प्रसाद।
- (4) श्री के० पार्थसारथी प्रसाद।
- (5) श्री के० गाधी।
- श्री बी० कृष्ण मर्ती।
- श्रीमती एम० ग्रामायती।

(8) श्रीमती एम० रामा तुलसी।

(9) एन० श्रीरामा रेडी।

(10) श्री चक्रवा० वेकटाराम रमण मर्ती।

(11) श्री जे० वेकटाराम।

(12) श्री जे० वेकटाराम।

(13) श्री जे० नरमिहाराव।

(14) श्री के० गगा सत्यनारायण रेडी।

(15) श्रीमती छी० राज्यलक्ष्मी।

(16) श्री सी० हच० गगा रत्नन।

(17) श्रीमती के० मरला देवी।

(18) श्री बी० रामा मोविद राव।

(19) श्री जी० सुब्रिं रेडी।

(अन्तरक)

2 श्री कान्ती शुगर (पी) निमिट्ट निष्ट्रोल

(1) श्री एन० मत्य नारायण।

(2) श्री बी० बुलिंबेक्या।

(3) श्री जी० रामचन्द्राराव।

(4) श्री पी० राम चन्द्र प्रसाद।

(5) श्री ए० सुन्दाराराव।

(6) श्री के० मुरलीधरराव वीरराघवेलु।

(आत्मरिती)

को यह सूचना तारीह निष्ट्रोल समाति के ग्रान्ति के लिए कायंवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रान्ति के संबंध में कोई भी ग्रामेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें यदुकृत शब्दों प्रौर पश्चों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रामाय 20-क में परिमाणित है, वही पर्यंत होगा, जो उस ग्रामाय में दिया गया है।

श्रीमती

निष्ट्रोल रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अत 15-10-77 में पंजीकृत वस्ताविज न० 2281/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति। (मिसनरी क माथ)।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

महायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण)

एम० बी० अर्जन रेज, काकीनाडा

प्राप्ति : 17-6-78

मोहर :

प्रह्ल ग्राई० टी०एन० ०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 मार्च 1978

निदेश सं० वी 37 अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० दुकान तथा ऊपरी मंजिल में कमरे स्थित हैं तथा जो चन्दौसी जिला मुरादाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उप निबन्धक विलारी मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमो करन या उसस बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य शारितयों को, जिन्हे भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राजीव कुमार व श्रीमति कोमल कुमारी (अन्तरक)
2. श्री विपिन कुमार अग्रवाल (अन्तरिती)
3. श्रेता उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मस्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की प्रबंधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान पुस्ता एक मंजिला पूरब व दक्षिण मुखी जिसके ऊपर जज दिस्से मे एक कमरा बना हुआ है। वकए बाजार खूब चन्द्र (बड़ा बाजार) कस्बा चन्दौसी तहसील बिलारी मुरादाबाद। दुकान मुख्या टेढ़ी मेड़ी है उसका कुल क्षेत्रफल 694.40 वर्ग मीटर है। तथा वह सब विवरण जो कि सेल डीड तथा फार्म 37 जी संख्या 1531 दिनांक 6-10-77 में वर्णित है। तथा जो उप निबन्धक विलारी कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 8 मार्च, 1978

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा—नवम्बर, 1978

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1978

सं० फा० 8/5/78-प०-I (ख) — संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 7 नवम्बर, 1978 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी:—

पाठ्यक्रम का नाम	रिक्तियों की संभावित संख्या
भारतीय सेना अकादमी, बेहरादूब (जुलाई, 1979 में प्रारंभ होने वाला 67वां पाठ्यक्रम)	120 [एन० सी० सी० 'ग' प्रमाण-पत्र (सेना स्कैंच) प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 32 रिक्तियां सम्मिलित हैं]
नौ सेना अकादमी, कोचीन (जुलाई 1979 में प्रारंभ होने वाला पाठ्यक्रम)	50
अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास (अक्टूबर 1979 में प्रारंभ होने वाला 30वां पाठ्यक्रम)	160

नोट I—एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कैंच) प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवार नौ सेना अकादमी तथा अन्तर्राजिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिये इन पाठ्यक्रमों में कोई आरक्षण नहीं है, अतः इन पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी भी एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कैंच) परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं, किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कैंच) परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जो कि आयोग के कार्यालय में 30 जून, 1979 तक पहुंच जाए।

नोट II—भारतीय सेना अकादमी पाठ्यक्रमों में आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षा परिणाम के आधार पर अहंता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों

को अनारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

ग्रायोग द्वारा आयोजित होने वाली सिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा नियन्त्रण बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (1) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्चा, (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमतास्तर तथा, (ग) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला वें प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों को सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के संबंध में ऋण: परिणाम I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिणाम V पर 'उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका' में देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र: अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी) हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और तिवेद्रम।

3. पात्रता की शर्तें:

(क) राष्ट्रियकता:

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिब्बती शरणार्थी जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इंगादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (vi) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्व अफ्रीकी देश जैसे कीन्या, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जांविया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रवासन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (vi) अन्तर्गत ग्राने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसे भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु-सीमाएं, स्त्री या पुरुष और वैवाहिक स्थिति:-

(i) भा० से० अकादमी और नौ सेना अकादमी के लिये: केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1957 से पहले और 1 जनवरी 1960 के बाद न हुए हों।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये: केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1956 से पहले और 1 जुलाई, 1960 के बाद न हुए हों।

नोट: जन्म की तारीख केवल वही मात्र होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सेकण्डरी या समन्वय परीक्षा के प्रमाण-पत्र में निखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं:-किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समवक्ष। जो उम्मीदवार अभी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, परन्तु उनका डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण नीचे की तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंचाना होगा अन्यथा उनकी उम्मीदवारी रद्द मानी जाएगी।

(i) भा० से० अकादमी और नौ सेना अकादमी में प्रवेश के लिए—30 जून, 1979 को या उससे पहले।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिए—15 सितम्बर, 1979 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएँ हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यताप्राप्त हो, वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिए प्राप्त होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट 1—जो उम्मीदवार रक्षा मत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किस प्रकार के कमीशन से अपवृत्ति है, वे उस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। यदि प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

नोट 2—विशेष सेवा अनाश्रयों को छोड़कर वाकी अनाश्रय नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर प्रशिक्षण समिलित है), जिनको अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय वाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा अनाश्रयों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय वाकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिए जाएंगे जब वे उनके कमांडिंग अफसरों के द्वारा विधिवत अनुशंसित हों।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क: रु 28.00 (अनुमूलित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए रु 7.00)। जिन आवेदन पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार भर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट: आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आप्तवासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से बस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह बर्मा के बस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह श्रीलंका से बस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 का या उनके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए: केवल समिलित रक्षा सेवा परीक्षा नवम्बर, 1978 के लिये निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नॉटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नान्वित स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:—

(i) दो रूपये का मनीश्रांडर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल श्रांडर भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।

(ii) दो रूपये नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउटर पर।

(iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, एन० सी० सी० एकक नशा नौसेना प्रतिष्ठानों के यहां से निगृहि।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, जिनमें सशस्त्र सेना में सेवारत कर्मचारी भी

शामिल है, या सरकारी स्वामित्व वाले आंशोगिक उपकरणों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हैं। या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, जिसमें सशस्त्र सेना भी शामिल है, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काग कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप में नियुक्त कर्मचारी हों जिनमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कायलिय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को उभके अन्त में सलग प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकालकर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कायलिय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर की इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी द्वालत में प्रमाण-पत्र की फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

7. आयोग के कायलिय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख :—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों में 21 अगस्त 1978।
- (ii) विदेश में या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 4 मित्स्म्बर, 1978।

8. प्रलेख, जो आवेदन के साथ भेजे जाएं।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

- (i) रु 28.00 (अनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त या राजदूत या विदेशी प्रतिनिधि के कायलिय में निर्धारित शुल्क जमा करें

जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क” वे खाते में जमा हो जाएं और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. 0 × 7 सें. मी. 0 के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा :—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके गाता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के किसी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) सक्षम पाधिकारी से परिशिष्ट-IV में दिए गए प्रपत्र में दिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :—

- (i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से दिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यार्थित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से दिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति

- (i) दंडकारण्य परियोजना के ट्रैनिंग केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।

अथवा

- (ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

- (iii) अपने जिले के शारणार्थी पुनर्वासि का प्रभारी अनिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

अथवा

- (iv) सब डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ-सब-डिवीजन की सीमा तक।

अथवा

- (v) शारणार्थी पुनर्वासि उपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासि) कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :—

श्रीलंका में भारत का उपायुक्त।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित

भारतीय दूतावास, रंगून या जहां का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट।

(घ) भाठ से० श्र० पाठ्यक्रम में आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा :—

यह दिखाने के लिए कि उसके पास एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/ प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

9. शुल्क की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया सकता और न वह किसी सूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क [वे दिया है] पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार मई, 1978 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुसंधित हुआ हो तो उसके मामले में रु 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु 4.00) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि नवम्बर, 1978 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 मार्च, 1979 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन-पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अंतिम तारीख से एक महीने के प्रंदर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हो तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पालता या अपालता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के क्षेत्री उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेरबदल न करें और न फेर बदल किए गए/गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत कराना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य बक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियत या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाये हों, या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अस्तील भाषा या अभद्र आशय की हों; या

- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घट व्यवहार किया हो;
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) ऊपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ओर प्रवृत्त होना या आयोग को उत्तेजित करना।

वह अपने को दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त :—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा

(ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए।

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है और

(ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में दो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14. मूल प्रमाण-पत्र—प्रस्तुतीकरण :—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में मूल प्रमाण-पत्र आयोग को प्रस्तुत करने को कहा जाएगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जनवरी 1979 में घोषित किए जा सकते हैं। उम्मीदारों की सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के समय भी इन मूल प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत करना पड़ सकता है।

15. आवेदन के संबंध में पत्र व्यवहार :—आवेदन के संबंध में सभी पत्र व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना।
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन पत्र में दिया है।

ध्यान दें :—जिन पत्रों के साथ ऊपर का व्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेवा मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ई) (ii) वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन आवेदणों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देते हैं, फिर भी इस संबंध में वे अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछताछ :—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेवा मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ई) (ii) वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठना हो, उनको चाहिए कि वे लिखित परीक्षा के परिणाम निकलते ही अपनी उम परीक्षा की तारीखें सूचित करते हुए सेवा मुख्यालय को लिखें ताकि अगर संभव हो तो साक्षात्कार की तारीखें तय करते समय वे इस बात को ध्यान में रख सकें।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का, प्रगतिशील पाठ्यक्रम में, प्रवेश :—

संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के नियंत्रण पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार बौद्धिक तथा अधिकृत्य परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एम० ए० (डी० ई०) कोसं और/या (एस० ई०) कोसं की लिखित परीक्षा में अर्हता

प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करें या नहीं, उनको मार्च/अप्रैल, 1979 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, उनको जून/जुलाई 1979 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के बे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किमी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु, उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग अलग न्यूनतम अर्हकृ अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता-क्रम में रखा जाएगा। अलग अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किए जाएं, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षणशाला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अंतिम चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनर्हताएँ :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी वायुसेना उड़ान भविष्यालय, नौसेना अकादमी, कोचिन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गए हैं, उनको भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी या थल सेना में अल्प-कालिक सेवा कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी से वापस लिया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एफ्टी नेसल केडे-टस के रूप में पहले चुन लिया गया हो, पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौ सेना

प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो, वे भारतीय नौ सेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो, उनके बारे में थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को, एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

20. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबंध :—भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने शावेदार के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षणकाल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

अल्पकालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई भी उम्मीदवार—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति—है या था

(ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नी होते हुए भी, किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रदत्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिए और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन से छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबंध :—भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिए विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना :—रक्षा मंत्रालय (मनो-वैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने “सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों

की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन" (ए स्टडी आफ इंटरिजन्स टेस्ट स्कोर्स प्राफ कोडिङेट्स एट सर्विसेज सेलेक्शन बोर्डेस) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाएं।

यह पुस्तक समूल्य प्रकाशन है और विक्री के लिए प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के यहाँ मिल सकती है। डाक द्वारा आदेश देकर या नकद भुगतान के द्वारा उनसे यह सीधे प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भुगतान के द्वारा यह (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, सी-ब्लाक, बाबा खड़क मिह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) उद्योग भवन की प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिक्री केन्द्रों पर तथा (iii) भारत सरकार पुस्तकालय, 8, केंद्र एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 पर भी मिल सकती है।

23. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का व्यौरा सम्मिलित होता है उसके बारे में सूचना।

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, 1977 सहित पिछली परीक्षाओं के नियमों तथा प्रश्न-पत्रों के व्यौरों से यक्त पुस्तिकाओं की बिक्री प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से केवल मेल आर्डर द्वारा अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक, बाबा खड़क सिहमार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नरमेट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, केंद्र एस० राय रोड, कलकत्ता-700001, से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुक्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेन्टों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई 1978 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों में "वस्तुपरक" प्रकार के प्रश्नों के आरम्भ होने से इस परीक्षा के लिए नियमों और प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाओं का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु इस परीक्षा की नियमावली की प्रतिया आयोग के कार्यालय से रु० 2.00 का मनि आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेज कर प्राप्त की जा सकती है।

अ० ना० कोलहट्टकर,
उपसचिव

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यविवरण)

क. परीक्षा की योजना

- प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:—
- नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा,

(ब) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तित्व परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिए साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज सेलेक्शन मेंटर में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाए।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिए दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए नियत अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
अनिवार्य:—		
1. अग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारंभिक गणित	2 घंटे	100

वैकल्पिक—निम्नलिखित में से कोई एक विषय

विषय	कोड संख्या	नियत समय	अधिकतम अंक
भौतिकी	01	2 घंटे	150
रसायन विज्ञान	02	2 घंटे	150
गणित	03	2 घंटे	150
बनस्पति विज्ञान	04	2 घंटे	150
प्राणि विज्ञान	05	2 घंटे	150
भूविज्ञान	06	2 घंटे	150
भूगोल	07	2 घंटे	150
अग्रेजी साहित्य	08	2 घंटे	150
भारत का इतिहास	09	2 घंटे	150
सामान्य अर्थशास्त्र	10	2 घंटे	150
राजनीति विज्ञान	11	2 घंटे	150
भारत भास्त्र	12	2 घंटे	150
मनोविज्ञान	13	2 घंटे	150

(ब) नीसेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
अनिवार्य:—		

1. अग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

वैकल्पिक

*3 प्रारंभिक गणित या

प्रारंभिक भौतिकी 2 घंटे 100

*4. गणित या भौतिकी 2 घंटे 150

*जो उम्मीदवार प्रारंभिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारंभिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिए

विषय	नियत ममत्य	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

लिखित परीक्षा और साक्षाकार के लिए जो अधिकतम अंक नियत किए गए हैं वे प्रत्येक विषय के लिए समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी और अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षाकार के लिए नियत अधिकतम अंक क्रमशः 450, 450 और 200 होंगे।

3. समस्त विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्न महित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थी विवरणिका" में देखिए।

4. प्रश्न-पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विकास पर है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तर

प्रारंभिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारंभिक भौतिकी के प्रश्न-पत्र का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य-विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न-पत्र हस्त प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किए जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल

से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किए बिना, देना चाहिए।

प्रारंभिक गणित

संख्या पद्धतियाँ—घनपूर्ण संख्याएं, पूर्णांक परिमेय और वास्तविक संख्याएं, मूल संक्रियाएं—जोड़, घटाना, गुणन, और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता—साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात, विवरण।

प्रारंभिक संख्या मिलान—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएं 1, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण। अपवर्त्य और गुणनखंड। गुणन खंडन प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, यूक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारभूत संक्रियाएं: साधारण गुणन खंड। शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। द्विधात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणांकों के बीच संबंध। (केवल वास्तविक मूलों पर विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युगपत् रैखिक समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपत् रैखिक समीकरण या असमिकाएं बनती हैं या एक चर में द्विधात समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय, शंकन, पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबंध तत्समक घातांक नियम।

त्रिकोणमिति :

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X जब $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$ । ज्या, X कोटिज्या, X स्पर्श रेखा x का मान क्योंकि $X-0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ और 90° , सरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

ऊंचाइयों और दूरियों के सरल कोश।

ज्यामिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति। निम्नलिखित पर प्रमेय:—(i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएं, (iii) किसी त्रिभुज की भुजाएं और कोण, (iv) त्रिभुजों की सर्वांगसमता, (v) समरूप त्रिभुज, (vi) माध्यिकाओं और शीर्ष तम्बों का संगमन, (vii) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं व विकर्णों के गुण धर्म, (viii) वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें

स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल है, (ix) स्थानिक संघक

विस्तार कलन

वर्णों, आवतों, समान्तर चतुर्भुजों, विभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन। लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन। गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन। (इन विषयों से सम्बन्धित प्रायोगिक प्रश्न पूछे जाएंगे और यदि आवश्यकता हुई तो प्रश्न-पत्र में सूच भी दे दिए जाएंगे)।

सांख्यिकी

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा मारणीयन। आलेखी निष्पत्ति-बारम्बारता बहुभुज, आयत चित्र, शलाका चार्ट, पार्ट चार्ट आदि, केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप, रेखाओं के बीच कोण।

प्रारम्भिक भौतिकी

(क) विस्तार कलन:—मापन के मात्रक, सी० जी० ए०० और ए०० के० ए०० मात्रक। आदिण और संदिण। बल और वेग का संयोजन तथा वियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन अनुरेखीय गति। न्यूटन के गति नियम। बल की संकल्पना बल के मात्रक। मात्रा और भार।

(ख) पिंड का बल विज्ञान:—गुरुत्व के अधीन गति। समानान्तरण बल। गुरुत्व केन्द्र। साधारण स्था। साधारण मरीन। वेग अनुपात। आनत समतल पेंच और गियर सहित विभिन्न साधारण मरीने। घर्षण, घर्षण कोण, घर्षण गुणांक। कार्य, शक्ति और ऊर्जा। स्थितिज और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुणधर्म:—दाव और प्रणोद। पास्कल का नियम। आर्कमिडीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व। पिंडों और द्रव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिए आर्कमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लबन का नियम। गैस द्वारा प्रयोग में लाए गए दाव का मापन। वायल नियम। वायु पम्प।

(घ) ताप:—पिंडों का रैखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। चाल्स नियम, परम शून्य, वायल और चाल्स नियम, पिंडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कैलोरीमिति। ताप का सचरण, धातुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाष्पन की गुप्त ऊष्मा। एस० बी० पी० नमी (आर्बता), श्रोसांक और आपेक्षिक आर्बता।

(ङ) प्रकाश:—अनुरेखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम: सैन्स, प्रकाशित यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित परापार चित्रदर्शी, दूरबीन, सूक्ष्मदर्शी, वाइ-नोक्युलर तथा परिदर्शी। पिज्मु प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(च) ध्वनि:—ध्वनि संचरण, ध्वनि परावर्तन अनुनाद। ध्वनि ग्रामोफोन का अभिलेखन।

(छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत:—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र। चुम्बकीय बल रेखाएं, पार्थिव चुम्बकत्व। चालक और रोधी। ओम-नियम, पी० डी० प्रतिरोधक, विद्युत, चुम्बकीय बल, ऊर्जा पार्श्व में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत चुम्बकीय बल की सुनना। विद्युतधारा का चुम्बकीय प्रभाव। चुम्बकीय क्षेत्र में सवाहकता। फलेंग का बाम हस्तनियम। मापक यंत्र—धारा-मापी, एमीटर, बोल्ट मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत लेपन, विद्युत, चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र।

भौतिकी (कोड ०१)

१ पर्यार्थ के गामान्य गुण और यांत्रिकी

यूनिटें और विभाएं, स्केलर और वेक्टर मात्राएं, जड़त्व आपूर्ण, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, धूर्णी गति, गुरुत्वाकर्षण। सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोलक, प्रत्यास्थता; पृष्ठ तनाव, द्रव की श्यानता, रोटरी पम्प।

२ ध्वनि

अबमंदित, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग-गति, डाप्लर प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग; किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाव, तापमान और आर्बता का प्रभाव, डोरियों, मिलियों और गैस स्तम्भों का कम्पन। अनुनाद, विस्पंद; स्थिर तरमें। ध्वनि का आवर्ति वेग सथा तीव्रता। परावर्त्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज और लाउडस्पीकरों के प्रारम्भिक सिडान्स।

३. ऊष्मा और ऊष्मा गति विज्ञान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार; गैसों में समतापी तथा रुद्धोष परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के अणुगति सिडान्स के तत्व; बोल्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध; वांडरबाल का अवस्था समीकरण; जूल थाप्सन प्रभाव; गैसों का द्रवण; ऊष्मा इंजन; कार्नेट-रमेश, ऊष्मागति—विज्ञान के नियम और उनका सरल अनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

४. प्रकाश

जगतीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल और गोलीप पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और विशिष्ट दोष और उनका निवारण। नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धान्त, व्यतिकरण।

५. विद्युत और चुम्बकत्व

विद्युत-क्षेत्र के कारण ऊर्जा; द्रव्य के बैचुत और चुम्बकीय गुण धर्म; हिस्टेरिसिस चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूविम मैग्नेट एण्ड मूविग क्वायल गैलेनोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन, ग्रेविट्र तर्किट एवं मेट्रोट्र के गुण धर्म और उनका निवारण; ताप-विद्युत प्रभाव, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण; प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन।

ट्रांसफार्मर और मोटर; इलैक्ट्रानिक वाल्व और उनके सरल अनुप्रयोग ।

6. आधुनिक भौतिकी

बोर के परमाणु मिद्दान्त के तत्व, इलैक्ट्रांस, गैसों द्वारा विद्युत का विसर्जन, के थोड़े रे । रेडियोएक्टिवता, कृत्रिम रेडियो एक्टिवता, आइसोटोप, विखंडन और संलयन की प्रारम्भिक धारणा ।

रसायन विज्ञान (कोड 02)

1. अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों का इलैक्ट्रानिक विन्यास, ग्राफ-बाउँसिद्धान्त, तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण । परमाणु क्रमांक । संक्रमण तत्व और उनके लक्षण ।

परमाणु और आयनिक विज्ञाएँ, आयनन विभव । इलैक्ट्रोन बंधुता और विद्युत अणुआत्मकता ।

प्राकृतिक और कृत्रिम विष्टनामिकता । नाभिकीय विष्टण्डन और संलयन ।

संयोजकता का इलैक्ट्रानिक सिद्धान्त, सिग्मा और पाई बन्ध के बारे में प्रारम्भिक विचार, सहसंयोजी आवन्ध की संकरण और दिशिक प्रकृति ।

वारनेर का समन्वय मिश्रण सिद्धान्त । उभयनिष्ट धातुकर्मीय तथा विश्लेषीय प्रचालनों में निहित सम्मिश्रों का इलैक्ट्रानिक विन्यास ।

आक्सीकरण स्थितिया और आक्सीकरण संख्या । सामान्य उपचायक तथा अपचायक आक्सीकारक । आयनिक समीकरण ।

ल्यूइस और ब्रन्स्टेड के अम्ल और सिद्धान्त ।

सामान्य तत्वों का रसायन विज्ञान और उनके आमिश्र जिनकी विशेष रूप से आवर्ती वर्गीकरण की दृष्टि से अभिक्रिया की गई हो । निष्कर्षण के मिद्दान्त । महत्वपूर्ण तत्वों का वियोजन (और धातुकी) ।

हाइड्रोजन पर आक्साईड की संरचना, हाईबोरेन, ऐलूमिनियम क्लोराईड तथा नाईट्रोजन, फास्फोरस, क्लोरीन और गन्धक के महत्वपूर्ण आक्सीऐसिड ।

अक्रिय गैस. वियोजन तथा रसायन ।

अकार्बनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धान्त ।

सोडियम कार्बोनेट, सोडियम हाइड्रोक्साइड, अमोनिया, नाईट्रिक अम्ल, गन्धकीय अम्ल, सीमेंट, ग्लास और कृत्रिम उर्वरकों के निर्माण की रूप रेखा ।

2. कार्बनिक रसायन विज्ञान

सहसंयोजी आवन्धन की आधुनिक संकलनाएँ । इलैक्ट्रोन विस्थापन-प्रेरणिक मेसोमरी और अति संयुग्मन प्रभाव । अनुनाद और कार्बनिक रसायन में उसका अनुप्रयोग । वियोजन स्थिरांक (डिसो-सिएशन कॉस्टेंट) पर संरचना का प्रभाव ।

ऐल्केन, ऐल्कीन और ऐल्काइन । कार्बनिक मिश्रण के स्रोत के रूप में ऐट्रोलियम । एलिफेटिक मिश्रणों के सरल व्युत्पन्न । ऐल्फोहल, ऐल्डी हाइड्रस, क्लोरोन, अम्ल, हैलाइड, एस्टर्स, ईथर, में अम्ल ऐट्रीड्राइड क्लोराइड और अमिड । एक्कारकी हाइड्रोक्सी क्लोरीनी और ऐमीनो अम्ल । कार्बो-हाइड्रेट वर्गीकरण और सामान्य अभिक्रिया । ग्लूकोस, फल शक्करा और इक्सु शक्करा ।

त्रिविम रसायन: प्रकाशकीय और ज्यामितीय समावयवता । संरूपण की संकलना ।

बैन्जीन और इसके साधारण व्युत्पन्न; टालूईन, जाइनीन, फोर्मल, ऐल्डी, नाइट्रो और ऐमीनो मिश्रण । बैन्जाइक सैलिसिक, गिरिमिरु, मैडेनिक और सल्फोनिक अम्ल, एरोमैटिक ऐल्ड्राइड और कीटोन । डाइजो, एजो और हाईड्रेजो मिश्रण, एरोमेटिक प्रतिस्थापन । नेफ्रलोन, पिरिडीन और क्यूनोलिन ।

3. भौतिक रसायन

गैसों और गैस नियमों का गतिक सिद्धान्त । मैक्सवैल का वेग वितरण नियम । वानहेरवाल का समीकरण । संगत अवस्थाओं का नियम । गैसों का द्रावण । गैसों की विशेष ऊर्जा । सी० पी०/सी० बी० का अनुपात ।

ऊष्मागतिकी:

ऊष्मागतिकी का पहला नियम । समतापी और रुद्धोष्म प्रमार । पूर्ण ऊर्जा । ऊष्मा घारिता । ऊष्मरसायन-अभिक्रिया । ऊपा, विरचन, विलयन और दहन । आवंध ऊर्जा की गणना । किरणोंक समीकरण ।

स्वतः प्रवर्तित परितंत्र का मानदण्ड । ऊष्मागति का दूसरा नियम । एन्ट्रोपी । मुक्त ऊर्जा । रसायनिक संतुलन का मानदण्ड ।

घोल-पारासरण दाव, वाष्प दाव का कम करना, वाष्पहिमांक अवनयन, क्वथनाक बड़ाना । घोल में अणु भार निश्चित करना । विलयों का संगणन और वियोजन ।

रसायनिक संतुलन । द्रव्यमान अनुपाती अभिक्रिया और समांगी तथा विषमांगी संतुलन । ला—शाते लिए नियम । रसायनिक संतुलन पर ताप का प्रभाव ।

विद्युत रसायन: फेराडे विद्युत अपघटन नियम; विद्युत अपघटन की चालकता; तुल्यांकी चालकता और तनुता में उसका परिवर्तन; अल्प विलय लवणों की विलयता; विद्युत अपघटनी वियोजन । श्रोस्टबाल्ड तनुता नियम, प्रवल विद्युत अपघटकों की असंगति, विलयता गुणनफल, अम्लों और क्षारकों की प्रवलता, लवणों का जल अपघटन; हाइड्रोजन आयन की साद्रता, उभय प्रतिरोध क्रिया (बफर क्रिया) सूक्षक सिद्धान्त ।

उत्क्रमणीय सेल । मानक हाइड्रोजन और कैलोमेल इलैक्ट्रोड और रेडाक्स विभव । सान्द्रता सेल । पी० एच० का निर्धारण । अभिगमनांक । पानी का आयनी गुणनफल । विभव मूलक अनुमापन ।

रासायनिक बलगतिविज्ञान। अणुसंरचना और अभिक्रिया की कोटि। प्रथम कोटि की अभिक्रिया और दूसरी कोटि की अभिक्रिया। तापमान अभिक्रिया की कोटि का निर्धारण, अपक्रान्तिकता तापांक और संक्रियण ऊर्जा। अभिक्रिया दरों का संबृद्ध सिद्धान्त। संक्रियत संकुल सिद्धान्त।

प्रावस्थानियम : इसकी शब्दावलियों की व्याख्या। एक और दो घटक तत्त्व का अनुप्रयोग। वितरण नियम।

कोलाइड : कोलाइडी विलयन का सामान्य स्वरूप और उनका वर्गीकरण; कालाइड के विरचन और गुणों की सामान्य रीत। स्कन्दन। रक्क किया और स्वरूप। अधिशोषण।

उत्प्रेरण : समांग और विषमांग उत्प्रेरण। विषाक्तन वर्धक।

प्रकाश रसायन : प्रकाश रसायन के नियम। सरल संख्यात्मक।

गणित : (कोड़ : 03)

1. बीजगणित :

समुच्चयों का बीजगणित, संबंध और फलन; फलन [का प्रतिलोम, संयुक्त फलन, तुल्यता संबंध; परिमेय सूचकांक के लिए द-भोयवर का प्रमेय और उसका सरल अनुप्रयोग।

2. मैट्रिसेस : मैट्रिसेस की बीजक्रिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल; सहखंड-प्रावृह; मैट्रिसेसों का प्रतिलोमन, मैट्रिक्स की जाति। रैखिक समीकरण के हल निकालने के लिए मैट्रिसेसों का अनुप्रयोग (तीन अशात संख्याओं में)।

3. विश्लेषिक ज्यामिति :

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति : सरल रेखाएं, सरल रेखाओं की जीड़ी, वृत्त, वृत्त निकाय, परकलय दीर्घवृत्त, अतिपरिकलय (मुख्य अंशों के संदर्भ में)। द्वितीय अंश समीकरण का मानक रूप में अनुकरण। स्पर्शरेखाएं और अभिलम्ब।

त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति :

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कार्तीय निर्देशांक)।

कलन (केलकुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित : सीमांत की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का मानत्व और अवकलनीयता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन। रोल का प्रमेय। मध्यमान प्रमेय; मैक्सारिन और टेलर सीरिज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग; परिमेय सूचकांकों के लिए द्विपदप्रसरण, चरघातांकी प्रसरण, लघुगणकीय त्रिकोण-मिसीय और अतिपरकलयिक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिवृष्ट और अल्पिवृष्ट, स्पर्शरेखा, अभिलम्ब, अध्य: स्पर्शी, अधोलम्ब, अनन्तस्पर्शी वक्रता (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। एनक्सेप, आर्शिक अवकलन। समांगी फलनों से संबंधित आयलर प्रमेय।

समाकलन-गणित : समाकलन की मानक प्रणाली। सतत फलन के निश्चित समाकलन की रीमान-परिभाषा।

समाकलन गणित के मूल सिद्धांत। परिशोधन, अक्षकलन, आयतन और परिक्रमण घनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल। संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्प्सन का नियम।

अवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। नियम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रैखिक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपान्तरण। साश्वारण पेन्डुलम और समदिश।

5. यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है) :

स्थिति विज्ञान : समतलीय तथा संगामी बलों की सम्यावस्था की स्थिति। साधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र स्थैतिक धर्षण, साम्याधर्षण और सीमान्त धर्षण। धर्षण-कोण। रूप्त आनत समतल पर के कण की सम्यावस्था। कल्पित कार्य (दो आयामों में)।

गति-विज्ञान : शुद्ध गति-विज्ञान—कण का त्वरण, वेग, चाल और विस्थापन, आपेक्षिक वेग। निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। न्यूटन के गति संबंधी सिद्धान्त। सकेन्द्र कक्षा। सरल प्रसंवदा गति। (निवाति में) गुरुत्वावस्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा। रैखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान वर्तुल गति।

6. सांस्थिकी-प्रायिकता : प्रायिकता की शास्त्रीय और मांख्यकीय परिभाषा, संचयात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गुणन प्रमेय, सप्रतिबंध प्रायिकता। यादृच्छिक चर (विविक्त और अविविक्त), घनत्व फलन, गणितीय प्रत्याशा।

मानक वितरण—द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्य और प्रसरण, वैषम्य सीमान्त रूप सरल अनुप्रयोग। व्यासों वितरण परिभाषा—माध्य और प्रसरण, योज्यता, उपलब्ध आंकड़ों में व्यासों बंटनों का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य बंटन का समंजन।

द्विचर वितरण : सह संबंध, दो चरों का रैखिक समाश्रयण, सीधी रेखा का समंजन, परवलयिक और चलघातांकी वक्र, सह संबंधित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिवर्षी वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण; यादृच्छिक प्रतिदर्श। मांख्यकी, प्रतिदर्शी बंटन और मानक द्रुटि। मध्यन्यदों के अन्तर की अर्थवृत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी, सी० एच० आई०² (CHI)² और एफ० का सरल वितरण।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० ५ यांत्रिकी और सं० ६ सांस्थिकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उसर लिखने का विकल्प होगा।

वनस्पति विज्ञान (कोड 04)

1. वनस्पति जगत का सर्वेक्षण—प्राणियों और पौधों में अन्तरः जीवित जीव की विशेषताएँ: एक कोशिक और बहुकोशिक जीव: वाहरस: वनस्पति जग के विभाजन का आधार।

2. आकृति विज्ञान—(i) एक कोशिक पौधे—कोशिका, इसकी संरचना और अन्तर्वस्तु कोशिकाओं का विभाजन और संवर्धन।

(ii) बहुकोशिक पौधे—असंवहनी और संवहनी पौधों के कार्य में भेद: संवहनी पौधों का बाह्य और आतंरिक आकृति विज्ञान।

3. जीवन वृत्त:—इन पादप वर्गों के प्रत्येक वर्ग के कम से कम एक पौधे का जीवनवृत्त—वैकटीरिया, नील रहित शेवाल वर्ग (साइनोफाइसी), क्लोरोफाइसी: भूरा शेवाल वर्ग, कियाफालान शेवाल वर्ग (रोडोफाइसी), पाइकम्पासाइसिटीज, एस्कोमाइसिटीज, वेसिडियमी कवक, लिवरवर्ट; भासेस; टेरिडोफाइटीज, जिम्नोस्पर्म और एन्जियोस्पर्म।

4. वर्गिकी:—वर्गीकरण के नियम, ऐन्जियोस्पर्म के वर्गीकरण की मुख्य पद्धतियाँ:

निम्नलिखित कुलों के विशिष्ट लक्षण और आर्थिक महत्व:—

ग्रामीन सिटामिनि, पामेसी, लिलिएसी, आर्किडेसी, मोरेसी, लोरेन्थेसी; मेनोलिएसी, लारेसी; क्रुसिफेरी; लेग्युमिनोसी; रुटेसी; भीलिएसी; यूफोर्नियासी; एनाकार्डिएसी, मालवेसी; एसोसाइनेसी; एक्सलीपिएडेसी; डिप्टि रोकारमेसी; मटेसी, अम्बेलीफेरी; तुलसीकुल (लेबिएटी), सोलेनेसी; रुचिएसी, कुकरबिटेरिएसी; बनीनेसी और कम्पोजिटी।

5. पादप शरीर शियाविज्ञान—स्वपोषण, परपोषण जल और पोषक तत्वों का अन्तर्ग्रहण, आष्योत्सर्जन, प्रकाश संस्त्रेषण; खनिज पोषण; स्वसन, धूँधि जनन, पादप-प्राणि संबंध, सहजीवन, परजीविता, ऐन्जाइम; आनिस्म, हारमोन; दोप्तिकालिता।

6. पादप रोग विज्ञान—पौधों की बीमारियों के कारण और उनके उपचार; रोग जीव; वाहरस; हीनता जन्य रोग; प्रतिरोध।

7. पादप परिस्थिति विज्ञान—विशेष रूप से भारतीय वेड-पौधों और भारत के वनस्पति क्षेत्रों के संदर्भ में परिस्थिति विज्ञान और पादप भूगोल से संबंधित आधार भूत तत्व।

8. सामान्य जीव विज्ञान—कोशिका—विज्ञान, आनुवंशिक विज्ञान, पादप प्रजनन मेण्डेलवाद, संकर-प्रीज, उत्परिवर्तन विकास।

9. आर्थिक वनस्पति विज्ञान—पौधों का विशेषता: अनाजों, धानों, फलों, चीनी, स्वार्च, तिलहनों, मसालों, पेय पदार्थों, रेशों, लकड़ियों रबर, ग्रोष्टियों और वाष्पशीत तेलों आदि वनस्पति

जलवायों से संबंधित पुष्ट पादपों का मानव कल्याण के लिए लाभकारी उपयोग।

10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास—वनस्पति विज्ञान संबंधी विज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी।

प्राण विज्ञान: (कोड 05)

प्राण जात का प्रमुख समूहों में वर्गीकरण, विभिन्न वर्गों के विशिष्ट लक्षण।

रज्जु रहित (नान-कार्डेट) किस्म के प्राणियों की बनावट, आदतें और जीवन-वृत्त:

अमीबा, मलेरिया—परजीवी। स्पंज, हाइड्रा, लिवर-फ्लू, फीसा कृमि; गोल कृमि; केंचुआ; जोंक; तिलचट्टा, पृष्ठ मक्को; बिच्छु; ताजे पानी का मस्ल, ताल घोंथा और स्टार फिश (केवल बाह्य लक्षण)।

कीटों का आर्थिक महत्व। निम्नलिखित कीटों की परिस्थिति और जीवन-वृत्त:—

दीमक; ठिड़ी; शहद की मक्की और रेशम का कीड़ा। रज्जुकी—क्रम वर्गीकरण।

निम्नलिखित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट और सुलनात्मक शरीर:—

बैन्किओस्टोमा; स्कोलिओडान; मेंढक; मूरोमेस्टिक्स या कोई अन्य छिपकली (वेरनम का अस्थिपंजर); कवूतर (मुक्कट का अस्थिपंजर); और खरगोश, चूहा या गिलहरी।

मेंढक और खरगोश के संदर्भ में जन्तु कार्य के विभिन्न अंगों के उत्काविज्ञान और शरीर किया विज्ञान की प्रारम्भिक जानकारी; अन्तःस्नावी ग्रंथियाँ और उनका कार्य।

मेंढक और चूजे के विकास की रूपरेखा, स्तनी जन्तुओं की बनावट और कार्य।

विकास के सामान्य नियम; विविधता; अनुवंशिकता; अनुकूलन; पुनरावर्तन परिकल्पना; मेंढेलीय अनुवंशिकता; अलंगिक जनन और लैंगिक जनन की विधियाँ; अनिषेक जनन (पर्यानोजोनमिस); कार्यात्मण, पीढ़ी एकान्तरण।

विशेष रूप से भारतीय जन्तु समूह के संदर्भ में जन्तुओं का परिस्थितिक और भूवैज्ञानिक वितरण।

भारत के वन्य प्राणी जिनमें विवैले और विषहीन सांप भी शामिल हैं। शिकार पक्षी।

भूविज्ञान: (कोड 06)1. सामान्य भूविज्ञान:

पृथ्वी की उत्पत्ति, काल और आतंरिक भाग, विभिन्न भूवैज्ञानिक एजेंसियाँ और स्थलाकृति, अपक्षय और अपरदन (द्वारोजन) पर उनका प्रभाव, मृदा के प्रकार, उनका वर्गीकरण और भारत के मृदा समूह, भारत के भू-आकृति उपभाग, वनस्पति और स्थलाकृति, ज्वालामुखी, भूकम्प, पर्वत पटलविरूपण (उयास्ट्रोफिज्म)।

2. संरचनात्मक भूविज्ञान :

आगेय, अवसादी और कायांतरित चट्टाने, नति, नदिलग्न और ढलान वलन, ध्रुष्टि और विषम वित्त्यास और दृश्यांशों पर उनका प्रभाव, भूवैज्ञानिक मर्यादण और मानविक्रिया की विधियों के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जानकारी।

3. क्रिस्टल विज्ञान और खनिज विज्ञान :

क्रिस्टल समिति के बारे में प्रारम्भिक जानकारी। क्रिस्टल विज्ञान के नियम, क्रिस्टल की प्रकृति और यमलन (ट्रिवर्निंग)।

मृद्घमय खनिजों, महत्वपूर्ण शैल-रचना, रसायनिक संधन, भौतिक गुण, प्रकाशिक गुण-धर्म, परिवर्तन, प्राप्ति और वाणिज्यिक उपयोग संबंधी अध्ययन।

4. आर्थिक भूविज्ञान :

भारत के महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी उपस्थिति की अवस्था का अध्ययन। अपस्था निक्षेपों का उद्भव और वर्गीकरण।

5. शैल विज्ञान :

आगेय, अवसादी और कायांतरित चट्टानों तथा उनके उद्भव और वर्गीकरण का प्रारम्भिक अध्ययन। चट्टानों के सामान्य प्रकारों का अध्ययन।

6. स्तर क्रम विज्ञान :

स्तर क्रम विज्ञान के नियम; भूवैज्ञानिक अभिलेखों का अशम वैज्ञानिक और कालानुक्रम उप-विभाजन। भारतीय स्तर क्रम विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषतायें।

7. जीवाश्म विज्ञान :

जीवाश्म विज्ञान संबंधी आधार सामग्री का विकास से संबंध, जीवाश्म (फार्मिल्स) उनका स्वरूप और उनके परिरक्षण की विधि। प्राणी-जीवाश्मों और पादप-जीवाश्मों की निरूप आकृतियों के आकृति विज्ञान और विभाजन की प्रारम्भिक जानकारी।

भूगोल (कोड 07)

(i) प्रारम्भिक भू-आकृति विज्ञान : सौर मंडल और पृथ्वी का उद्भव, भू-आकृति, भू-लक्षण, प्रारम्भिक भू-विज्ञान, चट्टानों और मिट्टी का बनना।

(ii) जलवायु विज्ञान : जलवायु और इसके तत्व, तापमान, दाव, आर्द्धता, पवन पद्धति, चक्रवात और प्रतिचक्रवात का प्रारम्भिक ज्ञान, दृष्टिपात के प्रकार।

(iii) समुद्र विज्ञान : भूमि और जल का वितरण, समुद्र जल का संचालन, ज्वार, धाराये, सवणता, समुद्रतल निक्षेप।

(iv) पादप भूगोल :—वनस्पतियों के प्रकार, भौगोलिक पर्यावरण से उनका सम्बन्ध, वन, धारा के मैदान, रेगिस्तान, प्रधान प्राकृतिक क्षेत्र।

(v) मानव भूगोल :—पर्यावरण में मानव, मनुष्य की प्रजातियां, मनुष्य के कार्यकलाप और जनसंख्या का विभाजन।

(vi) आर्थिक भूगोल :—मुख्य वनस्पतियां, पशु और वनिज उत्पादन, उनका वितरण और भौगोलिक पृष्ठ भूमि, मुख्य उद्योग और उनका स्थानीकरण, कच्चे माल, खाद्यान्न, और विनिर्मित माल का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार।

(vii) क्षेत्रीय भूगोल :—भारत का विस्तार से और मंयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, रूम, चीन, जापान, दक्षिण पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व, श्रीलंका, वर्मा और पाकिस्तान का सामान्य रूप से ज्ञान।

अंग्रेजी साहित्य (कोड 08)

उम्मीदवार को स्पेसर काल से लेकर महारानी विकटोरिया का शासन समाप्त होने तक के अंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य, और निम्न लिखित लेखकों की कृतियों का विशेष ज्ञान होना चाहिए :—

शेक्सपीयर, मिल्टन, जानसन, डिकन्स, वर्टसवर्थ, कीट्स, कालाईल, टेनिसन और हार्डी।

भारत का इतिहास (कोड 09)

1600 ई० से लेकर भारतीय गणराज्य की स्थापना तक का भारत, तथा इस अवधि में घटित साविधिक प्रगति।

टिप्पणी :—इस विषय में उम्मीदवारों को भूगोल के उस पक्ष का भी ज्ञान होना चाहिए जिसका संबंध इतिहास से होता है। किसी अवधि के आरम्भ होने की यदि कोई निश्चित तारीख दी जाए तो उम्मीदवारों को सामान्य रूप से यह भी जानना चाहिए कि हम प्रारम्भिक स्थिति तक किस प्रकार पहुंचे हैं।

सामान्य अर्थशास्त्र (कोड 10)

उम्मीदवारों को अर्थशास्त्र के सिद्धान्त का ज्ञान होना चाहिए और उनको तथ्यों की सहायता से सिद्धान्त का निरूपण करना और सिद्धान्त के आधार पर तथ्यों का विश्लेषण करना दोनों आना चाहिए। भारत और हंगलैड के आर्थिक इतिहास और उन देशों की आर्थिक स्थिति का क्षुद्र ज्ञान भी होना चाहिए।

राजनीति विज्ञान (कोड 11)

उम्मीदवारों को राजनीति विज्ञान और उसके सिद्धांत का ज्ञान होना चाहिए। राजनीति विज्ञान का ज्ञान केवल विधि-निर्माण के सिद्धांत के रूप में नहीं, बरन राज्य के सामान्य सिद्धांत के रूप में भी होना चाहिए। सांविधिक शासन के प्रकारों (प्रतिनिधि सरकार, संघवाद प्रादि) और लोक प्रशासन-केन्द्रीय और स्थानीय—पर भी प्रश्न पूछे जायेंगे। उम्मीदवारों को वर्तमान संस्थाओं के उद्भव और विकास का भी ज्ञान होना चाहिए।

समाज विज्ञान (कोड 12)

समाज विज्ञान की प्रकृति और क्षेत्र : समाज का अध्ययन, समाज विज्ञान और अन्य सामाजिक विज्ञानों से उसका संबंध।

मूल धारणाएं : महत्व एवं कार्य, प्राथमिक एवं गौण वर्ग, सामाजिक संस्थाएं, सामाजिक संरचना, सामाजिक नियंत्रण एवं अपवर्ती आचरण, सामाजिक द्रव्य; सामाजिक परिवर्तन :—

मूल सामाजिक संरचनाएं एवं संस्थाएं, विवाह, परिवार एवं रिश्तेदारी, राजनीतिक, संस्थाएं; धार्मिक संस्थाएं; सामाजिक स्तरण-जाति, वर्ग एवं वंश।

वातावरण; समाज एवं संस्कृति :

भारतीय समाज विज्ञान, जाति एवं जातिवाद; परिवार एवं रिश्तेदारी, ग्राम, समाज, आधुनिक भारत में सामाजिक स्तरण-जाति, वर्ग एवं वंश।

मनोविज्ञान (कोड 13)सामान्य मनोविज्ञान

मनोविज्ञान की परिभाषा और विषय-वस्तु, मनोविज्ञान की पद्धतियां, अनुकूलन एवं आचरण क्रियावधि की अवधारणा: आचरण का शरीर-शास्त्रीय आधार।

(क) अभिग्राहक, चाक्षुष एवं श्रवण संबंधी; (ख) भाड़ी तन्त्र की सामान्य रूप रेखा,

(ग) कारक—मांसपेशियां एवं त्रिथियां :—

मानव विकास के तत्व—आनुवंशिकता एवं पर्यावरण, परिष्करण एवं शिक्षा प्राप्ति।

अभिप्रेरणा एवं मनोवेग—उनकी प्रकृति और विकास: प्रत्यक्ष ज्ञान एवं उनकी प्रकृति—रूप रंग और स्थान।

अधिगम—उनकी प्रकृति, अनुकूलन, अन्तर्दृष्टि और प्रथत्व वृद्धि। अधिगम तथा स्मरण शक्ति और निस्मरण प्रक्रियाओं को प्रभावित करने वाले तत्व, स्मरण करने की सफल विधियां।

चिन्तन और तर्क।

प्रज्ञा और योग्यताएं—उनकी प्रकृति और मापन।

व्यक्तित्व—प्रकृति, निर्धारक और मापन।

असामान्य मनोविज्ञान

असामान्य आचरण—अवधारणा और कारण।

कुठा और द्रव्य, रक्षात्मक युक्ति।

मनोवैज्ञानिक विकार — मनस्गप एवं मनोविक्षिप्त, व्यातित्व एवं मनोशारीरिक विकार।

मानसिक विकार के उपचार का सामान्य ज्ञान—मनोरोग चिकित्सा।

सामाजिक मनोविज्ञान

समूह प्रक्रियाएं—व्यक्ति और समूह, नेतृत्व, मनोवल एवं भीड़ का व्यवहार।

प्रचार और मनोवैज्ञानिक युद्ध।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जायेंगे जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप थोर्जना, बहिरंग ग्रुप कार्यकल तथा उन्हे निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जांज के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामर्यिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिणिष्ट II

(श्राकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक) टिप्पणी :—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वास्थ्यता मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वास्थ्य होना चाहिए। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अहंताप्राप्त उम्मीदवार बाद में अवस्थता के अधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए सलाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना आदेन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुरूपसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिये जाने का अर्थ यह नहीं होंगा कि या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त या अस्थाई रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रभान्य-पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी बृष्टि अपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार/स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशोधक ऐनक लानी चाहिए।

1. अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिये उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिलकुल ठीक होगा और जिनमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिसमें कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के संबंध में तसल्ली कर ली जाएगी। :—

(क) कमज़ोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थूलता तो नहीं है।

(ख) हड्डियों और संधियों का कुरिकास तो नहीं हुआ है श्रीर उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी:—ग्रल्पवर्धित ग्रैव पर्शुका बाले उम्मीदवारों को भी स्वस्थ माना जा सकता है, यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्यशाली में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

(ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।

(ग) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विरुद्धिता तो नहीं आ गई है।

(ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोग ग्रस्त तो नहीं है। टिम्पेनिक मस्त्रेन में कच्चा जर्जर तो नहीं है। या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोथ के चिन्ह तो नहीं हैं आमूल या संयोगित आमूल कर्ण मूल आपरेशन तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी: यदि कान के पद्दें का छेद पूरी तरह से भरा गया हो, इसको और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल सेना के लिये उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

(च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं या नोज पालिपस तो नहीं है अथवा नासग्रसनी या सहायक कोटरी का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी:—नासा पट के छोटे अलक्षणी ऊवधातज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम ग्रस्वीकृत नहीं किया जाएगा वरन् ऐसे मामलों की जांच और मत के लिये कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(छ) गर्दन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बढ़ी हुई तो नहीं हैं श्रीर थाइराइड ग्रंथि सामान्य है।

टिप्पणी:—तपेसिक की ग्रंथियों को हटाने के लिये किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकती हैं बरतें कि

गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्सरे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

(ज) गले, तालु, टोंसिल या मसूड़ों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चुन्नकीय संधियों की सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी:—यदि बार-बार टांसिल शोध होने का कोई वृत्त न हो तो टांसिलों की अतिरिक्त अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त बाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धीय या श्रंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।

(ञ) फेफड़ों की तपैदिक या इस बीमारी का पूर्ववृत्त या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता सहित पाचक तन्त्र के किसी रोग का चिन्ह तो नहीं है।

(ठ) वंक्षण हर्निया तो नहीं है या उसके होने की प्रवृत्ति तो नहीं है।

टिप्पणी:— (i) वंक्षण हर्निया (जिसकी शल्य-चिकित्सा न की गई हो), अस्वीकृति का कारण होगा।

(ii) जिनका हर्निया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वास्थ्य माना जाएगा बरतें कि :

(i) आपरेशन न हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट की पेशीसमूह सामान्यता ठीक है।

(iii) हर्निया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है या इसकी शल्य चिकित्सा से संबंधित कोई उलझन पैदा नहीं हुई है।

(ङ) हाइड्रोसील या निश्चित बैरिकोसील या जननेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

ध्यान दें:— (i) यदि हाइड्रोसील के आपरेशन के बाद कोई रज्जु और अण्डग्रंथियों की विलक्षणताएँ न हों और फाइलरियासिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ii) यदि एक ओर की अन्ततः उदरीय अण्डग्रंथि आरोही हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बरतें कि दूसरी

अण्डग्रंथि सामान्य हो तथा इस आरोही अण्डग्रंथि के कारण कोई शारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रंथि वंक्षण नलिका में अथवा उदरीय वलय में रुक्षी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(८) फिस्टुला और/ या गूदा का विदर और बवासीर के मर्स्से तो नहीं हैं।

(९) गुदों की कोई बीमारी तो नहीं है। ग्लूकोज मेहं या एलब्युमीन मेह के सभी रोगी अस्वीकृत कर दिए जाएंगे।

(१०) अस्थाई अथवा मामूली क्षति-चिक्कों को छोड़कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रचार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अणकता या बहुत अधिक कुरुपता आ गई हो या आने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार किया जाएगा।

(११) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रतिज रोग तो नहीं है।

(१२) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत्त या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्गी आतो हो, जिनका पेशाब वैसे ही या नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(१३) भेंगपन या आंख या पलकों की कोई ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।

(१४) सक्रिय रोहे (ट्रकोमा) या इसकी जटिलताएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं हैं।

टिप्पणी:— इलाज के लिये आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अन्तिम रूप से स्वीकार किये जाने की गारन्टी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन वांछनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खबरें का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के मापों के लिये मानक।

(क) कद:—

(१) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एड़ियों पर होना चाहिए पंजे पर या पांव के बाहरी पाश्वों पर नहीं। वह

बिना अकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एड़ियां, पिंडलिया, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे, उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर आड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव भिन्न की उपेक्षा की जाएगी, 0.5 सेंटीमीटर का इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक की एक सेंटी-मीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

(ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है, किन्तु, शोरखा, नेपाली, असमिया, गङ्गावाली उम्मीदवारों के लिये नीचे (ख) (i) में दी गई उससे संबंधित सारणी में दिए गए कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेफा, भेषालय और विपुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटी-मीटर और लक्ष्मीपुर के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

(ख) वजन:—

(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उत्तरवा कर या केवल जाधिया के साथ किया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु, कद तथा औसत वजन विषय परस्पर संबंधी सारणी मार्गदर्शन के लिये दी जा रही है।

पिछले जन्म दिवस को श्राव्य	बिना जूतों के ऊचाई औसत न्यूनतम	वजन	
		सेंटीमीटर	किलोग्राम
1	2	3	4
वर्ष	सेंटीमीटर	किलोग्राम	
17 से 18	157.5 तथा 165.0 से कम	43.5	55.0
तक	165.0 तथा 172.5 से कम	48.0	50.5
	172.5 तथा 183.0 से कम	52.5	64.0
	183.0 तथा इससे अधिक	57.0	—
19	160.0 तथा 165.0 से कम	44.5	56.0
	165.0 तथा 172.5 से कम	49.0	60.5
	172.0 तथा 178.0 से कम	53.5	65.0
	178.0 तथा 183.0 से कम	58.0	69.5
	183.0 तथा उससे अधिक	62.5	—
20 तथा	160.0 तथा 165.0 से कम	45.5	56.5
अधिक	165.0 तथा 172.5 से कम	50.0	61.0

(1)	(2)	(3)	(4)
172.5 तथा 178.0 से कम		54.5	66.0
178.0 तथा 183.0 से कम		59.0	70.5
183.0 तथा इससे अधिक		63.5	—

केवल नौसेना के लिए

कद और वजन

सेंटीमीटरों में ऊँचाई	आयु		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
कि० ग्रा० में वजन			
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

(ii) कद तथा आयु के संबंध में वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मानकों में लागू नहीं की जा सकती है। सारणी में दिये गये औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के मानकों में 6 कि० ग्रा० कम-ज्यादा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशीय विकास भी हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिसका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुपातिक विकास की कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती:—छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए।

उम्मीदवार की छाती का नाप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी बाहे सिर के ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस प्रकार से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर उसका ऊपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ल्लेड) के निम्न कोणों (इक्फी-रियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उठे या पीछे की ओर झुके न हों जिससे कि फीता हट जाए, जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जायगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव मेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84/89, 86/91 इत्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव भिन्न की उपेक्षा की जाएगी। 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

नौसेना के लिए:—छाती का एकसे अनिवार्य है।

4. दांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हैं।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उसने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वांइट प्राप्त किये हों। किसी भी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों को निम्न प्रकार प्वांइट दिये जायेंगे:—

(i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिये एक-एक प्वांइट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिये दो-दो प्वांइट। पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वांइट दिये जाएंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके:—

(i) आगे के 9 में से कोई 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से कोई 9 दांत।

टिप्पणी:—जिन उम्मीदवारों के नकली दांत अच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीशन के लिए स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दंत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

(5) दृष्टिमानक (धर्मसेना)

(अच्छी आंख) खराब आंख		
दूर की नजर (चरमा लगाकर)	6/6	6/18

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त अविन्दुकता (एस्टिमेटिज्म मैनीफेस्ट) सम्मिलित -3.5 डी० से अधिक नहीं। दीर्घ दृष्टि (हाइपर मैट्रोपिया) जिसमें अविन्दुकता (एस्टिगमेटिज्म) सम्मिलित है $+3.5$ डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी: 1 फेल्स तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य में होने चाहिए।

2 वर्धीन निकट दृष्टि के सूचक विटियस या कोरियोरेटीना के श्रनावस्थक न्यूपगनन चिन्ह न हों।

3 दोनों आंखों में द्विनवी (वाइनोकुलर) दृष्टि संयमित शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए।

4 कोई ऐसा आंगिक रोग नहीं होना चाहिए, जिसके प्रकोपन अथवा खराब होने की संभावना हो।

निकट दृष्टि (मायोपिया)

किसी भी एक मैरडियम में 0.5 डायोप्ट्रेस अधिक नहीं होना चाहिए।

द्विनवी दृष्टि:—उम्मीदवार की द्विनवी दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों आंखों में फ्युजन फैकल्टी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए)।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

जिन उम्मीदवारों की अधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण अवगम मानक स० पी०-३ (सदवि सुरक्षा) न होता हो उन्हें अयोग्य माना जाएगा:—

स० पी०-३ (सदवि सुरक्षा) — उम्मीदवार इस योग्य हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, संकेत लाल और संकेत हरे रंगों की ठीक प्रकार से पहचान सके जैसा कि मार्टिन लैटिन में दिखाया गया है या इशियारा बुक/टोकियो मैडिकल कालेज बुक की अपेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

दृष्टि मानक (नौसेना)

(क) दृष्टि तीक्ष्णता	मानक-1
दूर की नजर	अच्छी आंख खराब आंख
वी 6/6, वी 6/9,	चरमा सहित 6/6

(i) नौसेना दृष्टिमानक, 1:

कार्य-प्रालक शाखा के उम्मीदवार चरमा नहीं लगायेंगे लेकिन नौसेना मुख्यालय की अनुमति से इस मानक में ढील दी जा सकती है। इंजीनियरी, इलेक्ट्रिकल, सप्लाई, और सचिवालय शाखा के सब प्रकार उपयुक्त उम्मीदवारों के मामले में $6/18$, $6/36$ तक ढील दी जाए बश्ते कि चरमा चढ़ाने पर दृष्टि $6/6$ हो।

(ii) विशेष-अपेक्षाएं

सामान्यतः नौसेना के सभी शाखाओं के कैडटों/डाइरेक्ट एन्ट्री अफसरों की रात्रि दृष्टि तीक्ष्णता के बास्ते डेलाकास की जांच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण-पत्र देने के लिये कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नत्यी कर दिया जाएगा।—

“मैं प्रमाणित करता हूं कि मुझे रत्नांधी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रत्नांधी नहीं है।”

ह० उम्मीदवार
चिकित्सा अधिकारी के प्रति हस्ताक्षर

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

नेत्र विचलन प्रवृत्ति मेडोक्स राड/विंगटेस्ट के साथ (बश्ते कि अभिसरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हो) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए:—

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

(ख) 30 सें० मी० की दूरी से

इंसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

कार्यान्वयित स्तर
(होमाट्रोपिना के अन्तर्गत)

दूर दृष्टिता की सीमा

सही प्राप्त

दूर दृष्टिता 1.5 डायोप्टर

साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य 0.75

दीर्घ दृष्टिता मरिडियन का दोष

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

1.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए इसमें से 0.75 डायोप्टर से अधिक

दूर दृष्टि	दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए।
साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य	सबसे खराब आंख 2.5
संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य	1.5 डायोप्ट्रेस
	दूर दृष्टिता वैषम्य दोष 2.5 डायोप्ट्रेस से अधिक नहीं होना चाहिए, इनमें से 21.00 डायो- प्ट्रेस से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए।

6 श्रवण मानक

श्रवण परीक्षा वाक परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहाँ आवश्यक होगा श्रव्यता मापी (आडियोमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे।

(क) वाक परीक्षा :—उम्मीदवार को जो एक उचित दृग से शांत कमरे में परीक्षक की ओर पीठ करके 609.5 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिए अर्थात् वह साधारण निःश्वास अन्त में लेगा।

(ख) श्रव्यता मितिक रिकार्ड :—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइक्लिल प्रति सेकंड की आवृत्ति पर सुनना चाहिए। (श्रव्यता-मितिक पाठ्यांक + 10 तथा —10 के बीच होना चाहिए) (नौ सेना के लिये लागू नहीं है)।

परिशिष्ट III

सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिये गए हैं :—

(क) भारतीय सेना अकादमी, देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवार के लिए :—

1. भारतीय सेना अकादमी में भर्ती करने से पूर्व :—

(क) उसे इस आशय का प्रमाण-पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाये या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी मर्जिकल आपरेशन या संवेदनाहरण दबा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशाक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके बैध उत्तराधिकारी को सरकार विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि

किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्थीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किये गये व्यय तथा दिये गये वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।

2. अंतिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन “जैन्टलमैन कैडेट” के रूप में दर्ज किए जायेंगे। जैन्टलमैन कैडेट पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, आवास, पुस्तकें, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना जब खर्च खुद बदाशित करेंगे। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवार का) न्यूनतम मासिक व्यय 55.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बदाशित करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 450.00 रु० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पाव नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पावता निर्धारित करने के लिये ग्रचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जायेगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिये जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित भारतीय सेना अकादमी, देहरादून के कमान्डेन्ट को अप्रेपित कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमान्डेन्ट के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी :—

(क) प्रति मास 55.00 रु० के हिसाब से
पांच महीने का जब खर्च 275.00

(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदो
के लिये 800.00

योग 1075.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :—

55.00 रु० प्रतिमाह के हिसाब से पांच
महीने का जेव खर्च 275.00

5. भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु० प्रति वर्ष है जो कि कैडेट को, भारतीय सेना अकादमी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है वर्षते कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हवादार न होंगे।

(2) कर्नल कैडल फ्रैंक मैमोरियल छात्रवृत्ति :—

इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैडेट के लिये सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता अकादमी के कमांडेंट को सौप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह

(क) कैडेट को कमीशन दिए जाने पर दे दी जायेगी।

(ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जायेगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस भत्ते से खरीदे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्याग पत्र दे दे, या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित का दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जायेगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग पत्र देने की अनुमति नहीं दी जायेगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्याग पत्र देने वाले जेंटलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दे दी जानी चाहिये। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे बसूल किया जायेगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम

पूरा करने के योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को अपनी रेजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जायेगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख के अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भत्ते, पेंशन, और छुट्टी दी जायेगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।
प्रशिक्षण :—

10. भारतीय सेना अकादमी में आर्मी कैडेट को “जेंटलमैन कैडेट” का नाम दिया जाता है तथा उन्हे 18 मास के लिये कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैन्ट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त जेंटलमैन कैडेटों को सैकिंड लेफिटनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है वर्षते कि वे एम० एच० ए० पी० ई० में शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

II सेवा की शर्तें :—

(i) वेतन :—

रैंक	वेतनमान
सैकिंड लेफिटनेंट	रु० 750-790
लेफिटनेंट	रु० 830-950
फैटन	रु० 1250-1550
मेजर	रु० 1650-1800
लेफिटनेंट-कर्नल (चयन द्वारा)	रु० 1800-1950
लेफिटनेंट-कर्नल (समय वेतनमान)	रु० 1800 नियत
कर्नल	रु० 1950-2175
ब्रिगेडियर	रु० 2200-2400
मेजर जनरल	रु० 2500-125/2-2750
लेफिटनेंट जनरल	रु० 3000 प्रतिमास

(ii) भत्ते :—

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) 50/- रु० प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) प्रवास भत्ता: जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैक के अनुसार 50 रु० से 250/- रु० तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।

(घ) वियुक्ति भत्ता, जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार महित नहीं रहा जा सकता है तब वे अफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं:—

(iii) तैनाती:

शल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

(iv) पदोन्नति:

(क) स्थायी पदोन्नति:

उच्चतर रैकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:—

समय वेतनमान से

लेफिटनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कॉप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफिटनेंट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

लेफिटनेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
क्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफिटनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबंध नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति:

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात्र होंगे वशतें कि रिकिया उपलब्ध हों:—

कॉप्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
लेफिटनेंट-कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
क्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफिटनेंट जनरल	25 वर्ष

(ज) नौसेना अकादमी कोर्चिन में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिये:

1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुन लिये जायेंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी

शाखा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी, कोर्चिन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये, आवेदन-पत्र नहीं दिया हो:

(i) 45.00 रुपये प्रतिमास की दर से पाँच मास के लिए जैव खर्च	225.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिये	460.00 रु०
जोड़	685.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र दिया हो:—

(i) 45.00 रु० प्रति मास की दर से दो मास के लिये जैव खर्च	90.00
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिये	460.00
जोड़	550.00

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना अहों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा:—

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा नौकारी प्रशिक्षण 6 मास—1 वर्ष

(ख) मिडिशिपमैन नौकारी प्रशिक्षण 6 मास

(ग) कार्यकारी सब-लेफिटनेंट तकनीकी पाठ्यक्रम 8 मास

(घ) सब-लेफिटनेंट: पहरा देने का प्रमाण-पत्र लेने के लिये 3 मास की न्यूनतम समुद्री सेवा।

(ii) नौसेना अकादमी में कैडेटों के प्रशिक्षण, आवास और संबंध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार बहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को उनका जैव खर्च और निजी खर्च बहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक आय 350/- रु० से कम हो और वह कैडेट का जैव खर्च पूर्णतया अधिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो, सरकार कैडेट के लिये 40.00 रु० प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शीघ्र ही अपने जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन पत्र दे सकता है। जिला मैजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी

प्रतिशोधियों के साथ निदेशक कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय नहीं दिली के पास भेज देगा।

यदि किसी माता-पिता/श्रभिभावक के द्वे अधिकारी उससे अधिक पुक्ष या श्रान्ति न होना। जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि माता-पिता/श्रभिभावक की मासिक आय 400/- रु. से अधिक न हो।

(iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकादमी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में इह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिड-शिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

(iv) कैडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने और उनकी एकलूप्तता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/श्रभिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।

(v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और वही भत्ते मिलेंगे जो वे कैडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेबक या अप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे। यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ते, सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्तर की राशि भी मिलेगी।

(vi) सामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से बापस

बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर बापस भेज दिया जाएगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर बापस भेजा जाएगा, वह परवर्ती कोर्स में दोबारा दोखिल होने का पात्र नहीं रहेगा।

किन्तु जिन कैडेटों को कुछ करणाजन्य कारणों के आधार पर त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जाती है, उनके मामलों पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है।

2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/श्रभिभावक को :

(क) इस आशय के प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारण से चोट लगते पर किए गए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान भूलित करने की अवधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुश्रावजा मांगने के दावे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

(ख) इस आशय के बाल पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा होने से पहले बापस जाना चाहें या यदि अमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुल्क, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भत्ते, जो कैडेटों ने प्राप्त किए हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

3. वेतन और भत्ते

(क) वेतन

वेतनमान

रैंक	सामान्य सेवा
मिडशिपमैन	560.00
एंकिटग सब लैफिटनेंट	750.00
सब-लैफिटनेंट	830-870
लैफिटनेंट	1100-1450
लैफिटनेंट कमोडोर	1450-1800
कमान्डर (चयन द्वारा)	1750-1950

कमान्डर (समय वेतनमान द्वारा) कैप्टन	1800.00 रुपये (नियत) 1950-2400 रुपये (कमो- डोर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में वरिष्ठता के आधार पर हकदार होता है।
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750
वाइस एडमिरल	3000 रुपये

(ख) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:—

- (i) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार उन्हे भी नगर प्रतिकर तथा मंहगार्ड भत्ता मिलता है।
- (ii) 50/- रु प्रति मास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता (कमोडोर रैक के तथा उनसे नीचे के रैक के अफसरों को)।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैक के अनुसार 50/- रुपये से 250/- तक प्रतिमास प्रबास भत्ता।
- (iv) 70/- रु प्रति मास के हिसाब से इन अफसरों को नियमित भत्ता मिलेगा।—
 - (i) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां वे परिवार महिला नहीं रह सकते।
 - (ii) जिन विवाहित अफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा तथा जितनी अवधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (v) जितनी अवधि के लिए बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी अवधि के लिए उन्हे मुफ्त राशन मिलेगा।

टिप्पणी I—उपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पन-डुब्बी भत्ता, पन-डुब्बी, वेतन, सर्वेक्षण आनुतोषिक/सर्वेक्षण भत्ता, अर्हता वेतन/अनुदान तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती हैं।

टिप्पणी II—अफसर पन-डुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएँ अपित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अफसर गठे हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

4 पदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा मिलियमैन से एक्टिंग सब-लैफिटनेट तक 1/2 वर्ष एक्टिंग सब-लैफिटनेट से सब-लैफिटनेट तक 1 वर्ष सब-लैफिटनेट से लैफिटनेट तक एक्टिंग और स्थायी सब-लैफिटनेट (वरिष्ठता के लाभ / समपहरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष

लैफिटनेट से लैफिटनेट कमोडोर तक लैफिटनेट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता

लैफिटनेट कमोडोर से कमोडोर तक (यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो)। 24 वर्ष की संगणनीय कमीशन प्राप्त सेवा।

(ख) चयन द्वारा

लैफिटनेट कमोडोर से लैफिटनेट कमोडोर के रूप में 2—8 वर्ष की वरिष्ठता।

कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।

कैप्टन से रियर एडमिरल और उससे ऊपर तक। कोई सेवा प्रसिद्ध नहीं।

5. तैनाती

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

टिप्पणी:—यदि किसी और सुचना की आवश्यकता हो तो वह निदेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए:

1 इसमें पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास में भर्ती हो:—

(क) उसे इस अवधि से प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली-भांति समझता है कि उसे या उसके वैध वारिसों को सरकार से मुआवजा या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि—उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाए।

या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मूर्छित करने की ग्रीष्मधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

(घ) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा करने से पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो उसे शिक्षा, खाना, वस्त्र और बेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को “सेना अधिनियम के अंतर्गत जैन्टलमैन कैडेट” के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य अनुशासन की दृष्टि से ये जैन्टलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अंतर्गत देंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, वर्दी, भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेव खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इत्यादि का शौक रखता हो, तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी, यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैडेट और उसके माता-पिता/अभिभावक की आय 450/- रुपए प्रतिमास से कम हो। वर्तमान आवेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन-पत्र को कमांडेंट, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी:—

(क) 55.00 रु० प्रतिमास की दर से वस महीने के लिए जेव खर्च—550.00 रु०।

यदि कैडेटों को आंशिक सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उन्हें उपर्युक्त धन राशि वापस कर दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किए गए आवेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र, तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट को व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएंगी। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन ग्रीष्मधि में त्याग-पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम के हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारंभ होने के बाद त्याग-पत्र देने वाले जैन्टलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्र स्वीकृत होने तक घर जाने को आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च बमुल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आंशक का एक बाण्ड भरना होगा।

7. जिस जैन्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स पूरा करने के बाय नहीं समझा जाएगा जैसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उसकी रेजिमेन्ट या कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद बेतन तथा भत्ते, वेशन, छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी।

9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैन्टलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलता-पूर्वक पूरा करने के उपरांत जैन्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलता-पूर्वक पूरा करने की तारीख से सैक्नेल लिफ्टिनेंट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. सेवा की शर्तें:—

(क) परिवीक्षा की ग्रीष्मधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की ग्रीष्मधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की ग्रीष्मधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुप्रयुक्त बताया गया तब उसकी परिवीक्षा ग्रीष्मधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) तैनाती

ग्रन्थकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा। जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे वे, यदि हर प्रकार से पत्र तथा उपयुक्त, पाए गए, तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थाई कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने को अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएं तो उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

(घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होते हैं।

सैकेन्ड लैफिट० और लैफिट० के वेतन की दर इस प्रकार है:—
सैकेन्ड लैफिट०, 750-790 रु० प्रतिमास ।

लैफिट०, 830-950 रु० प्रति मास ।

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

(ङ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए लागू नियमों से शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली खंड-1 थल सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा ड्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हक्कार होंगे।

(च) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:—

- (i) अवचार करने या असंतोषजनक रूप से सेवा करने पर; या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से ग्रयोग्य होने पर;
- (iii) उसकी सेवाओं की और अधिक आवश्यकता होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर को करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवांत उपदान पाने का पत्र नहीं होगा।

(छ) पेशन लाभ

- (i) ये अभी विचाराधीन हैं।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 रु० का सेवांत उपदान पाने के हक्कार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद वे 5 वर्ष की अवधि के लिए या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(झ) विविध

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्तें, जब तक उनका उपर्युक्त उपबंधों के साथ भेद नहीं होता है, वही होंगी जो नियमित अफसरों के लिए लागू हैं।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्त हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री.....
सुपुत्र श्री..... जो गांव/कस्बा*.....
.....जिला/मंडल*.....

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*..... के निवासी हैं..... जाति/जन जाति* के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित* जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां); आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आधोधन) आदेश, 1956 बंबई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दियू) प्रनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री

और/या उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*

..... ज़िला/ मण्डल*

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहता है।

हस्ताक्षर

*पदनाम

(कार्यालय की मोहर के साथ)

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

स्थान

तारीख

*जो शब्द लागू न हो उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां “आम तौर से रहता है” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) ज़िला मजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ग्रेजिस्ट्रेट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम श्रौहदे का नहीं)।

(ii) चीफ़ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ़ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका श्रौहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्ष्मीप्रीत)।

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थी विवरणिका

वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उसको ‘वस्तुपरक परीक्षण’ कहा जाता है। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

परीक्षा का स्वरूप

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 . . . के क्रम से प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे a, b, c . . . क्रम में संभावित उत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक उत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। अंत में दिए गए नमूने के प्रश्न देखें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक उत्तर चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार छंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शानी वाले आयत को पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है।

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। इसलिए यह ज़रूरी है कि

1. आप उसी पेन्सिल का प्रयोग करें जो आपको पर्यवेक्षक दें। दूसरी पेन्सिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान, संभव हैं, मशीन से ठीक ठीक न पढ़े जाएं।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी अवधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए।

कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से 30 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँचना होगा और पहुँचते ही आपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं दिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षण-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा का नाम, आपना रोल नंबर केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन पश्चात के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक रबड़ और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है क्योंकि इनकी जमीन नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, आपना रोल नंबर, परीक्षण का विषय और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को बापस कर दें। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, पेसिल से काला निशान लगाकर उत्तर अंकित करने चाहिए। उत्तर पत्रक पर लाल स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, बहुत किफायत के साथ, उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जलदी आगे बढ़ सकते हैं, अब तक, पर लापरवाही न हो। अगर आप

सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिंता न करें। आप को जो प्रश्नग्रन्थित कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

चूंकि प्रत्येक प्रश्न के संभाव्य उत्तर दिए होते हैं, उसलिए हो सकता है कि आप जिन प्रश्नों के उत्तर ठीक ठीक नहीं जानते हों उनके बारे में उहाँपोहुँ के अक्षकर में पड़ जाएं। अगर आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं तो उसे छोड़ देना अच्छा होगा। ऐसे प्रश्नों पर अंधा अनुमान लगाने की अपेक्षा उनको छोड़ देने से संभवतः आप को श्रद्धिक नंबर मिल सकते हैं।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी सूक्ष्म-वृक्ष और विश्लेषण क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से श्रावस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदल दवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संदर्भ खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

परीक्षण का समाप्त

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करते को कहे, आप लिखना बंद कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बंद नहीं करते हैं, वे इंड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाएं। प्रीर आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?

- अशोक के उत्तराधिकारी सब के सब कमज़ोर थे।
- अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।

(d) अशोकोस्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी ।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

(a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है ।

(b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है ।

(c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है ।

(d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है ।

(e) कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरदायी है ।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन

(a) विकास की सुविधा प्रदान करना है ।

(b) अनुशासन की समस्याओं की रोक थाम है ।

(c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है ।

(d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है ।

उत्तर (a)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है;

(a) शुक्र (c) बहस्पति

(b) मंगल (d) मुरु

उत्तर (d)

5. बन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

(a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है ।

(b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियों उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है ।

(c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है ।

(d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है ।

उत्तर (c)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd June 1978

No. P/751-Admn.II.—In supersession of the U.P.S.C. Notification No. A.12019/1/75-Admn.II dated 23.5.1978, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. D.J. Lalwani, a permanent Technical Assistant (Holl.) to the post of Section Officer (D.P.) in the Commission's office for the period from 21.4.1978 to 19.5.1978, or until further orders, whichever is earlier

The 8th June 1978

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Senior Analyst for the period from 1-6-1978 to 31-8-1978, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an *ex cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E. III/60 dated 4.5.1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,
Dy. Secy.
for Chairman,
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 17th June 1978

No. A-19021/6/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Sharma, IPS (1966-Assam) as Assistant Director, Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 1.6.78 on deputation basis, until further orders.

K. K. PURI,
Dy. Director (Admn.)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110022, the 15th June 1978

No. O.II.1032/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 25-5-78 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 17th June 1978

No. A-VI-8/77-Estt.—Consequent on his reversion to the post of Section Officer, Shri Genda Lal Sharma relinquished charge of the post of JAD (Accounts), on the afternoon of 31-5-78 and took over charge of the post of Section Officer, Directorate General, CRPF on 1-6-78 (F.N.).

The 20th June 1978

No. O.II-907/71-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the Cabinet Secretariat, Govt of India, Shri M. Kapoor is appointed as Dy. S. P. (Cov. Comdr.) in 60 Bn. of this Force with effect from the forenoon of 28-5-78.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 17th June 1978

No. 10/6/78-Ad-I.—The President is pleased to appoint Shri V. P. Panday, an officer of the Selection Grade Select list of the C.S.S., as Deputy Registrar General, India, in a 13—146GI/78

temporary capacity, with effect from the afternoon of 26 May, 1978, until further orders.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR
(LABOUR BUREAU)

Simla-171004, the 3rd July 1978

No. 23/3/78-CPI.—The All-India Consumer Price Index number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by one point to reach 323 (three hundred and twenty three) during the month of May, 1978. Converted to base : 1949=100 the index for the month of May, 1978 works out to 393 (three hundred and ninety three).

A. S. BHARADWAJ
Joint Director
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 1st June 1978

F. No. BNP/C/5/78.—Shri D. R. Kondawar, a permanent Junior Supervisor (Offset Printing) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (MP) on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

P. S. SHIVARAM,
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461001, the 6th June 1978

No. PD/2/2104.—Further to this office Notification No. PD/2/765 dated 19.4.1978, Shri S. P. Chatterjee, Foreman is allowed to continue to officiate as Assistant Works Manager on *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 against the vacancy caused due to the *ad-hoc* appointment of Shri A. K. Ghosh, Assistant Works Manager as Chief Chemist until further orders.

S. R. PATHAK,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Trivandrum, the 12th June 1978

No. Estt. Entt/VI/103/81.—Shri K. K. Parameswaran Pillai, officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala is permitted to retire voluntarily with effect from 28-2-1978 AN.

R. K. A. SUBRAHMANYA,
Accountant General

Trivandrum, the 9th June 1978

No. Estt. AVII/9-86/Vol.II/77.—The Accountant General, Kerala, is pleased to appoint the undermentioned Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts

Officers with effect from the dates shown against each, until further orders.

1. Shri V. Ramalingom—8-6-78 FN.
2. Shri P.A. Sukumaran—8-6-78 FN.

S. JAYARAMAN
Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar, the 16th May 1978

No. OOC No. C-225.—Shri Durga Charan Misra, Accounts Officer retired prematurely on 20.12.75 (A.N.) is reinstated with immediate effect. The period intervening the date of his retirement and his reinstatement will be treated as duty.

R. K. CHANDRASEKHARAN,
Accountant General, Orissa,
Bhubaneswar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL : GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 16th June 1978

No. Estt(A)/GO/Promotion/1237.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri G. Narasimhan, N. V. Krishnan, N. M. Buch, K. S. Hassani and V. R. Narayana Swamy permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 18-5-78, 17-4-78, 22-4-78, 22-4-78 and 25-5-78 F.N. until further orders.

K. P. LAKSHMANA RAO,
Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 7th June 1978

No. Admn./32-449/59/0920.—On his arriving at the age of superannuation, Shri K. C. Guha, Officiating Audit Officer Office of the Chief Auditor Eastern Railway, Calcutta is no more borne in the cadre of this office with effect from the midnight of 31st May, 1978.

U. D. ACHARYA
Chief Auditor,
Eastern Railway,
Calcutta

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES NOTIFICATION

Calcutta, the 9th June 1978

No. 8/78/A/M.—The following amendment is made to the DGN No. 4/77/A/M forwarded under this Hqrs. No. 375/A/M dated 26-12-77 :—

Sl. No. 10 Name

For—Dr. (Miss) Saroj Bhatia

Read—Dr. (Mrs.) Saroj B. Sastry

Brig.
P. N. TRIKHA,
Director of Health Services,
for Director General, Ordnance Factories.

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 12th June 1978

No. 29/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri P. K. Gupta, Offg. T.S.O. (Subst. & Permt.

Staff Assistant) retired from service with effect from 30th April, 1978 (A).

No. 30/78/G.—On expiry of extension of service for one year beyond the age of 58 years, Shri S. R. Das Gupta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st March 1978 (AN).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the June 1978

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1070/75-Admn(G)/4240.—On attaining the age of superannuation Shri P. R. Singla, a permanent Grade IV officer of CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31.5.1978.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 24th May 1978

No. 12(226)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri G. D. Duggal, a permanent, Deputy Director (Mechanical) and officiating on ad hoc basis as Director (Gr. II) (Mechanical) in the S.I.D.O. to retire from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. the afternoon of 30.4.78.

No. 12(716)/72-Admn.(G).—On the recommendations of the UPSC the President is pleased to appoint Shri A. M. Alexander, Assistant Director (Gr. II) (Chemicals) in Small Industry Development Organisation as AD (Gr. I) (Chem.) in SIDO w.e.f. the forenoon of 1.5.78, until further orders.

2. Consequent upon the appointment as Assistant Director (Gr. I) (Chemicals) Shri A. M. Alexander, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Chemicals) in the Small Industries Service Institute, Madras w.e.f. the forenoon of 1.5.78 and assumed charge of the post of AD (Gr. I) (Chem.) in the SISI, Madras w.e.f. the forenoon of 1.5.78.

The 26th May 1978

No. A-19018(267)/76-Admn.(G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri B. L. Gupta, Assistant Director (Gr. I) (IMT) in the Small Industry Development Organisation, from the Government service, with effect from the afternoon of 4.4.78.

No. A-19018(331)/77-Admn. (G).—On the recommendations of the UPSC the President is pleased to appoint Shri A. S. Sood as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 4-5-78 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri A. S. Sood has assumed charge as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Branch Small Industries Service Institute, Solan w.e.f. the forenoon of 4.5.78.

V. VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 8th June, 1978

No. CER/6/78.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(4)/58, dated the 7th March, 1958, namely :—

In the Table appended to the said Notification in column 2 against S. No. 9, after item (vi), the following items shall be added, namely :—

2

- (vii) Director, Sericulture and Weaving, Assam.
- (viii) Jt. Director, Weaving, Assam.
- (ix) Dy. Director, Weaving, Assam.
- (x) Asstt. Directors of Weaving, Assam.
- (xi) Supdts. of Weaving, Assam.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 14th June 1978

No. A-1/1(989).—The President is pleased to appoint Shri N. Haldar, permanent Assistant Director (Grade I) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta under the Directorate General of Supplies & Disposals, to the grade of Deputy Director of Supplies on adhoc basis in the same office with effect from the afternoon of the 26th May, 1978 and until further orders.

The 16th June 1978

No. A-1/1(981).—The President is pleased to appoint Shri Bansi Lal, Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay under the Directorate General of Supplies & Disposals, to officiate on adhoc basis, as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same office at Bombay with effect from 26-5-1978 and until further orders.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SEC. A-6)

New Delhi, the 19th June 1978

No. A6/247(323)/61-Vol. III.—The President has been pleased to appoint Shri R. C. Bhattacharya, Assistant Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Group 'A') on regular basis from the forenoon of 16th November 1977.

Shri Bhattacharya will be on probation for a period of 2 years from 16-11-77.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 13th June 1978

No. 5287/2181(KBR)/19B.—Shri K. B. Rao, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 18-2-1976 for joining his new appointment as Officer-in-Charge in the Bharat Gold Mines Ltd.

The 16th June 1978

No. 5276e/2339(LS)/19B.—Shri Lakhmi Singh, Assistant Geophysicist, Central Region, Geological Survey of India has been released from the services of the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 28th July, 1977 for joining the post of Assistant Meteorologist in the India Meteorological Department, New Delhi.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th June 1978

No. 10/139/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. N. Roy Chowdhuri to officiate as Assistant Engineer at Research Department, All India Radio New Delhi with effect from 20th May, 1978.

HARJIT SINGH
Dy. Director of Admn.
for Director General

New Delhi, the 14th June 1978

No. 10/62/77-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. K. Sharma to officiate as Assistant Engineer at All India Radio Najibabad w.e.f. 25-10-77.

HARJIT SINGH
Dy. Director Admn.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 12th June 1978

No. 8/21/50-Est. I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. R. Peswani, Permanent Superintendent, Films Division, Bombay to officiate as Asstt. Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 12th June, 1978 vice Shri M. K. Jain Officiating Asstt. Administrative Officer, granted leave.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

New Delhi-1, the 19th June 1978

No. 4/28/70-DFW(Admn.).—Shri D. S. Saini, Offg. Recordist in the Films Division, New Delhi has been appointed to officiate as Chief Recordist in the Films Division, New Delhi for a period of 61 days from the forenoon of 23rd May, 1978 to 22nd July, 1978 vice Shri N. P. Sitaram, Chief Recordist granted leave.

S. N. SINGH,
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th June 1978

No. 19-19/72-Admn. I.—On expiry of his term of deputation Shri G. Mohanavelu relinquished charge of the post of Administrative Officer at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the 7th April, 1978 (AN).

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Admn. (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 16th June 1978

No. A. 19025/73/78-A. III.—Shri K. K. Tiwari, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing & Inspection at Jammu, with effect from 9-5-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 17th June 1978

No. A. 19025/71/78-A. III.—Shri R. C. Munshi, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Nagpur with effect from 27-5-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/65/78-A. III.—Shri A. Narasimha Rao, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Bangalore, with effect from 31-5-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 20th June 1978

No. A. 19023/27/78-A. III.—Consequent on his selection to the post of Deputy Director (Marketing) in the Directorate of Oil Seeds Development, Hyderabad, Sh. G. K. Pawar,

Marketing Officer, Nagpur, relinquished charge of his post under this Directorate in the forenoon of 27-5-78.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 9th June 1978

No. 3-11/77-Estt. (Spl.)—In continuation of this office Notification of even number dated 31st March, 1978, the ad-hoc & temporary appointment of Shri Mohinder Singh in the post of Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) under Delhi Milk Scheme is extended upto 30-6-1978.

The 13th June 1978

No. 3-24/77-Estt. (Spl.)—In continuation of this office notification of even number dated 22nd April, 1978, the ad-hoc appointment of Shri V. D. Kochhar, in the post of Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) under Delhi Milk Scheme in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 is further extended w.e.f. 30-4-1978 to 3-6-1978 and stand reverted to the post of Assistant Administrative Officer w.e.f. 6-6-1978 (FN).

J. K. ARORA
General Manager

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-400085, the 7th June 1978

No. 5(5)/78-Confirmation/1157—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1977.

Sl. No.	Name	Present Grade	Division
1.	Shri C. P. B. Menon	SC	Technical Services
2.	Smt. Lalita Subramanian	SC	Radiation Medicine Centre,
3.	Shri N. A. Prabhudesai	SC	Computer Section.
4.	Shri C. R. Gopalakrishnan	SC	Health Physics
5.	Shri K. S. Bhat	SC	H. W. M. S.

No. 5(5)/78-Confirmation/1158—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1977.

Sl. No.	Name	Present Grade	Division	Permanent post held in BARC
1.	Shri G. B. Dandekar	SC	Electronics	SA (C)
2.	Shri R. A. Jadhav	SC	Reactor Operations	Foreman
3.	Shri A. J. Mistry	SC	Central Workshops	Foreman
4.	Shri K. S. Das	SC	D.E.E.D.	Foreman
5.	Shri P. K. Bose	SC	Fuel Reprocessing	Foreman
6.	Shri J. D. Tabib	SC	Electronics	SA (C)
7.	Shri S. E. Agarkar	SC	PREFRE	D'man (C)
8.	Shri S. T. Iyengar	SC	Plasma Physics Sec.	SA (C)
9.	Shri K. K. Uppal	SC	Health Physics	SA (C)
10.	Shri M. C. Jain	SC	D. R. P.	SA (C)
11.	Shri A. R. Yusuf	SC	Fuel Reprocessing	Foreman
12.	Shri R. K. Gupta	SC	Fuel Reprocessing	Foreman
13.	Shri H. L. Rishiraj	SC	Health Physics	SA (C)
14.	Shri A. M. Curtay	SC	Health Physics	SA (C)

Sl. No.	Name	Present Grade	Division	Permanent post held in BARC
15.	Shri S. S. Pradhan	SC	Reliability Eval. Lab.	SA (C)
16.	Shri V. S. Sarang	SC	Analytical Chemistry	SA (C)
17.	Shri A. S. Deshpande	SC	Nuclear Physics	SA (C)
18.	Shri V. G. Kagal	SC	Technical Physics	SA (C)
19.	Shri S. S. Mainkar	SC	Health Physics	SA (C)
20.	Shri P. L. Pawar	SC	Heavy Water	SA (C)
21.	Shri A. K. Govindan	SC	H. W. M. S.	SA (C)
22.	Shri P. R. Bhawsar	SC	Technical Physics	SA (C)
23.	Shri J. R. Rego	SC	Reactor Engineering	SA (C)
24.	Shri B. D. Deshpande	SC	Central Workshops	Foreman
25.	Shri S. G. Sahasrabudhe	SC	Health Physics	SA (C)
26.	Shri M. G. Patwardhan	SC	Nuclear Physics	SA (C)
27.	Shri S. N. Ramanna	SC	Heavy Water	SA (C)
28.	Shri M. R. M. Panicker	SC	Technical Services	D'man (C)
29.	Shri V. M. Shah	SC	Nuclear Physics	SA (C)
30.	Shri R. D. Shirgaonkar	SC	Bio-Chem. & Food Tech.	SA (C)
31.	Shri P. D. Sadalgekar	SC	Technical Services	Foreman
32.	Shri A. G. Marke	SC	D. R. P.	SA (C)
33.	Shri V. H. Prayagkar	SC	Primary Isotope Sec.	SA (C)
34.	Shri M. S. Visweswariah	SC	Uranium Metal Plant	SA (C)
35.	Shri J. S. Nair	SC	Metallurgy	SA (C)
36.	Shri M. W. Namjoshi	SC	Electronics	SA (C)
37.	Shri R. N. Satho	SB	Ore Extraction Sec.	D'man (C)

(KUM.) H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION
Bombay-5, the 31st May 1978

No. PPED/3(262)/76-Adm./6644.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. O. Ouseph, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 26, 1978 to the afternoon of July 1, 1978 vice Shri T. T. Pishori, Asstt. Personnel Officer promoted as General Administrative Officer.

The 2nd June 1978

No. PPED/3(262)/76-Adm./6636.—In continuation of this Division's notification of even number dated May 4, 1978 Shri T. T. Pishori, a permanent Assistant Personnel Officer in this Division who was appointed as General Administrative Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 24, 1978 to the afternoon of May 26, 1978 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of July 1, 1978.

No. PPED/3(262)/76-Adm./6637.—In continuation of this Division's notification of even number dated April 5, 1978, Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division who was appointed as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of April 1, 1978 to the afternoon of May 4, 1978, has been permitted to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of July 7, 1978 in a leave vacancy.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 27th May 1978

No. NAPP/Adm/1(66)/78-S.—Consequent on his appointment as Administrative Officer (Grade Rs. 1100—50—1600) in VEC Project, Calcutta, Shri R. P. Haian, Administrative

Officer II relinquished charge from this Project in the afternoon of 23-5-78.

A. R. PARATHASARATHI
Sr. Administrative Officer

Narora, the 27th May 1978

No. NAPP/Adm/3(25)/78.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, appoints Shri Moreshwar Vinayak Behere an officiating Supervisor in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

P. VENUGOPALAN
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 16th June 1978

No. DPS/41(1)/77-Adm./15911.—In continuation to this Directorate Notification No. DPS/23/4/77/Est./144696 dated June 1, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri G. V. Vartak, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis for a further period upto July 29, 1978.

Ref. DPS/A/32011/3/76/Est./15944.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated May 19, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Raveendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an adhoc basis for a further period upto June 19, 1978, vice Shri K. P. Joseph, Assistant Personnel Officer appointed as Administrative Officer.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 28th May 1978

No. PAR/0704/942.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri A. Somasekhara Rao, officiating

Supervisor (Traffic), to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, from 18-5-1978 to 20-6-1978, or until further orders whichever is earlier.

The 29th May 1978

No. PAR/1603/941.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri M. Sree Ramulu, a temporary Supervisor (Civil) to officiate as SO/Engineer SB in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from February 1, 1978 F.N., until further orders.

The 3rd June 1978

Ref. PAR/0705/990.—The Chief Executive, NFC appoints Shri V. Venkateswara Rao, Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II, on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for the period from 31-5-1978 to 14-7-1978 or until further orders, whichever is earlier.

Ref. PAR/0705/991.—The Chief Executive, NFC appoints Shri T. Lakshminarsaiah, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer, on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 31-5-1978 to 14-7-1978 or until further orders, whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 13th June 1978

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. Venkatrama Raju as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 23, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN
Sr. Admn. & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

Civil Engineering Division

Bangalore-560025, the 8th June 1978

No. 10/5(33)/77-CED(H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint the undermentioned officers of the Civil Engineering Division the Department of Space as Engineer SB in the same Division

in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 1, 1978 and until further orders.

Sl.	Name	Post held at present
1.	Shri H. V. Sasidhara	Technical Assistant 'C'
2.	Shri Y. Sreenath	Technical Assistant 'C'
3.	Shri L. S. Subramanian	Draughtsman 'E'

PIU NAMBIAR,
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th June 1978

No. A. 32013/1/77-EA.—The President has been pleased to appoint Shri C. N. Prasad, Asstt. Aerodrome Officer to the post of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 28th May 1978 A.N. and until further orders. Shri Prasad is posted at Bombay Airport Bombay.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM

MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 19th June 1978

No. 16/299/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Mukhtar Ahmad as Research Officer at the Regional Forest Research Centre, Coimbatore with effect from the forenoon of 22nd April, 1978, until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 15th May 1978

No. 3/1978.—Shri Inam Haider Zaidi, Confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise posted in Integrated Divisional Office Lucknow and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 vide this office Establishment Order No. 180/1977 dated 7-11-77 issued under endorsement C. No. II-93/ET/77/25794 dated 7-11-77 took over charge of the Office of the Superintendent Customs Circle Bahrain in the Customs Preventive Division, Lucknow as Superintendent Central Excise Group 'B' on 30-11-77 (F.N.).

A. L. NANDA
Collector

Pune, the 14th June 1978

No. 1/C. Ex. PN/78—STATEMENT SHOWING NAMES, ADDRESSES AND OTHER PARTICULARS OF PERSONS CONVICTED BY A COURT FOR CONTRAVENTION OF SECTION 9 OF THE CENTRAL EXCISE AND SALT ACT, 1944 WITH THE JURISDICTION OF PUNE CENTRAL EXCISE COLLECTORATE DURING THE PERIOD FROM 21-2-76 TO 31-12-77.

Sl. No.	Name and address of the person convicted.	Provisions of the Act or rules made thereunder contravened.	Particulars of sentence award- ed by court.	Remarks
1.	Shri Ramkaran Banvarilal Agarwal, 189-B Ganesh Peth, Poona-2.	Section 6(b) of the Central Excise and Salt Act, 1944 read with Rule 174 of the Central Excise Rules, 1944 punishable under Sec. 9(a) of the Central Excises and Salt Act, 1944 for dealing in un- manufactured tobacco with- out a valid Central Excise licence.	Convicted and sentenced to J.M.F.C. Court No.2 pay a fine of Rs. 400/- i/dt suffer S.I. for one month. 19669/76 decided on 23-6-77.	Poona Criminal case No. 19669/76 decided on 23-6-77.

J. M. VERMA,
Collector of Central Excise & Customs,

CENTRAL WATER COMMISSION
New Delhi-110022, the 16th June 1978

No. A-19012/716/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri V. R. Gohad, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and adhoc basis with effect from the forenoon of 18th May, 1978 upto 31-10-1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19012/717/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri P. S. Kapilashwar, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and adhoc basis with effect from the forenoon of 18th May, 1978 upto 31-10-1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19012/720/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri R. S. Patil, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of Pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and adhoc basis with effect from the forenoon of 18th May, 1978 upto 31-10-1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 17th June, 1978

No. A-32014/1/77-Adm. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Officers presently officiating on *ad-hoc* basis as Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a regular basis in the same grade in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the dates shown against each:

Sl. No.	Name of Officer	Date of regular appointment.
1	2	3
1.	Shri Gautam Nag Chowdhary	30-7-1977 (F.N.)
2.	Shri Yoginder Pal Mittal	29-10-1977 (F.N.)
3.	Shri S. K. Roy Chowdhary	11-8-1977 (F.N.)
4.	Shri R. Rajasekharan Menon	12-8-1977 (F.N.)
5.	Shri Rama Nand Dua	10-8-1977 (F.N.)
6.	Shri Ravinder Singh	12-8-1977 (F.N.)
7.	Shri B. N. Thawani	3-6-1977 (F.N.)
8.	Shri K. L. B. Jivnani	3-6-1977 (F.N.)
9.	Shri P. K. Shukla	3-6-1977 (F.N.)
10.	Shri J. P. Sharma	3-6-1977 (F.N.)
11.	Shri P. S. Tahiliani	3-6-1977 (F.N.)

1	2	3
12.	Shri K. S. Rangaswamy	3-6-1977 (F.N.)
13.	Shri G. V. N. Iyer	21-7-1977 (F.N.)
14.	Shri R. T. Bhagatani	1-9-1977 (F.N.)

2. The above mentioned Officers will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer, for a period of two years with effect from the dates shown against each.

No. A-19012/709/78-ADM-V: Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of six months with effect from the dates indicated against officer. They assumed charge of the posts in offices mentioned against their names:—

S. No.	Name of officer with designation.	Date of promotion	Name of office where posted.
1.	Shri J. K. S. Prakasa Rao Supervisor	28-4-78	Drought Area Sub- (F.N.) Division, CWC Jodhpur.
2.	Shri T. D. Thomas Kutty Supervisor.	27-5-78	Gates Design II Dtc, (F.N.) New Delhi.

The 19th June 1978

No. A-32012/2/70-Adm. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri P. B. Das, Senior Research Assistant, presently officiating as Assistant Research Officer (Physics) on ad-hoc basis in the Central Water and Power Research Station, Pune, on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. the forenoon of 19th May, 1978, until further orders.

Shri Das will be on probation to the post of Assistant Research Officer (Physics) for a period of two years w.e.f. 19-5-1978.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

NORTHERN RAILWAY
Bikaner, the 16th June 1978

No. 26.—Shri V. Jerath, Asstt. Works Manager, Bikaner expired on 11-6-72.

R. SRINIVASAN
General Manager

FORM ITNS—

(1) Sri B. Ashok Kumar
No. 20-B/1 Sherfuddin Sahib St.
Choolaimedu, Madras-94.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Lakshminarayanan
No. 7 Sivaraman St.,
Madras-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 5896/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 55, Sundaramurthy Vinayagar Koil Street situated at Triplicane, Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras-5 (Doc. No. 540/77 on 31-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weather-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2264 Sft. (with building) situated at Door No. 55, Sundaramurthy Vinayagar Koil Street, Triplicane, Madras-6.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 15-6-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Freny Homi Kanga.

(Transferor)

(2) M/s. Ellora Construction Co.

(Transferee)

(3) 1. Lady Kusumben Kania & Ors.
 2. Dr. A. N. Nanavati
 3. Smt. C. B. Patel
 4. Sh. D. M. Shroff
 5. Sh. Chandulal A. Kothari & Ors.
 6. Godrej P. Joshi.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 29th May 1978

Ref. No. ARI/2092-8/Oct77.—Whereas, J. M. C. UPADHYAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S.I/245 of Malabar & Cumballa situated at Hill Divn. Ridge Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 20-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in the Registered Deed No. 2234/Bom/72 and registered on 20-10-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

M. C. UPADHYAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th June 1978

C.R. No. 62/13382/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old No. 58 and New No. 6,
 situated at B. V. K. Iyengar Road and Mallikarjunaswamy Temple Street, Bangalore
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 2119/77-78 on 27-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) P. R. Mallikarjuna Rao,
 S/o P. C. Ramalingam Setty,
 New No. 210 (Old No. 59),
 Sultanpet, Bangalore-2.
 Prop. Peperment Factory and Partner in M/s Krishna Provision Stores (in old Taragupet), Bangalore-2.

(Transferor)

(2) 1. T. N. Narayana Rao } Children of late
 2. T. N. Ramachandra Rao } Bhavasarakshtira Asta-
 3. T. N. Rajkumar } kar Narasoji Rao,
 Cloth Merchants Dodpet, Tiptur,
 Tumkur Dist.

(Transferee)

(3) The Andhra Handlooms Weavers Co-operative Society Ltd. Bangalore.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2119/77-78 dated 27-10-77)
 Property bearing No. 58, and New No. 6, B.V.K. Iyengar Road and Mallikarjunaswamy Temple Street, Bangalore.

BOUNDRIES

E : B. V. Pandit Sadaidyashala vacant site, chickpet, Bangalore.
 W : Corporation Lane
 N : Puttusa's House and
 S : Mallikarjunaswamy Temple Street.

J. S. RAO
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBUR, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 22nd February 1978

No. IAC/ACQ/58/77-78.—Whereas I, H. C. SHRIVAS-
TAVA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing number.

A portion of Eastern Side 9693 Sqr. ft. of Plot No. 25/2,
Sheet No. 12, at Nandura situated at Nandura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Nandura on 26-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

(1) 1. Shri Laxminarayan Chatarbhuj Kalantri,
At Undri, Distt. Buldhana.
2. Shri Kisanlal Maniklal Rathi,
3. Smt. Surajdavi Kisanlal Rathi,
4. Smt. Pushpabai Brijmohan Rathi,
5. Smt. Kashibai Maniklal Rathi,
All C/o M/s. Brijmohan Kisanlal Rathi,
Nandura, Distt. Buldhana.

(Transferor)

(2) M/s. H. R. & Brothers,
Through partner
Shri Harakchand Laxminarayan Rathi,
C/o Shyam Talkies, Khamgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of Eastern side 9693 Sqr. ft. of Plot No. 25/2,
Sheet No. 12, at Nandura.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 22-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bajranglal Rachhpalji Rungtha,
At Durg (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 10th March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/59/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRI-VASTAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land area 43280 Sq. ft. Mauja Wardha, Mauja No. 255, Halka No. 38, at Wardha situated at Wardha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wardha on 1-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Pradeep Trust
C/o Trustee,
Shri Ravindrakumar Satyanarayan Bajaj,
At Wardha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land area 43280 Sq. ft. Mauja Wardha, Mauja No. 255, Halka No. 38, at Wardha.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10th March 1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P.254/BTI/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Radha Ram s/o Shri Chhanga Ram, R/o Maur Mandi, Teh. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar, Shri Prem Kumar S/o Shri Raghubar Dial, R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop bearing No. 5251 in Sadar Bazar, Bhatinda as mentioned in sale deed No. 3810 of October, 1977 registered with the S.R. Bhatinda.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 22-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th May 1978

Ref. No. ASR/14/78-79/—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Plot No. 8 situated at Rani Ka Bagha Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Shri Gopal Singh Smt. Amarjit Kaur w/o Shri Subhrajbir Singh R/o Kathu Nangal, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Parkash Singh S/o Shri Lachman Singh R/o Gali Lajpat Rai I/S Rathi Gate, Amritsar 1/2 share, Smt. Inderjit Kaur D/o Shri Bhan Singh R/o Village Udhoo Nangal, Teh. Amritsar and Smt. Savitri Devi d/o Shri Dina Nath R/o Gali Sita Ram I/S Hathi Gate, Amritsar 1/2 share. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of plot No. 8 Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 2368 of October, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th May 1978

Ref. No. ASR/15/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Land situated at Rakhi Khita
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Teh. Amritsar in October 1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (1) S/Shri Narinder Jit Singh and Mohinder Pal Singh
S/o Shri Jaswant Singh,
Rakh Jhita, Tehsil and Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Dalip Singh Didsa s/o Shri Ujjagar Singh
Batala Road, Teh. and Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) Asat S. No. 2 above and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 K 6 M situated in Rakh
Jhita as mentioned in the regd. deed No. 3703 of October,
1977 of Registering Authority Amritsar Tehsil.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 27-5-1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th June 1978

Ref. No. ASR/17/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 1005/X-5 situated at R.B. Sain Dass Road, Dhab Khatikan Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Smt. Sudershan Rani Chopra
W/o Kishan Kumar Chopra
Gole Bagh, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Ramesh Bhalla
W/o Shri Tilak Raj
H. No. 1005/X-5, R.B. Sain Dass Road,
Dhab Khatikan, Amritsar.
(Transferee)
- (3) Asat S. No. 2 above and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10005/X-5, R.B. Sain Dass Road, Dhab Khatikan Amritsar mentioned in the Regd. deed No. 2343 of October, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mst. Wazir Begum
W/o Shri Mohd. Ismail Khan
R/o 15 Timarpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prithi Singh
S/o Shri Subedar Gabdo Singh
R/o 715/10 Chandni Mahal, Jammasjid,
Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-110001, the 17th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1310/78-79/—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25/74 situated at Shakti Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 29-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—14 6GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 200 sq. yds. bearing Plot No. 74 Block 25 (25/74) situated at Shakti Nagar, Delhi and bounded as under :—

North : Main Road
South : Service Lane
East : Plot No. 25/75
West : Plot No. 25/73 and constructed building.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
 NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-110001, the 19th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/187/77-78/1168.—Whereas, I, J. S. GILL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-389, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Hansiya Devi wd./o Shri Jagannath
 2. Smt. Rama Devi wd./o of Shri Shee Chand
 3. Shri Mange Ram
 4. Shri Siri Bhagwan
 5. Shri Lala Ram
 Sons of late Shri Shee Chand
 R/o 619, Village Chiragh Delhi,
 New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Raj Kumari Moran alias Moran Devi Vig
 Wife of Shri Ram Chand s/o Seth Nand Kishore
 R/o W-124, Greater Kailash-II,
 New Delhi-110048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. 389 in Block 'S' measuring 300 sq. yds. in the Residential Colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-110048, within the limits of Delhi Municipal Corporation in the Revenue Estate of Village Bahapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
 West : S. Lane
 North : House No. S-387
 South : House No. S-391

J. S. GILL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Date : 19-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. Bhattacharyya
 S/o Shri (Late) B. K. Bhattacharyya
 R/o P-181, C.I.T. Manaktola Scheme MVI,
 Calcutta-54 Presently at E-885, Chittaranjan Park,
 New Delhi-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil Kumar Rastogi
 S/o Shri S. R. Rastogi
 R/o A-71, Gulmohar Park,
 New Delhi-49.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
 NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 19th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/33/77-78/1169.—Whereas, I,
 J. S. GILL
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.
 S-60, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on 27-10-1977
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot bearing No. 60 in Block 'S' measuring 300 sq. yds., situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-48, in the revenue records of Village Bahapur, Union Territory of Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation, Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
 West : Road
 North : Plot No. S/58
 South : Plot No. S/62

J. S. GILL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Date : 19-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ravi Mohan s/o Chanan Lal Diwan
Through Anand Kumari Attorney (Mother)
R/o D-68, Anand Niketan,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 19th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/176/Oct.II(23)/77-78/1172.—Whereas, I, J. S. GILL

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 63 situated at Bhagat Singh Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) 1. Shri Ajit Kumar Dutta s/o Late Durga Dutta
2. Shri Bibekananda Dutta
S/o Shri Sudhir Kumar Dutta
R/o 19, Bhagat Singh Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 63 measuring 772 sq. ft. in Bhagat Singh Market, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 19-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Chimanlal Kanjibhai Sheth;
Botad (Dist. Bhavnagar).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Udyaratna Coop. Housing Society Ltd.,
Through;
Chairman : Shri Pankajkumar Mohanlal Patel,
3-B, Highland Park Society, Ambawadi,
Ahmedabad-15.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th April 1978

Ref. No. P.R. No. 657 Acq. 23-I/1399/(657)/1-1/77-78.—
Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 90-A-1 Paiki Plot No. 90-A-1-E
situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 6-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 419-74 sq. yard at Paldi—
T.P.S. No. 22—Final Plot No. 90A-1 paiki Plot No. 90-A-1-E
registered with the registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 6552 dated 6-10-1977.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 26th April, 1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th May 1978

Ref. No. P.R. No. 587 Acq.23-1057/19-7/77-78.—
 Whereas, I, S. C. PARIKH
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason
 to believe that the immovable property, having a fair market
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 S. No. 360 of Katargam; situated at Varachha Road, Ganesh
 Colony, Surat
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908), in the office of the Registering Officer at
 Surat in October, 1977
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as fore-
 said exceeds the apparent consideration therefore by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with
 the object of :—

(1) Shri Chhotubhai Govindji Patel;
 Moti Raghavji Compound,
 Unapani Road, Lal Darwaja,
 Surat.
 (Transferor)

(2) Shri Ambabhai Ishverbhai Patel;
 4—Ganesh Colony, Varachha Road,
 Surat.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building being Sur. No. 360 of Katargam, situated at 4-Ganesh Colony, Varachha Road, Surat admeasuring 75 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 2814 in the month of October, 1977, by Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 15th May, 1978
 Seal :

FORM ITNS

(1) Dhangauriben Mohanlal Bhagat,
Lal Darwaja, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th June 1978

Ref. No. P.R. No. 588 Acq. 23-997/19-7/77-78.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 7, Nondh No. 2847 situated at Kadia Sheri, Saiyedpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) (i) Shri Shambhubhai Mohanbhai;
(ii) Shri Chhaganlal Mohanbhai;
(iii) Shri Vithaldas Mohanbhai;
(iv) Shri Vasantlal Bhikhbhai;
Ward No. 7, Nondh No. 2847,
Kadia Sheri, Saiyedpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A 3 storeyed building standing on land admeasuring 93-5 sq. yds. bearing Ward No. 7, Nondh No. 2847, situated at Kadia Sheri, Saiyedpura, Surat and as fully described in sale-deed No. 2573 dated 17-10-77 registered by Sub-Registrar, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16th June 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Leela Sudharshanam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mary Joseph.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
 MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
 COCHIN-682016

Cochin-682016, the 27th April 1978

Ref. No. I.C. 185/78-79.—Whereas, I, C. P. A. Vasudevan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

As per schedule situated at Cochin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 11-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

15 Cents of land with buildings in Sy. No. 900/2-A-3 in Fort Cochin.

C. P. A. VASUDEVAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 27-4-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhavi Amma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 17th May 1978

Ref. No. L.C. 186/78-79.—Whereas, I, C. P. A. Vasudevan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

As per schedule situated at Guruvayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 25-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

10 cents of land with buildings in Sy. No. 94/13 in Guruvayoor Village.

C. P. A. VASUDEVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

16-146GI/78

Date : 17-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 17th May 1978

Ref No. L.C.187/78-79.—Whereas, I, C. P. A. Vasudevan being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

As per schedule situated at Quilon Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 1-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Krishnaswamy Naidu.
(Amendment made vide their letter No. L.C. 187/78-79 dated 31-5-78 D. No. 2962 dated 6-6-78).
(Transferor)

(2) C. Raghunatha Pillai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/8 cents (86 Sq. meter) of land with buildings in Sy. No. 8700A of Quilon village.

C. P. A. VASUDEVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) H. N. Kamath.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Parana Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 17th May 1978

Ref. No. L.C. 188/78-79.—Whereas, I, C. P. A. Vasudevan being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Mattancherry village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 13-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

18 cents 375 Sq links of land with buildings in sq. No. 500 in Mattancherry village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. P. A. VASUDEVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Kulangara Industrials (Private) Limited,
N. Parur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Paily and 5 others,
Elavumkudy, Cheranalloor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM

Ernakulam, the 12th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. L.C. 191/1978.—Whereas, I, P. O. GEORGE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Cheranalloor Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 7-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

64 acres 44 cents 975 sq. links of rubber plantation in Cheranalloor village Sq. Nos. 95, 96, 131 etc—vide schedule to document No. 2541/77.

P. O. GEORGE,
Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. G. Krishna Warrier.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rev. Sr. Elsius S. D. for Kanyakalayam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016
Cochin-682016, the 12th June 1978

Ref. No. L.C. 192/78.—Whereas, I, P. O. GEORGE, MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Madathuvilakom village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pattom on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

32 cents of land in survey No. 209 of Madathuvilakom village vide schedule to document No. 2593/77.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Lekshmykutty Varasiar and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) George.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. L.C. 194/78.—Whereas, I, P.O. GEORGE SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Ernakulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of, the Registering Officer at Ernakulam on 1-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

7.510 cents of land in Ernakulam village Survey No. 865/4 vide schedule to document No. 2459/77.

P. O. GEORGE

(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Lckshmykutty Varadiar and others.

(Transferor)

(2) Chinnamma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
Cochin-682016, the 12th June 1978

Ref. No. L.C. 195/78.—Whereas, I, P. O. GEORGE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Eranakulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eranakulam on 1-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

7.443 cents of land in Eranakulam village Sy. No. 865/4 vide schedule to document No. 2460/77.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Eruakulam.

Date : 12-6-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Lakshmikutty Varasiar & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Poulose.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. L.C. 196/78.—Whereas, I, P.O. GEORGE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy No. as per schedule situated at Ernakulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 1-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

5.306 cents of land in Ernakulam village Sy. No. 865/4
vide document No. 2461/77.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Rudra Varier and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Jose.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
 COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th June 1978

Ref. No. L.C. 197/78.—Whereas, I, P.O. GEORGE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 1-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

5.801 cents of land in Ernakulam village Survey No. 865/4 vide schedule to doc. No. 2462/77 dated 1-10-1977.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. O. GEORGE
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 17—146GI/78

Date : 12-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Radha Varasiar and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
ACQUISITION RANGE,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th June 1978

Ref. No. L.C.198/78.—Whereas, I, P.O. GEORGE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at Ernakulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 1-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Radha Varasiar and others.

(Transferor)

(2) Kunju Vareed.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.459 cents of land of Ernakulam village Sy. No. 865/4
vide schedule to document No. 2463/77 dated 1-10-1977.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 12-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016
Cochin-682016, the 14th June 1978

Ref. No. LC 199/78.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

As per schedule situated at Ollur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ollukkara on 12-10-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) A. P. Augustin, Chelakkattukara, Desom, Chirayam village, Trichur.
(Transferor)

(2) C. G. Koshy, Ollur village, Anchery Desom, Nehru Nagar, Trichur.
(Transferee)

(3) M/s. Steel Industries (Ltd), Ollur.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

27 cents of land with building in Sy. No. 391/1 at Ollur village Trichur Taluk Trichur District. (More fully described in schedule to document No. 2377/77).

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 14-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sukomal Burman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyamal Mitra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1978

Ref. No. AC-11/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20B, situated at Station Road, Calcutta-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 4 chittaks together with partly two storied and partly three storied building theron situated at 20B, Station Road, P. S. Kasba Sadar, Calcutta-31 as per deed no. 4761 of 1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chittaranjan Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gyan Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th June 1978

Ref. No. AC-13/Acq/R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I P. P. SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Sevok Road, Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 17-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 1.37 Acres together with godown, structures, machineries etc. known as "The Siliguri Timber Saw Mills and Industries" situated at Sevok Road, P.O. Ektiasal Dist. Jalpaiguri, more particularly as per deed No. 7675 dated 17-10-77.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 7-6-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 20th June 1978

Ref. No. 405/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I Kishore Sen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10B situated at Manindra Nath Mitra Row, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Ajit Kumar Banerjee, Amal Kr. Banerjee, Amiya Kr. Banerjee, Sm. Mrimoyee Banerjee, Sm. Suchitra Banerjee, Indrani Banerjee & Rabindra Kr. Banerjee, 206A, Shyama Prosad Mukherjee Road, Calcutta-26.

(Transferor)

(2) Jaydip Chakraborty (minor represented by father & natural guardian Sri Sudhanshu Sekhar Chakraborty 8, Keyatola Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land admeasuring 5 cottahs more or less together with single storied semi-permanent structures erected thereon at premises no. 10B, Manindra Nath Mitra Row, Calcutta, more particularly as per deed No. 1-4821 of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed
Kidwai Road (3rd floor) Calcutta-16.

Date : 20-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th January 1978

Ref. No. Acq/833/Agra/77-78/7249.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Agra on 18-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kumari Desi E. Philipsh d/o late Dr. Henari Philipsh, Smt. Leela Philipsh widow Walter Philipsh, Henari Victor Philipsh s/o late Walter Philipsh, Christopher Philipsh s/o Walter Philipsh, all residents of 75, Civil Lines, M. G. Road, Agra and Smt. Reeta Soleman w/o Prem Kumar Soleman d/o Walter Philipsh, r/o Oliyarsh Hostel, Hathuwa Market, Bakharganj, Patna, present address : 75, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Pushkin Mehrotra minor son of Dr. M. P. Mehrotra father & natural guardian, r/o Wazirpura, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house bearing No. 9/1 (6/1 as per form No. 37-G) Galibpura, M.G. Road, Nai ki Mandi, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 85,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-1-78.

Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpa Kohli w/o Dr. Jai Deo Kohli, Approach Road, Mahanagar, Lucknow, Present address : Civil Lines, Jhansi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Govind Agrawal s/o Shri Hazari Lal r/o Jhokan Bagh, Civil Lines, Jhansi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th January 1978

Ref. No. ACQ/802/Jhansi/77-78.—Whereas I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE,
situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 3-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing No. 1078 situated at Civil Lines, Jhansi transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th Jan. 1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bishan Dei widow Sri Gopal Narain
R/o Vill. Jawan, P.O. Jahangeerpur,
Parg. Jewar, Teh. Khurja, Distt. Bulandshahar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) Shri Ram Dayal S/o Bhagwan Sahai and
Smt. Soma Devi w/o Khichchu Singh
R/o Dayanatpur Vill. Jawan and Shyora
Om Pal and Pratap, sons of Misri Lal
R/o Jawan, P.O. Jahangeerpur, Parg. Jewar,
Teh. Khurja, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/1468-A/B, SHAHAR/77-78/8071.—Whereas
I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Khurja on 17-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 Bigha 3 Biswa situated at
vill. Jawan, Parg. Jewar, Teh. Khurja, Distt. Bulandshahar
transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10.3.78

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—
18-146GI/78

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shanti Swaroop Saxena s/o Chotey Lal R/o Pilibhit, present R/o Station Road, Pilibhit and Bishwanath Saran Singh Bisen s/o Bankey Singh R/o Pilibhit R/o 2, A. Jeep Ling Road Old, 4, Lajpatrai Marg New, Lucknow.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) Shri Ram Kishan Agrawal s/o Lala Banarasidas R/o 34, Ramanuj Dayal, Parg. Loni Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/1520-A/G. Bad/77-78/8072.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 5-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No 19, measuring 200 Sq. Yds. situated at Navyug Market Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 67,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 10-3-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1978

Ref. No. Acq/1410-A/M. Nagar/77-78/205.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 6-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Om Prakash Chopra s/o Gajjumal, Laxmi Narain Chopra s/o Om Prakash R/o Laxmi Ice Factory, Muzaffarnagar. (Transferor)

(2) Shri Ramji Das Kapoor s/o Sultanimal Kapoor, Manohar Lal Kapoor, Dharampal Kapoor and Raj Kumar Kapoor sons of Ramjidas Kapoor R/o Gill Colony, Saharanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 890 Sq. Yds. situated over Roorkee Road, Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 49,500/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-4-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chandra Bhan son of Mukhidata Ram
30/5, Gandhi Colony,
Muzaffarnagar.
(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Singh Kashyap son of Amar Singh
Brahmpuri, Muzaffarnagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1978

Ref. No. Acq/1312-A/M. Nagar/77-78/184.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 14-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of open plot measuring 1384 1/4 Sq. Yds. situated at Brahmpuri, Distt. Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 5,774/34.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th April 1978

Ref. No. Acq/1531-Δ/Kanpur/77-78/377.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 24-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Lal son of Gopi Chand
106/117, Gandhi Nagar,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Hassanand son of Dhalan Das and
Adopted son of Ltc Narain Das
105/510, Anandbagh,
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house property bearing No. 647, Block-W, Juhu South, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-4-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th June 1978

Ref. No. Acq. File No. 668.—Whereas, I N. K. Nagarajan Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/191 situated at K.N.F. Road, Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Kalidindi Venkatanarasamma
2. Shri Datla Annapoorna,
3. Smt. Penumatsa Vijayalaxmi
G.P. Holder Sri K. Sivarama Raju.
4. Shri Kalidindi Sivarama Raju,
House Surgeon, Kakinada.

(Transferors)

(2) Shri Alluru Venkatapathi Raju,
S/o Venkata Ramaraju, College Road,
Amalapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4297/77, registered before the Sub-registrar, Amalapuram, during the F.N. ended on 31-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-6-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Kalidindi Siva Rama Raju,
S/o Late Sri Satyanarayana Raju,
House Surgeon, Kakinada.

(Transferor)

(2) Shrimati Alluru Laxminarasayamma,
W/o Venkatapathi Raju,
College Road, Amalapuram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th June 1978

Ref. No. Acq. File No. 669.—Whereas, I N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/191 situated at K.N.F. Road Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 4238/77, registered before the Sub Registrar, Amalapuram, during the F.N. ended on 15-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nallapaneni Koteswara Rao,
S/o Rasaiah,
Gorlavaripalem, Via : Palakaluru,
Guntur Dist. (A.P.).

(Transferor)

(2) Shri Pamulapati Sivaiah,
Nayudupeta, Koritapadu Road,
Guntur, A.P.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. File No. 670.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 515, situated at Koritapadu Road, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The schedule property as per Registered Document No. 4899/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fort-night ended 15-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 13-6-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada-4, the 13th June 1978

Ref. No. Acq. File No. 671.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 515 situated at Koritapadu Road, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

19-146GI/78

(1) Shri Nallapaneni Sambasiva Rao,
S/o Mallikarjuna Rao,
Gorlavariipalem,
Via : Palakaluru, Guntur Tq.

(Transferor)

(2) Shri Pamulapati Sivaiah,
Nayudupeta, Koritapadu Road,
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 4924/77 registered before the Sub Registrar, Guntur during the fortnight ended 15-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 13-6-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada-4, the 13th June 1978

Ref. No. Acq. File No. 672.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 13-2-2 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Guntur in October, 77
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11
of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

(1) (1) S/Shri Shaik Mohd. Ismail, (2) Ram Mughisa,
(3) Shafi Ullah, (4) Samiullah, (5) Kowsar, (6)
Mariyambi, (7) Fathimunnisa, 6 & 7 M/G Grand
Father Shaik Mohd. Ismail Guntur Vari thota,
Guntur.

(Transferors)

(2) Shrimati Sakala Sujatha,
W/o Jeevan Mukteswara Rao,
C/o Bharat Engg. Co.,
Station Road, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No.
4906/77 registered before the Sub Registrar, Guntur during
the fort-night ended on 15-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) S. M. Ismail, (2) Rahimunnisa, (3) Shafimulla, (4) Samiullah, (5) Kowsar, (6) Mariyambi, (7) Fatimunnisa, M/G Grand Father Shaik Mohd. Ismail, Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. Sakala Sujatha, W/o Jeevanmukteswara Rao, Guntur.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada-4, the 13th June 1978

Ref. No. Acq. File : 673.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13-2-2, situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Guntur in October, 77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 4906/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended 15-10-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 13-6-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th June 1978

Ref. No. Acq. File : 674—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-77-27, situated at Pulabhavi St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in October, 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. The Krishna District Product Marketing Board Rice Depot, represented by its Managing Partners :
(1) Sri Nookala Subbarao,
(2) Sri Gaddam Subbarao,
Pulabhavi St., Vijayawada-1.

(Transferees)

(2) (1) Borrà Sivarama Krishnaiah,
(2) B. Venkateswara Rao,
(3) B. Madhusudhana Rao,
Venkatapalem,
Guntur Dist.
Minor by guardian father, Sri B. Siva Rama Krishnaiah.

(Transferee)

(3) (1) S. R. M. T. Ltd.
(2) Sri K. N. V. L. Narasimha Rao,
(3) A. Anjaneyulu
(4) K. S. Babu
(5) K. Ranga Ratnam
(6) V. V. Raghavaswamy
(7) G. Venkateswarlu
C/o M/s. The Krishna District Product Marketing Board Rice Depot,
Pulabhavi vari St., Vijayawada-1.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per the Registered Document No. 3114/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 31-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-6-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th June 1978

Ref. No. Acq. File : 675.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Njl. situated at Venkateswaram Kalamandiram Parvatipuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Parvatipuram on 24-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Kotikalapudi Venkateswara Rao,
S/o Purushottam,
(2) Smt. Sanam Pallayamma, W/o Padma Bandhu
Main Road, Palacole, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Shri Perla Krishnarao,
Shri Venkata Ramana Murthy,
P. Srinivasa Rao,
P. Seethapati,
Partners of M/s. Srinivasa Lodging House,
Srikakulam.

(Transferee)

(3) Shri Maturi Narayana Rao, S/o Ramarao,
C/o Sri Rama Krishna Theatres,
Srikakulam.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per Registered Document No. 1532/77 registered before the Sub Registrar, Parvatipuram during the fortnight ended on 31-10-1977.
(including machinery)

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-6-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th June 1978

Ref. No. Acq. File No. 676.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/97 situated at Yelamanchili

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Yelamanchili on 15-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Appala Ramarao
S/o Pancha Mukteswara Rao,
Basic Health Worker,
Primary Health Centre, Payakaraopet,
Yelamchili Tq., Vizag Dist.

(Transferor)

(2) (1) Sri Nemala Ramam, S/o Appalaswamy,
(2) Smt. N. Varahalamma, W/o Ramam,
C/o Prasad Cloth stores,
Main Road, Velamanchili,
Vizag Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per Registered Document No. 3770/77 registered before the Sub Registrar, Yelamanchili during the fortnight ended on 15-10-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-6-78.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 15th June 1978

Ref. No. Acq. File No. 677.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rubber Factory, situated at Mangalagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalagiri on 24-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Reno Rubber Industries, Mangalagiri
(Head Qrs : Vijayawada)
Represented by its partners
1. Sri A. Ramachandra Rao,
2. Sri G. Radha Krishna Murthy,
3. A. Janardhana Rao,
4. Y. Narayana Rao,
5. Smt. J. Jhansi Laxmi,
6. N. Pratapkumar,
C/o Nava Bharat Agri. and Commercial Corp.,
Prakasam Road, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) M/s Vijaya Rubber Reclaim Co. (P) Ltd.
Represented by its Directors
Sri Maganti Suryanarayana and
Sri M. Subrahmanyam
Rajagopalachari St., Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Schedule property as per Registered Document No. 1885/77 registered before the Sub Registrar, Mangalagiri during the fortnight ended 31-10-1977. (Including machinery).

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-6-1978

Soc2 .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Vanapalli Kanakaraju,
 2. V. Ramakrishna,
 3. V. Vasudevadasar,
 4. V. Venkataramaraju,
 } Minor by guardian
 father
 Trimurthinagar, 11 Subbaraimudali Street,
 Nangambakkam, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1978

Ref. No. Acq. F. No. 678.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/258, situated at Suryaraopet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Late Chiluvuri Narayana,
 Kutumbarao Street,
 Vijayawada-1.
 1. L/R Sri Ch. Naga Durga Prasad
 2. Ch. Rawamma,
 3. Ch. Suresh M/G Mother Ch. Ravamma.
 } Transferee

(3) 1. Jupiter Medical Stores,
 2. Sagar Wines,
 3. Udupi Srikrishna Lodging,
 Ramachandraraao, Road,
 Suryaraopet, Vijayawada-2.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2875/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Silar Bibee Saheba, W/o Abdul Rehman,
Tarapeta, Vijayawada-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Kapu Venkataramarao,
2. Shri K. Venkata Subbarao,
S/o Nageswararao,
Ravicherla, Nuzvid Tq., Krishna Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1978

Ref. No. Acq. F. No. 679.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 111, situated at Vadlamani Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 26-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

20-146GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3914/77 registered before the Sub-registrar, Nuzvid during the fortnight ended on 31-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Sri Bandaru Venkata Krishna Somayajulu, S/o
Ganapati Venkata Ramasastry, Palakol,
Narsapur Tq.

(Transferor)

(2) Shri Bandaru Venkata Subba Rajyalaxmi, W/o
Ganapathi Venkata Ramasastry,
Penumadam, W.G. Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1978

Ref. No. Acq. F. No. 680.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 719/1, situated at Penumadam Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol on 29-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2588/77 registered before the sub-Registrar, Palakol during the fortnight ended on 31-10-1977.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1978
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1978

Ref. No. Acq. F. No. 681.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value RS No. 48, situated at Vijayarai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Eluru on 13-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

S/Shri

- (1) 1. Ummethala Parthasaradhi, S/o Ramarao,
2. U. Venkata Ramanarao,
3. U. Krishnarao, M/G. father U. Pardhasaradhi,
4. U. Madhavarao, S/o Ramarao,
5. U. Venkata Ramanamma. W/o Ramarao.
6. T. Bharatidevi, W/o Venkatalaxmi Narasimha-
rao, G.P. Holder Sri Pardhasaradhi,
Bhimavaram, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Sri Ghanta Kishan, S/o Krishnarao, Minor by
guardian mother Smt. G. Arunkumari, Vijayarai,
Eluru Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3488/77 registered before the Sub-registrar, Eluru during the fortnight ended on 15-10-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE.
KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1978

Ref. No. Acq. F. No. 682.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 48, situated at Vijayarai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 13-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

S/Shri

(1) 1. Ummethala Parthasaradhi, S/o Ramarao,
2. U. Venkata Ramanarao,
3. U. Krishnarao, M/G. father U. Pardhasaradhi,
4. U. Madhavarao, S/o Ramarao,
5. U. Venkata Ramanamma, W/o Ramarao,
6. T. Bharatidevi, W/o Venkatalaxmi Narasimha-
rao, G.P. Holder Sri Pardhasaradhi,
Bhimavaram, W.G. Dist.

(Transferee)

(2) Sri Ghanta Kiran, Minor by guardian mother
G. Avunakumari, W/o Krishnarao, Vijayarai,
Eluru Tq.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3489/77 registered before the Sub-registrar, Eluru during the fortnight ended on 15-10-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1978

Ref. No. Acq. F. No. 683.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 48, situated at Vijayarai, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Eluru on 13-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

(1) 1. Ummethala Parthasaradhi, S/o Ramarao,
2. U. Venkata Ramanarao,
3. U. Krishnarao, M/G. father U. Pardhasaradhi,
4. U. Madhavarao, S/o Ramarao,
5. U. Venkata Ramanamma, W/o Ramarao,
6. T. Bhacatidevi, W/o Venkatalaxmi Narasimha-
rao, G.P. Holder Sri U. Pardhasaradhi,
Bhimavaram, W.G. Dist.

(Transferors)

(2) Sri Ghanta Kalyan, S/o Krishnarao, Minor by
guardian mother Smt. G. Arunakumari, Vijayarai,
Eluru Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3490/77 registered before the Sub-registrar, Eluru during the fortnight ended on 15-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1978

Ref. No. Acq. F. No. 684.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 48, situated at Vijayarai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 13-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Ummethala Parthasaradhi, S/o Ramarao,
2. U. Venkata Ramanarao,
3. U. Krishnarao, M/G. father U. Pardhasaradhi,
4. U. Madhavarao, S/o Ramarao,
5. U. Venkata Ramanamma, W/o Ramarao,
6. T. Bharatidevi, W/o Venkatalaxmi Narasimharao, G.P. Holder Sri Pardhasaradhi, Bhimavaram, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Shri Kavaru Laxmi Narasimharao, S/o Neelachalam, Vijayarai, Eluru Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3491/77 registered before the Sub-registrar, Eluru during the fortnight ended on 13-10-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-6-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1978

Ref. No. Acq. File No. 685.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Sugar Factory bearing No. RS No. 617, situated at Chikkala Near Rajamundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nidadavole in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bhanu Sugars, Tadepalligudem, Represented by its 19 partners
 - 1. Sri Kovvuri Ramakrishna Reddy;
 - 2. Sri Kothapalli Satyanarayana Prasad;
 - 3. Sri Kothapalli Ramakrishna Prasad;
 - 4. Sri Kothapalli Parthasarathi Prasad;
 - 5. Sri Kovvuri Gandhi;
 - 6. Sri Bobba Krishna Murthy;
 - 7. Smt. Mallidi Prabhavathi;
 - 8. Smt. Nallamilli Rama Tulasi;
 - 9. Sri Nallamilli Sri Ramareddy;
 - 10. Sri Chakka Venkata Rama Ramana Murthy;
 - 11. Sri Jonnala Venkata Reddy;
 - 12. Sri/Smt. Jonnala Venkata Ramana;
 - 13. Shri Jormala Natasimha Rao;
 - 14. Sri Karri Satyanarayana Reddy;
 - 15. Smt. Dwarampudi Rajyalakshmi;
 - 16. Smt. Chimalapati Ganga Ratnam;
 - 17. Smt. Koganti Sarla Devi;
 - 18. Sri Vyta Rama Govindarao;
 - 19. Sri Goluguri Subbireddy.

(Transferors)

- (2) Sree Santi Sugars (P) Ltd. Nidadavole Represented by its Directors S/Shri (1) N. Satyanarayana, (2) B. Buli Venkaiah, (3) J. Rama-Chandra Rao, (4) P. Ramachandra Prasad, (5) A. Subbarao, (6) K. Muralinadha Rao, (7) T. Veera Raghavulu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per Registered Document No. 2281/77 registered before the Sub Registrar, Nidadavole during the fortnight ended 15-10-1977. Including Machinery).

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Rajiv Kumar and Smt. Komal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th March 1978

Ref. No. GIR No. 37-V/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One storeyed house including shop situated at Bazar Khub Chand (Bara Bazar), Chandausi, Teh. Bilari, Dist. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilari, Moradabad on 6-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Rajiv Kumar and Smt. Komal.
(Transferor)

(2) Kumari Vipin Kumar Agarwal.
(Transferee)

(3) Vendee (As per 37G).
(Person in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed house including shop situate at Bazar Khub Chand (Bara Bazar), Kasba Chandausi, Teh. Bilari, Dist. Moradabad. Total area 694.40 Sqmts. and all that which is mentioned Form 37G of No. 1531 and in the sale deed registered at the office of Sub Registrar, Bilari, Moradabad on 6-10-77.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-3-1978

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION
NOVEMBER, 1978

New Delhi, the 8th July 1978

No. F. 8/5/78-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 7th November, 1978 for admission to the under mentioned courses:—

Name of the Course	Approximate No. of Vacancies
Indian Military Academy, Dehra Dun (67th Course commencing in January, 1979)	120
[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' commencing in July, 1978]	120
Naval Academy, Cochin (Course commencing in July 1979)	50
Officers' Training School Madras (30th Course commencing in October, 1979)	160

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination to reach the Commission's office by 30th June, 1979.

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admissions to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School, are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE: THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE "CANDIDATES' INFORMATION MANUAL" AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaïre and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School as the case may be subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) Age limits, sex and marital status:—

- (i) For I.M.A. and Naval Academy: Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1957 and not later than 1st July, 1960 are only eligible.
- (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd July, 1956 and not later than 1st July, 1960 are only eligible.

NOTE: Date of birth as recorded in Matriculation/Highest Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Education Qualifications—Degree of a recognised University or equivalent. Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Commission's office by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

- (i) For admission to I.M.A. & Naval Academy—on or before the 30th June, 1979.
- (ii) For admission to Officers' Training School—on or before 15th September, 1979.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE I: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

NOTE II: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from

Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

6. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination November, 1978 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service including those serving in the Armed Forces or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service including those serving in the Armed Forces, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department/Commanding Officer before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department/Commanding Officer with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi, as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE:—

- (i) From candidates in India 21st August, 1978.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 4th September, 1978.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates:—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or

his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee:—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate:—
 - (a) *Displaced person from erstwhile East Pakistan:*
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranaya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being be a resident

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) Repatriates from Sri Lanka:

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriate from Burma:

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing/has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing) examination.

9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (ii) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination May, 1978 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination November, 1978 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st March, 1979.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination,

he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. *RESULT OF APPLICATION*.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. *ADMISSION TO THE EXAMINATION*.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. *ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT*.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses
may in addition to, rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred, either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. *Original Certificates—Submission of*.—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualification etc. to the Commission soon after the declaration of the results of the written examination. The results of the written examination are likely to be declared in the month of January, 1979.

15. *COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS*.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

16. *CHANGE OF ADDRESS*.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG, 6(SP)(c)(ii) WEST BLOCK, 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

17. *ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION*.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests or if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6(SP)(c)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates who have to appear for any university examination should immediately after the announcement of the result of the written examination, intimate the dates of such examination to " " who may, if possible take this into the dates of interview.

18. *ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES*.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests.

Candidates who qualify in the written examination for IMA(D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in March/April, 1979 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1979.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests threat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from

Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY:—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY:—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy, candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy.

22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT
The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counters of the Publication Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT.

Copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations up to and including the CDS examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination, with effect from the Combined Defence Services Examination, May, 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. Copies of Rules for this examination can however, be had from the Commission's Office by post by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Orders payable to Secretary, UPSC at New Delhi General Post Office.

A. N. KOLHATKAR
Deputy Secretary

APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

- (a) Written examination as shown in para 2 below.
- (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3

Compulsory

1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

Optional:—Any one of the following:

Subject	Code No.	Time allowed	Maximum Marks
1	2	3	4
Physics	01	2 Hours	150
Chemistry	02	2 Hours	150
Mathematics	03	2 Hours	150
Botany	04	2 Hours	150
Zoology	05	2 Hours	150
Geology	06	2 Hours	150
Geography	07	2 Hours	150
English Literature	08	2 Hours	150
Indian History	09	2 Hours	150
General Economics	10	2 Hours	150
Political Science	11	2 Hours	150
Sociology	12	2 Hours	150
Psychology	13	2 Hours	150

(b) For Admission to Naval Academy:

Subject	Time allowed	Maximum marks
1	2	3

Compulsory

1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100

Optional

*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics	7	2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics	7	2 Hrs.	150

Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

(c) For Admission to Officers Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1	2	3
1. English	2 Hours	100
2. General knowledge	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 450, 450 and 200 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy and officers' Training School.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS

ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variable and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$

Values of sine x, cos x and tan x, for $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangles, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres. (Practical problems related to these topics will be set and if necessary, formulae will be given in the question paper).

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—Frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.**ELEMENTARY PHYSICS**

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and Mks units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of friction, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear propagation, Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, esidiascope, telescope. Microscope, binocular & periscope, Refraction through a prism, dispersion.

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism. Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law, P.D. Resistance; EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMFs. Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electro-plating. Electromagnetic Induction, Faraday's Laws. Basic AC & DC-generator.

PHYSICS (Code—01)**1. General properties of matter and mechanics**

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation. Simple harmonic motion, simple and compound pendulum. Elasticity; Surface tensions; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure, temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Van der Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometer; Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination; thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valve and their simple applications.

7. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom, Electrons, Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity, Artificial radioactivity, Isotopes, Elementary ideas of fission and fusion.

CHEMISTRY (Code—02)**1. Inorganic Chemistry**

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle. Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electron Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's theory of coordination compounds. Electronic configurations of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Lewis and Bronsted theories of acids and Bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction, isolation (and metallurgy) on important element.

Structures of hydrogen peroxide, diperene, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorous, chlorine and sulphur.

Inert gases; Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemistry analysis.

Outlines of the manufacture of Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

2. *Organic Chemistry :*

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds. Alcohols, Aldehydes, ketones, acids, halides, esters, ether, acid anhydrides, chlorides and amides. Monobasic hydroxy ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates: classification and general reaction. Glucose, fructose and sucrose.

Stereochemistry : Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives: Toluene, xylenes, phenols, halides, nitro and amino compounds. Benzoic, salicylic, cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo, azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution. Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. *Physical Chemistry :*

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities. Van der Waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases. Specific heats of gases. Ratio of C_p/C_v .

Thermodynamics. The first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic expansion. Enthalpy. Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation, solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchhoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy, Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions. Osmotic pressure. Lowering of vapour pressures, depression of freezing point, elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry : Faraday's laws of electrolysis; conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product; strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration; buffer action theory of indicators.

Reversible cells. Standard hydrogen and calomel Electrodes. Electrode and redox-potentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water. Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics. Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction, temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule : Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids : General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids. Coagulation. Protective action and gold number. Adsorption.

Catalysis Homogeneous and heterogeneous catalysis. Promoters. Poisoning.

Photochemistry. Laws of photochemistry. Simple numerical problems.

MATHEMATICS (Code—03)

1. *Algebra*

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moire's theorem for rational index and its simple applications.

2. *Matrices*

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. *Analytic Geometry**Analytic Geometry of two dimensions*

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytic Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinates only).

4. *Calculus and Differential Equation*

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic, trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, subtangent, subnormal, asymptotic curvature (Cartesian co-ordinates only). Envelope: Partial differentiation, Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. *Mechanics (Vector methods may be used)*

Statics—Conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, static and limiting friction, angle of friction. Equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics. Kinematics—Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse, work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular motion.

6. Statistics. Probability—Classical and statistical definitions of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distributions—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance, additive property, fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution: simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t, Chi² and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note :—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

BOTANY (Code—04)

1. *Survey of the plant Kingdom*.—Differences between animals and plants: Characteristics of living organism: unicellular and multicellular organism: Viruses: basis of the division of the plant kingdom.

2. *Morphology*.—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents: division and multiplication of cell.

(ii) *Multicellular plants*.—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants: external and internal morphology of vascular plants.

3. *Life history*.—Of at least one member of the following categories of plants:—Bacteria. Cyanophyceae, Chlorophyceae, Phaeophyceae Rhodophyceae, Phycomycetes Ascomycetes Basidiomycetes Liverworts. Mosses. Pteridophytes. Gymnosperms and Angiosperms.

4. *Taxonomy*.—Principles of classification, principal systems of classification of angiosperms: distinctive features and economic importance of the following families :—

Gramineae Scitamineae, Palmaceae, Liliaceae, Orchidaceae, Moraceae, Ioranthaceae, Magnoliaceae, Lauraceae, Cruciferae, Rosaceae, leguminosae, Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malvaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae; Dipterocarpaceae, Myrtaceae, Umbelliferae, Labiateae, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae, Verbenaceae and Compasitae.

5. *Plant Physiology*.—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction: plants-animal relation, symbiosis, parasitism enzymes, auxins, hormones photoperiodism.

6. *Plant Pathology*.—Cause and cure of plant diseases. Disease organisms. Viruses, deficiency disease; Disease resistance.

7. *Plant Ecology*.—The basic facts relating to ecology and plant geography with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. *General Biology*.—Cytology, genetics, plant breeding Mendelism, hybrid vigour. Mutation, evolution.

9. *Economic Botany*.—Economic uses of plants, especially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

10. *History of Botany*.—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

ZOOLOGY (Code—05)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure habits and life-history of the following non-chordate types :

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly mosquito scorpion freshwater mussel pond snail and starfish (external characters only).

Economic importance of insects, Bionomics and life-history of the following insects; termite locust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types.

Branchiostoma; Scolidion; frog; Uromastix or any other lizard (skeleton of Varanus) pigeon (Skeleton of towl); and rabbit; rat or squirrel.

Elementary knowledge of the history and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit. Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity, adaptation; recapitulation hypothesis; Mendelian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis alteration of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game birds.

GEOLOGY (Code—06)

1. General Geology :

Origin age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion; Soil types, their classification and soil groups of India; Physiographic sub-division of India. Vegetation and topography. Volcanoes, earthquakes, mountain diastrophism.

2. Structural Geology :

Common structures of ingeous, sedimentary and metamorphic rocks. Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy :

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of Crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology :

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology :

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. Stratigraphy :

Principles of Stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological record. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. Palaeontology :

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

GEOGRAPHY (Code—07)

(i) *Elementary Geomorphology*.—Origin of the solar system and the earth, landforms, land sculpture, elementary geology, rocks and soil formation.

(ii) *Chmatology*.—Climate and its elements, temperature pressure, humidity, wind system elementary knowledge of cyclones and anti-cyclones, precipitation types of rain.

(iii) *Oceanography*.—Distribution of land and water, movements of ocean-water, tides, currents, salinity, deposits, deserts ocean beds.

(iv) *Plant Geography*.—Types of vegetation, their relation to geographical environment, forests, grasslands, deserts, major natural regions.

(v) *Human Geography*.—Main in environment, races of mankind, man's activities and distribution of population.

(vi) *Economic Geography*.—Principal vegetable, animal and mineral products, their distribution and geographical background; principal industries and their localisation; international trade in raw material, food stuffs and manufactured goods.

(vii) *Regional Geography*.—India in detail and the U.S.A., the U.K., the U.S.S.R., China, Japan, South-East Asia, the Middle East, Sri Lanka, Burma and Pakistan in outline.

ENGLISH LITERATURE (Code—08)

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English literature upon the time of Spenser to the end of the reign of Queen Victoria with special reference to the works of the following authors :—

Shakespeare, Milton, Johnson, Dickens, Wordsworth, Keats, Carlyle, Tennyson and Hardy.

INDIAN HISTORY (Code—09)

India from 1600 to the establishment of Indian Republic, including the constitutional developments during this period:

NOTE.—In this subject candidates should be acquainted with geography in its relation to history. When a fixed date is given for the beginning of the period candidates will be expected to know in general outline how the initial position was reached.

GENERAL ECONOMICS (Code—10)

Candidates will be expected to have a knowledge of economic theory and should be prepared both to illustrate theory by facts and to analyse facts by the help of theory. Some knowledge of the economic history of India and of England and of economic conditions in these countries will be expected.

POLITICAL SCIENCE (Code—11)

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms (Representative Government, Federalism etc.) and Public Administration, Central and Local. Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

SOCIOLOGY (Code—12)

Nature and Scope of Sociology; Study of Society; Sociology and its relation to other Social Sciences.

Basic concepts Status and Role; Primary and Secondary Groups; Social institutions; Social structure; Social control and Deviant behaviour; Social Conflict; Social Change.

Basic Social Structures and Institutions; Marriages; Family and Kinship; Political Institutions; Religious Institutions; Social stratification—Caste, Class and Race.

Environment, society and culture.

Sociology of India; Caste and Casteism; Family and Kinship; Village community; Social change in modern India.

PSYCHOLOGY (Code—13)

General Psychology

Definition and subject-matter of Psychology; methods of Psychology; Concept of adjustment and behaviour mechanism; Physiological basis of behaviour; (a) receptors—visual and auditory; (b) general idea of the nervous system; (c) effectors—muscles and glands.

Factors in human development—heredity and environment, maturation and learning.

Motivation and emotion—their nature, kind and development.

Perception and its nature; Perception of form, colour and space.

Learning: its nature, conditioning, insight and trial and error.

Memory and forgetting—factors effecting the processes; efficient methods of memorising.

Thinking and reasoning.

Intelligence and abilities—their nature and measurement.

Personality—nature, determinants and measurement.

Abnormal Psychology

Abnormal behaviour—its concept and causes.

Frustration and conflicts; defence mechanisms.

Forms of psychological disorders—neurotic, psychotic, personality and psychophysiological disorders.

General idea of treatment of mental disorders—psychotherapy.

Social Psychology

Group processes; individual and the group; leadership morale and crowd behaviour.

Propaganda and psychological warfare.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning, outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

(Physical Standards for Admission to the Academy/School)

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARD OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE, THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and arrears. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard, they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will, however, be ensured that—

(a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformations or obesity;

(b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints.

NOTE : A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

(c) There is no impediment of speech;

(d) there is no malformation of the head or deformity from fracture or depression of the bones of the skull.

(e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation.

NOTE : A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

(f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses.

NOTE : A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otology for examination and opinion.

(g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that thyroid gland is normal.

NOTE : Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.

(h) there is no disease of the throat, palate, tonsils or gums or disease or any injury affecting the normal function of either mandibular joint;

NOTE : Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

(i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;

(j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;

(k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;

(l) there is no inguinal hernia or tendency thereto;

NOTE : (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.

(2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided :

(i) One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate.

(ii) General tone of the abdominal musculature is good.

(iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.

(m) there is no hydrocele or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs.

N.B.—(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis.

(ii) Undescended inter abdominal testicle on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

(n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

(o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;

(p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial scars which by the extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;

(q) there is no active, latent or congenital venereal disease;

(r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted.

(s) there is no squint or any morbid condition of the eyes or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence.

(t) there is no active trachoma or its complication and sequelae

NOTE—Remedial operation are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and Chest Measurement—

(a) Height—

(i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Gorkha, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of naval candidates from MANIPUR, NEFA, MEGHALAYA AND TRIPURA may also be reduced by 5 cm. and 2 cm. in the case of candidates from LACCADIVES.

(b) Weight—

(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with underpants only. In recording weight fraction of 1/2 kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance :—

Age last birth day	Height without shoes	Weight	
		Average Minimum	Average Maximum
Years	Centimetres	Rgs.	Rgs.
17 to 18	157.5 & under 165.0	43.5	55.0
	165.0 & under 172.5	48.0	59.5
	172.5 & under 183.0	52.5	64.0
	183.0 & upwards	57.0	—

1	2	3	4
19	160·0 & under 165·0	44·5	56·0
	165·0 & under 172·5	49·0	60·5
	172·5 & under 178·0	53·5	65·0
	178·0 & under 183·0	58·0	69·5
	183·0 & upwards	62·5	—
20 & upwards	160·0 & under 165·0	45·5	56·5
	165·0 & under 172·5	50·0	61·0
	172·5 & under 178·0	54·5	66·0
	178·0 & under 183·0	59·0	70·5
	183·0 & upwards	63·0	—

HEIGHT AND WEIGHT STANDARDS

For Navy only

Height in Centimetres	Age		
	18 years	20 years	22 years
Weight in Kilograms			
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is, therefore, only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (± 6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well-developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89 and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored : 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

For Navy

"X-Ray" of chest is compulsory.

4. Dental Condition—

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw—

(i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar—1 point each.

(ii) 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw—

(i) any 4 of the 6 anteriors.

(ii) any 6 of the 10 posteriors.

Note.—Candidate for direct commission and technical graduates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

(c) Candidate suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standard (Army)

	Better eye	Worse eye
Distant vision (corrected)	6/6	6/18

Myopia of not more than—3.5 D including astigmatism Manifesto Hypermetropia of not more than +3.5 including astigmatism.

Note 1. Fundis and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progressive myopia.
3. Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.
4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.

Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective Safe), defined below will be declared unfit :—

CP-3 (Defective Safe)—Candidates should be able to recognise white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

Visual Standard (Navy)...

(a) Visual Acuity

Standard I Better eye Worse eye
V-6/6 V-6/9

Distant Vision

Correctable to 6/6

Navy (i)—Visual standard I. No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering, electrical and Supply and Secretariat Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements :

Normally Cadets of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Direct entry officers for all Branches of the Navy will not be tested for Della Casa for Night

Vision acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the medical board proceedings:—

I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it.

Signature of the candidate
Countersignature of the Medical Officer.

Heterophoria

Limits of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed:—

(a) At 6 metres—

Exophoria 8 prism dioptres
Esophoria 8 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptre

(b) At 30 cms—

Esophoria 6 prism dioptres
Exophoria 16 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptre

Executed level

Limits of hypermetropia (under homatropine)
Better Eyes

Hypermetropia . . . 1.5 dioptres

Simple Hypermetropic . . 0.75 dioptre
Astigmatism

Compound Hypermetropic
Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.
Worse-Eyes

Hypermetropia . . . 2.5 dioptres
Simple Hypermetropic
Astigmatism

Compound Hypermetropic
Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

6. Hearing Standard—

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

(a) *Speech test.*—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 609.5 cm. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) *Audiometric record.*—The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second. Audiometry reading between plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy).

APPENDIX III

(*Brief Particulars of service etc.*)

(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRADUN.

1. Before the candidate joins the Indian Military Academy—

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or

death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment any injury received as aforesaid or otherwise:

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 55/- per month.—Rs. 275.00.
(b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00
Total Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month.—Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—

(1) **PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.**—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.**—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—

(a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
(b) if he is not granted a commission, refunded to the State.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the

personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentlemen Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training :

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training, Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(i) PAY

Rank	Pay scale	Rank	Pay scale
	Rs.		Rs.
2nd Licut.	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1800 fixed
Lieut.	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1250—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1650—1800	Maj. General	2500—125/2—2750
Lt. Colonel (By selection)	1800—1950	Lt. General	3000 p.m.

(ii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

- Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- Expatriation allowance* : When Officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held, is admissible.
- Separation allowance* : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

(iii) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(iv) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By time scale

Lt.	2 years of Commissioned Service
Capt.	6 years of Commissioned Service
Major	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major (if not promoted by selection)	25 years of Commissioned Service

By selection

Lt. Col.	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service
Major Gen.	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen.	28 years of Commissioned Service
Gen.	No restriction

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6 1/2 years
Colonel	8 1/2 years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for five months @ Rs. 45.00 per month	Rs. 225.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 685.00

(2) Candidates applying for Government financial aid:

(i) Pocket allowance for two months @ Rs. 45.00 per month	Rs. 90.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under:—

(a) Cadets Training including afloat training for 6 months	1 year
(b) Midshipmen afloat Training	6 months
(c) Acting Sub-Lieutenants Technical Courses	12 months
(d) Sub-lieutenants	

A minimum period of 6 months sea service to obtain a watch-keeping certificate.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 350 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 40 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the

application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi.

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 400 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy *vide* sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadet applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

- (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily injury or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received, as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale	
	General	Service
1	2	3
Midshipman	Rs. 560	
Ag. Sub. Lieut.	Rs. 750	
Sub. Lieut.	Rs. 830—870	
Lieut.	Rs. 1100—1450	
Lieut. Cdr.	Rs. 1450—1800	
Commander (By selection)	Rs. 1750—1950	

1	2	3
Commander (By time scale)	Rs. 1800 fixed	
Captain	Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).	
Rear Admiral	Rs. 2500—125/2—2750	
Vice Admiral	Rs. 3000	

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held, is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to—
 - (i) married officers serving in non-family station; and
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.

NOTE I :—In addition certain special concessions like hard-lying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty/ survey allowance qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipman to Ag. Sub. Lieut.	1/2 year
Ag. Sub. Lieut. to Sub. Lieut.	1 year
Sub. Lieut. to Lieut.	3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain forfeiture of seniority).
Lieut. to Lieut. Cdr.	8 years seniority as Lieut.
Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service)

(b) By selection

Lieut. Cdr. to Cdr.	2—8 years seniority as Lieut. Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cdr.
Capt. to Rear Admiral and above.	No Service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Services Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.

1. Before the candidate joins the Officers' Training School, Madras—

- (i) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or

other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 450 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month	Rs. 550.00
---	------------

This amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training

at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.

10. Terms and conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission, are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut, are:—

Second Lieut.	Rs. 750—790 p.m.
Lieut.	Rs. 830—950 p.m.

Plus other allowances
as laid down for Regular Officers

(e) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 *ibid.*

(f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission or extension thereof, they will carry a but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.

(i) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of the five years Short Service Commission or extension thereof, they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Orders, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Orders, 1970*.

2. Shri _____ and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* _____ of District/Division* _____ of the State/Union Territory* of

Signature.....

**Designation

(with seal of office)

State/Union Territory

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator†Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V CANDIDATES INFORMATION MANUAL

Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination you do not write detailed answers. For each question (here-in after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (herein after referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

Nature of the Test

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

Method of Answering

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e are printed. After you have read each item in the test booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the response by blackening it completely with the pencil as shown in the enclosed specimen answer sheet. Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. It is, therefore, important that—

1. You use only the pencil provided by the Supervisor; the machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark erase it completely and remark the correct response.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate it.

SOME IMPORTANT RULES

1. You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.
5. Write clearly the name of the examination, your Roll No., centre, subject and date of the test and serial number of the test booklet at the appropriate space

provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall, as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test. Answers should be marked by blackening with pencil as indicated above. Red ink should *not* be used on the answer sheet.

SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given. You may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. If you know nothing about a question, better leave it blank. You will get better marks by omitting to answer such questions than by blind guessing.

The questions are designed to measure your knowledge understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you **UNDERSTAND** the subject thoroughly.

SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop will be penalised.

After you have finished answering remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You

are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall. Those who violate this direction are liable to be penalised.

SAMPLE QUESTIONS

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government.

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to the Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—c)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

